नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 217 | नई दिल्ली, मंगलवार 05 नवंबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | मीना कुमारी के किरदार में ढलने को तैयार... पेज-12

## एक नजर

### वायु सेना का मिग-29 विमान आगरा के निकट दुर्घटनाग्रस्त

**नई दिल्ली।** वायु सेना का मिग-29 लड़ाकू विमान तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को आगरा के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया जबकि विमान का पायलट समय रहते पैराशूट की मदद से सुरक्षित बच निकलने में सफल रहा। वायु सेना के प्रवक्ता के अनुसार विमान नियमित प्रशिक्षण उडान पर था। पायलट को जैसे ही विमान में तकनीकी खराबी का पता चला उसने विमान को ऐसी जगह पर उतारने की सफल कोशिश की जिससे कि जमीन पर जानमाल का नुकसान न हो। इसके बाद पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित बच निकलने में सफल रहा। प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिये गये हैं। इस विमान ने पंजाब के आदमपुर वायु सेना स्टेशन से आगरा के लिए उडान भरी थी।

### दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने पर करें विचार : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लागू न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों से सोमवार को कहा कि वे राजधानी क्षेत्र में पटाखों के इस्तेमाल पर स्थायी प्रतिबंध लगाने के पर विचार करें। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एम सी मेहता द्वारा दायर याचिका से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली के बाद वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर से यह स्पष्ट है कि पटाखे पर प्रतिबंध से संबंधित उसके आदेश का पालन नहीं किया गया और दिवाली के आसपास पराली जलाने की घटनाएं भी बढ़ गईं। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार और दिल्ली के पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वे एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर इस साल पटाखों पर प्रतिबंध लागू करने के लिए उठाए गए कदमों के साथ-साथ अगले साल प्रतिबंध का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को रिकॉर्ड में लाएं। पीठ ने कहा कि इस बीच दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारी दिल्ली में पटाखों के इस्तेमाल पर स्थायी प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर भी फैसला लेंगे। दिल्ली के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता गंभीर स्तर को पार कर गई, क्योंकि पीएम 2.5 की सांद्रता का स्तर बढ़ गया। इस वजह से स्वास्थ्य के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो गई।

### भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है: धनखड़

**नई दिल्ली।** उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, इसे समावेशी बनाने और 'अंत्योदय' से प्रेरित होने पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है।

श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है। औपनिवेशिक विचारों को चुनौती दी रही है। उन्होंने कहा, भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए जो औपनिवेशिक मानसिकता से दूर हो और स्वतंत्रता के बाद हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि अब पहले के औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'किंग्स वे' अब 'कर्त्तव्य पथ' बन गया है और 'रेस कोर्स रोड' 'लोक कल्याण मार्ग' बन गया है। नेताजी अब उस छत्र पर खड़े हैं जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया।

### अल्मोड़ा में भीषण बस हादसे से दहला पहाड़

# सड़क हादसे में 10 महिला समेत 36 यात्रियों की मौत

- दीपावली मनाकर अपने कार्यस्थल पर लौट रहे थे अधिकतर लोग

**देहरादून, एजेंसी।** नदी में बिखरे शवों के ढेर में अपनों को तलाशती नम आखें और चारों ओर भयावह मंजर देख लोग दहल गए। यही नहीं, एक साथ 36 शवों का सामूहिक पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर की भी रूह कांप उठी। सोमवार को आपदा प्रभावित राज्य उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले से बस हादसे की जो तस्वीरें सामने आईं, उसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। बस में सवार अधिकतर लोग दीपवाली की छुट्टी मनाकर कार्यस्थल पर लौट रहे थे।

जिस जगह हादसा हुआ है, वह पहाड़ी इलाका है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल की रिपोर्ट के अनुसार हादसे में 10 महिला समेत 36 यात्रियों की मौत हुई है और 27 लोग घायल हुए हैं। 42 सीटर बस पर कुल 63 सवारी खचाखच भरी थी। बताया जा रहा है कि ओवरलोडिंग के कारण यह बड़ा हादसा हुआ है। मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। बस गढ़वाल मोटर्स ओनर्स यूनियन लिमिटेड की थी।

कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि यात्रियों से भरी बस गढ़वाल क्षेत्र के पौड़ी जिले के गौलीखाल से कुमाऊं क्षेत्र नैनीताल जिले के रामनगर जा रही थी। रामनगर से 35 किलोमीटर पहले अल्मोड़ा जनपद के सल्ट ब्लाक अंतर्गत मारचुला (कूपी बैंड) के समीप पहुंचते ही बस अनियंत्रित होकर 650 फीट गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि एक संकरे मोड़ के पास चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका और यह खाई में गिर गई। मौके से आई तस्वीरें हादसे की भयावहता को दशार्ती हैं। बस जंगल से घिरे इलाके में चट्टानी ढलान से लुढ़कते हुए 200 मीटर तक लुढ़की और नाले के ठीक ऊपर अटक गई।

बस के नदी में गिरते ही चींख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कुछ लोग बस से छिटककर और नीचे गिर गए। घायलों ने ही घटना की जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। बता दें कि सोमवार की सुबह आठ बजे बस कुपी गांव से आगे को निकली थी। आठ बजकर 10 मिनट पर गांव वालों को हादसे की सूचना मिल गई। जानकारी होते ही गांव वाले दौड़ते हुए दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए।

सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मुश्किल से बस के अंदर फंसे शवों को निकाला गया। बचाव कार्य में धूमाकोट, सरियापानी, नैनीताल और रुद्रपुर पोस्ट से एसडीआरएफ की तीन टीमें भी रेस्क्यू में जुटी हुई थीं। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को उपचार के लिए तत्काल हेली एम्बुलेंस के माध्यम से एम्स ऋषिकेश पहुंचाया गया। शेष अन्य घायलों को एम्स ऋषिकेश के अलावा रामनगर और हल्द्वानी में सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सभी का उपचार चल रहा है।

### मुर्मु, मोदी, राहुल सहित कई नेताओं ने हादसे पर जताया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने सोमवार को उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिये पृथक रूप से सहायता राशि देने की भी घोषणा की है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों के साथ ही कई लोगों की मृत्यु का समाचार दय विदारक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

अल्मोड़ा में हुए बस हादसे के बाद श्री मोदी ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है। श्री मोदी ने अल्मोड़ा हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

श्री सिंह ने अल्मोड़ा हादसे को लेकर ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा,ह्लउत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए भीषण सड़क हादसे के बारे में जानकर अत्यंत दुख पहुंचा है। इस दुर्घटना में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मैं मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

### राज्य और केंद्र सरकार ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

अल्मोड़ा बस हादसे के पीड़ितों के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता की घोषणा की है। राज्य सरकार ने जहां मृतकों के परिवारों के लिए चार-चार लाख रुपये सहायता राशि देने की घोषणा की है तो घायलों को एक-एक लाख रुपये सहायता दी जाएगी। वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष से मृतकों के परिवारों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये सहायता देने की घोषणा की गई है।

### मुख्यमंत्री धामी कार्यक्रम स्थगित कर दिल्ली से लौटे उत्तराखंड

हादसे के वक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महत्वपूर्ण बैठक व अन्य कार्यक्रमों को लेकर दिल्ली में थे। वह दिल्ली में भाजपा की एक बड़ी बैठक में शामिल होने के लिए गए थे। जानकारी होते ही मुख्यमंत्री धामी घटना की पल-पल की जानकारी ले रहे थे और आवश्यक कार्रवाई के लिए लगातार निर्देश दे रहे थे। इसके बाद वे सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिल्ली से उत्तराखंड आ गए।

### ये सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल होती तो शायद नहीं होता हादसा

अल्मोड़ा बस हादसे की असली वजह क्या थी? इसकी जांच की जा रही है, लेकिन प्रारंभिक तौर कुछ खामियां भी सामने आ रही हैं। माना जा रहा है कि अगर ये खामियां पहले ही दूर की जाती तो शायद ये हादसा नहीं होता। दरअसल, जहां से बस खाई में गिरी थी वहां पर ढलान और तीव्र मोड है। इसके अलावा सड़क सुरक्षा के नाम कोई पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आए। हालांकि चेतावनी के तौर पर एक बोर्ड जरूर लगाया है जिस पर 'ऊपर चढ़ने वाले वाहनों को प्राथमिकता दें' लिखा नजर आया, लेकिन सड़क किनारे कोई भी पैराफिट और क्रैश बैरियर नहीं लगाया गया है। माना जा रहा है कि अगर सड़क किनारे पैराफिट या क्रैश बैरियर होती तो शायद बस खाई में गिरने से बच जाती।

# अमेरिका में अगले राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान आज

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार (पांच नवंबर) को मतदान होगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच है।

देश के अलग-अलग राज्यों में मतदान स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे से नौ बजे के बीच शुरू होगा। अमेरिका में अधिकांश मतदान केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया पांच नवंबर को यहां पूर्वी (तट) के मानक समय (ईएसटी) के अनुसार शाम सात बजे से 11 बजे के बीच बंद हो जाएगी।

यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडिया की इलेक्शन लैब के अनुसार डाक मतदान जैसी सुविधाओं के तहत इस बार कुल सात करोड़ 80 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। इनमें राष्ट्रपति जो बाइडेन भी शामिल हैं।

रविवार तक की अंतिम सूचना के अनुसार, अग्रिम मतदान के तहत सात करोड़ 80 लाख तीन हजार 222 पड़ चुके थे। इनमें 42,654,364 वोट व्यक्तिगत रूप से, 35,348,858 वोट डाक से प्राप्त हुए हैं। चुनाव प्राधिकरण ने मतदाताओं को आवेदन के आधार पर कुल 67,456 847 डाक मत पत्र भेजे थे।

इससे पहले पिछले चुनाव में कुल 10.1 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अग्रिम में मतदान किया था जो अब तक का रिकार्ड है। पिछली बार कोविड-19 महामारी के कारण लोगों ने डाक मतपत्र जैसी अग्रिम मतदान सुविधाओं को अधिक इस्तेमाल किया था।

पिछले चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने डाक से मिले मतपत्रों में धांधली का आरोप लगाया था।

# उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल की 14 सीटों पर उपचुनाव अब 20 नवंबर को

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चुनाव आयोग ने केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 14 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव 13 की जगह 20 नवंबर को कराने की सोमवार को घोषणा की।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें केरल की पलक्कड़, पंजाब की डेरा बाबानानक, चब्बेवाल (सुरक्षित), गिद्दरबाहा, बरनाला और उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुण्डरकी, गाजियाबाद, खैर (सुरक्षित), करहल, सीसा मऊ, फूलपुर, कटिहारी, मझवां सीट शामिल हैं।

आयोग ने कहा है कि उसने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अनुरोध पर यह फैसला किया है।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इन दलों ने 13 नवंबर को सम्बंधित क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की व्यस्तता के आधार पर चुनाव तिथि बदलने का अनुरोध किया था।

इन सीटों के उपचुनाव की मतगणना 20 नवंबर को कराई जायेगी और चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक संपन्न करा ली जायेगी।

आयोग ने कहा है कि इन सीटों पर चुनाव कार्यक्रम की अन्य तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 अक्टूबर को 15 राज्यों में 48 विधानसभा और दो लोक सभा सीटों के लिये उपचुनाव कराने की घोषणा की थी।

कार्यक्रम के अनुसार महाराष्ट्र की नान्देड़ संसदीय सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ सीट को छोड़ कर इन सभी सीटों के उपचुनाव में मतदान 13 नवंबर को कराने का कार्यक्रम था।

आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) जैसी पार्टियों और सामाजिक संगठनों के अनुरोध पर तीन राज्यों की 14 सीटों पर मतदान की तिथि बदल दी है और इन सीटों पर मतदान महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मतदान के लिये तय 20 नवंबर की तिथि के दिन मतदान कराने का फैसला किया है।

### कनाडा से तनाव के बीच पहली बार बोले पीएम मोदी

# मंदिर पर हमला कायराना, ऐसे कृत्य डिगा नहीं सकते

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा की गई हिंसा और हिंदुओं के साथ मारपीट प्रकरण पर अब पीएम नरेंद्र मोदी का बयान आया है। भारत और कनाडा के बीच चल रहे तनाव पर पीएम मोदी पहली बार बोले हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि वो इस हिंसा की कड़ी निंदा करते हैं और ऐसे कृत्य भारत के संकल्पों को कभी कमजोर नहीं करेंगे।

रविवार को खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हो गई। आरोप है कि खालिस्तान समर्थकों ने हिंदुओं

के साथ मारपीट भी की। जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर ह्यभारत विरोधीह्न तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की।

हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय का भी बयान आया। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानी उग्रवादियों द्वारा की गई हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कनाडा सरकार से मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

कनाडा से राजनयिक विवाद और अब हिंदू मंदिर में खालिस्तानी समर्थकों द्वारा उत्पात मचाने के बाद यह पहली बार है जब पीएम मोदी का बयान आया है। पीएम मोदी ने हमले को लेकर कहा, "मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडाई सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी।"

मारपीट और चले लात-घूंसे

केनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ था और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए।

रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते नजर आए। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।

# आर्थिक स्तर पर विफल मोदी देश को बरगला रहे हैं: खरगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए आज कहा कि वह आंकड़ों का फजीर्वाड़ा करने में माहिर हैं, देश की अर्थव्यवस्था हर स्तर पर गिरी है, लेकिन इस विसफलता को लेकर वह देश की जनता को भरमा रहे हैं।

श्री खरगे ने कहा, श्री नरेन्द्र मोदी जी नकली आख्यान वास्तविक कल्याण का विकल्प नहीं हो सकते। आम नागरिकों का पैसा लूटकर जो आर्थिक उथल पुथल आपने पैदा की है, उससे त्यौहारी खुशी कम हुई, उच्च मुद्रास्फीति से असमानता बढ़ी, कम निवेश हुआ और स्थिरता से

जूझ रही अर्थव्यवस्था का निरुत्साहित रही। आपकी सरकार गरीबों और मध्यम वर्ग पर कमरतोड़ महंगाई थोपकर और बिना सोचे-समझे कराधान के माध्यम से उनकी बचत को खत्म करके उन्हें बड़ा झटका दे रही है।

उन्होंने कहा, आपकी सरकार के जनविरोधी निर्विवाद पांच तथ्य हैं, जिनमें सबसे बड़ा मुद्दा महगाई है। खाद्य मुद्रास्फीति 9.2 प्रतिशत पर है। सब्जियों की मुद्रास्फीति अगस्त में 10.7 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 14 महीने के उच्चतम 36 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह सच है कि एफएमसीजी सेक्टर की मांग में भारी गिरावट देखी गई है, बिक्री में वृद्धि एक साल में 10.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.8 प्रतिशत रह गई है। वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट यह बताती है। एफएमसीजी कंपनियों ने मार्जिन में गिरावट की सूचना दी है और कहा है कि अगर कच्चे माल की लागत कंपनियों के लिए असहनीय हो गई, तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

# भाजपा नेता बीबी त्यागी ने थामा आप का दामन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्वी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीबी त्यागी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दो बार के भाजपा से पार्षद, निगम में स्थाई समिति के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके बीबी त्यागी को आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि बीबी त्यागी का आप परिवार में स्वागत है।

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी मुख्यालय में श्री त्यागी को पार्टी की टोपी और पटका पहनाते हुए इसकी घोषणा की। इस दौरान उन्होंने

कहा कि दिल्ली आज एक तरफ काम करने और दूसरी तरफ काम रोकने की राजनीति देख रही है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि दिल्ली में अच्छे स्कूल, अस्पताल बने। श्री सिसोदिया ने कहा, 'मैं बीबी त्यागी के काम और उनकी राजनीति को बहुत लंबे समय से देख रहा हूं। वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं। जब मैं खुद पत्रकार था, तो इनके क्षेत्र में ही रहता था और देखता था कि वहां एक नेता के रूप में यह किस तरह काम करते थे। मेरा भी हमेशा मन था कि बीबी त्यागी जैसी राजनीति करते हैं, उसकी सही जगह आम आदमी पार्टी में ही है।'

आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पिछले कई दिनों से आम आदमी पार्टी परिवार में दिल्ली और दिल्ली के मुद्दों पर संघर्ष करने वाले कई बड़े-बड़े लोग शामिल हो रहे हैं। कुछ दिन पहले ब्रह्म सिंह तंवर पार्टी में शामिल हुए थे। उसी कड़ी में आज दिल्ली के प्रमुख चेहरे बीबी त्यागी आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी ज्वाइन करने के बाद बीबी त्यागी ने बताया, 'मैंने भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी ज्वाइन की है। यह सिर्फ चुनाव को देखते हुए नहीं है। मुझे पार्टी जो काम देगी, वह मैं करूंगा। क्योंकि मैं जमीनी स्तर पर काम करने वाला आदमी हूं। मुझे जनता के बीच में जाना अच्छा लगता है।' भाजपा से पार्षद रहे त्यागी को काम करने में क्या दिक्कतें आ रही थी, इस पर जब उनसे प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, 'जब हम भाजपा में थे तो काम कर रहे थे। भाजपा से नाराजगी नहीं है। आम आदमी पार्टी भाजपा से बेहतर काम कर रही है। अरविंद केजरीवाल की नीतियों से प्रभावित होकर मैंने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की है।'

## भाजपा ने नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की पुनर्नियुक्ति की मांग की, मुख्यमंत्री आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने पिछले साल बस मार्शल के पद से हटाए गए 10,000 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों (सीडीवी) की तत्काल पुनर्नियुक्ति की मांग करते हुए यहां मथुरा रोड स्थित दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के आवास के पास सोमवार को प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी पर बस मार्शल की पुनर्नियुक्ति के संबंध में कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया।

सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री को यह बताना चाहिए कि उनकी सरकार ने बस मार्शल की

पुनर्नियुक्ति के आदेश क्यों जारी नहीं किए जबकि उपराज्यपाल ने उन्हें एक नवंबर से बहाल किए जाने का निर्देश दिया था।

आतिशी ने रविवार को कहा था कि शहर में वायु प्रदूषण रोधी उपायों को लागू करने वाली विभिन्न एजेंसियों की मदद के लिए सीडीवी की तैनाती अगले दो-चार दिनों में शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी स्थायी नियुक्ति के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव भी एक सप्ताह के भीतर उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

इससे पहले उपराज्यपाल ने आतिशी को पत्र लिखकर कहा था कि सीडीवी को तुरंत फिर से नियुक्त करने के उनके आदेश के बावजूद उन्हें अभी तक इस संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। सक्सेना ने मुख्यमंत्री से सीडीवी की पुनः नियुक्ति में तेजी लाने की अपील की।

दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन बसों में सीवीडी के तौर पर काम कर रहे करीब 10 हजार व्यक्तियों को राजस्व विभाग और वित्त विभाग की आपत्तियों के बाद पिछले साल नवंबर में हटा दिया गया था।

## बोनट पर लटके ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को कार से घसीटने के आरोपित दो नाबालिग धरे गए

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस ने बेरसराय मार्केट रोड के पास दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को कार के बोनट पर लटकाकर घसीटने के आरोप में दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस ने कार के मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक घटना दो नवंबर को हुई थी। घटना के बाद से ही पुलिस को आरोपितों की तलाश थी। घायल एएसआई प्रमोद ने अपने बयान में कहा था कि 2 नवंबर को वह हेड कांस्टेबल शैलेश के साथ बेर सराय मार्केट रोड के पास ड्यूटी पर थे। शाम करीब 7.45 बजे एक कार रेड लाइट जंप करके उनकी ओर आई। उन्होंने कार को रुकने का इशारा किया। जब ड्राइवर को कार से बाहर आने के लिए कहा गया तो उसने मौके से कार भगाने की कोशिश की और उन्हें कार पर करीब 20 मीटर तक घसीटता हुआ मौके से भाग गया।

यह कार वसंत कुंज के जय भगवान के नाम पर रजिस्टर्ड है। दिल्ली पुलिस के अनुसार इस घटना को एक गंभीर अपराध के रूप में रखा गया है। जिसमें यातायात पुलिस ने चालक की लापरवाही के कारण उनकी जान लेने का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार 2 नवंबर शाम के समय को साउथ दिल्ली के बेर सराय इलाके में हुई इस घटना का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कार सवार दो ट्रैफिक कर्मी को बोनट पर घसीटता हुआ 20 मीटर तक ले गया और दोनों ने काफी शोर मचाया था। ट्रैफिक कर्मियों का बाद में संतुलन बिगड़ जाने से वो कार के नीचे गिर गए थे।

## स्वाति मालीवाल ने आप विधायक नरेश बाल्यान के बयान की आलोचना की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने दिल्ली की सड़कों के निरीक्षण के बारे में आप नेता नरेश बाल्यान के बयानों की आलोचना की है। स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर से विधायक नरेश बाल्यान का कहना है, "सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी बना देंगे। इस महिला विरोधी बात की जितनी निंदा की जाए वो कम है। उन्होंने कहा कि ये व्यक्ति पूरे दस साल सोता रहा है, जिसके चलते उत्तम नगर की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। आज भी काम न कर के सिर्फ.

अपनी खराब सोच का प्रदर्शन कर रहा है। महिलाओं को वस्तु समझने वाली ऐसी घटिया सोच की समाज में कोई जगह नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से अपील की कि इस महिला विरोधी सोच वाले व्यक्ति के खिलाफ तुरंत एक्शन लें।

## यमुना में फेकल कोलीफॉर्म की मात्रा पिछले साल की तुलना में 10 गुना बढ़ी, स्थिति गंभीर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण यमुना नदी अब गंभीर प्रदूषण स्तरों का सामना कर रही है। हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, यमुना में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा पिछले साल की तुलना में 10 गुना बढ़ गई है। यह बैक्टीरिया मानव और पशु अपशिष्ट के प्रदूषण का स्पष्ट संकेत है।

फेकल कोलीफॉर्म की बढ़ती मात्रा ने यमुना के पानी को विषैला और दुर्गंधयुक्त बना दिया है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर चिंताएं

उत्पन्न हो गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति जल प्रदूषण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक हो सकती है। इस संकट का एक प्रमुख कारण सीवेज उपचार संयंत्रों की प्रभावशीलता में कमी है। ये संयंत्र वेस्ट वाटर को प्रोसेस और शुद्ध करने के लिए बनाए गए हैं, लेकिन कई सीवेज उपचार संयंत्र अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं या आवश्यक उपचार मानकों को पूरा करने में असफल हैं।

इसके परिणामस्वरूप जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग के स्तर में वृद्धि होती है, जो पानी में जैविक सामग्री के विघटन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा को दशार्ता है। जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग के उच्च स्तर अत्यधिक जैविक प्रदूषकों की उपस्थिति का संकेत देते हैं, जो पानी में ऑक्सीजन को कम कर सकते हैं और जलीय जीवन को खतरे में डाल सकते हैं।

हालांकि, पर्यावरणीय नियम कड़े हैं और अवैध अपशिष्ट के निपटान पर जुमार्ने लगाए जाते हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन कमजोर है। यह नियामक कमी यह सुनिश्चित करती है कि एक बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट सीधे नदी में प्रवाहित होता रहे। इन चुनौतियों का उचित समाधान न करना यमुना के प्रदूषण की समस्या को बढ़ाता है, जिससे नदी की पारिस्थितिकी संकट में पड़ जाती है और उन लोगों के जीवन यापन को खतरे में है, जो पानी और कृषि के लिए इस पर निर्भर हैं।

## ससुराल आए शख्स की साढू ने गोली मारकर की हत्या, कारोबार को लेकर हुआ था विवाद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोनिया विहार में ससुराल में भैया दूज मनाने आए दो साढू कारोबार को लेकर आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि एक साढू ने दूसरे पर गोली चला दी। इस घटना में हेमंत (35) की मौत हो गई, उसके सिर व सीने के बाएं ओर एक-एक गोली लगी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित अजय फरार हो गया। खजूरी खास थाना पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी कर जांच शुरू कर दी है। आरोपित की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6.20 बजे सोनिया विहार पहला पुश्ता के ए-ब्लॉक में गोली चलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि किराये पर रहने वाले बंटू के घर में वारदात हुई है। भैया दूज मनाने उसकी बहन रेखा पति अजय और चांदनी अपने पति हेमंत के साथ घर आई थी। अजय और हेमंत दोनों माला बनाने का काम करते हैं। बातचीत के दौरान हेमंत और अजय के बीच काम को लेकर बहस शुरू हो गई। दोनों ने एक-दूसरे पर ग्राहक तोड़ने का आरोप लगाते हुए हाथापाई कर दी।

इसी दौरान अजय ने पिस्टल निकाल कर हेमंत पर दो गोलियां चला दी। एक गोली उसके सिर में लगी और दूसरी सीने में। घायल अवस्था में हेमंत को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। नंद नगरी इलाके में युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका पूजा (25) के बड़े भाई ने लिव इन पार्टनर पर गला घोंट कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

## हवा की कम गति के कारण दिल्ली में बढ़ रहा है वायु प्रदूषण : राय

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि हवा की कम गति के कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। दिल्ली में सोमवार सुबह धुंध की मोटी परत छाई रही, जिससे हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी के उच्च स्तर पर बनी रही। गोपाल राय ने कहा, "मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट के साथ शहर में हवा का दबाव कम है, जिसके कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। सरकार इस पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।"

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 9 बजे 373 रहा। आंकड़ों से पता चला कि राष्ट्रीय राजधानी के 39 निगरानी स्टेशनों में से 11 में प्रदूषण का स्तर 'गंभीर' दर्ज किया गया, जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर था। शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' और 450 से ऊपर 'गंभीर प्लस' माना जाता है।

### विभिन्न एजेंसियों के साथ की जाएगी समीक्षा

गोपाल राय ने कहा कि वह मंगलवार को शीतकालीन कार्य योजना के तहत विभिन्न विभागों और एजेंसियों द्वारा किए गए सभी मापों की समीक्षा करेंगे। पर्यावरण मंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्र प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश के उपयोग के संबंध में एक बैठक बुलाएगा। गोपाल राय ने 23 अक्टूबर को इस मामले पर केंद्र को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि अगर बैठक नहीं बुलाई गई तो वह फिर से संपर्क करेंगे।

# छठ घाट पर पहुंचीं सीएम आतिशी, कहा-आप सरकार में 60 से 1 हजार हुए पूजा घाट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में छठ पूजा को लेकर दिल्ली सरकार जोर-शोर से तैयारी में जुटी है। छठ घाट और यमुना में प्रदूषण के मुद्दे को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी आमने-सामने नजर आ रहे हैं। दोनों ही पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप मढ़ते हुए खराब हालात के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार बता रही हैं।

दिल्ली के आईटीओ पहुंच कर मुख्यमंत्री आतिशी ने अधिकारियों के साथ छठ घाट का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान आतिशी ने कहा है कि 'छठ का पर्व पूर्वांचली भाई-बहनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है और हम 10 साल से इस पर्व को पूरी दिल्ली में धूमधाम से मनाते हैं। 10 साल पहले दिल्ली में

सिर्फ 60 जगहों पर छठ पर्व मनाया जाता था, लेकिन आज दिल्ली सरकार ने 1000 से ज्यादा छठ घाट तैयार किया है, जहां सभी लोग अच्छी तरह छठी मैया की पूजा कर पाएंगे। सीएम ने कहा, चिराग दिल्ली में डीडीए द्वारा छठ पूजा को रोकना बीजेपी की पूर्वांचल विरोधी मानसिकता को दशार्ता है।'

आतिशी ने बताया कि हमारी सरकार के सभी मंत्री और विधायक अपने-अपने इलाकों में बना रहे छठ घाटों का लगातार दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईटीओ के हाथी घाट पर बना यह छठ घाट बहुत विशेषता वाला घाट है, यहां तैयारी मुकम्मल हो चुकी है। साउथ दिल्ली में छठ घाट को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच चल रहे टकराव पर मुख्यमंत्री का कहना है कि छठी मैया सब की हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी वालों का पूर्वांचली विरोधी चेहरा सामने आ चुका है। पिछले आठ साल से जहां छठ घाट बनाकर पूजा पाठ किया जा रहा था, अब उसे रोका जा रहा है।

### मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भाजपा पर लगाया छठ घाट बनाने से रोकने का आरोप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में छठ पूजा पर हो रही राजनीति की आलोचना की। उन्होंने आज प्रेस वार्ता कर भाजपा पर आरोप लगाया कि वह दिल्ली में लोगों को छठ घाट बनाने से रोक रही है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चिराग दिल्ली के सतपुला ग्राउंड में पूर्वांचली समुदाय पिछले आठ सालों से छठ पूजा मनाता आ रहा है और इस साल भी दिल्ली सरकार ने वहां आयोजन की अनुमति दी थी। इसके बावजूद इस बार पूजा करने पर रोक लगाई जा रही है। लोगों का आरोप है कि भाजपा और दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा उन्हें रोका जा रहा है। इसके पीछे भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज का हाथ है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को दिल्ली की जनता वोट नहीं दे रही है, इसलिए वह इस प्रकार की राजनीति कर रही है।

छठ पूजा का आयोजन करने वाले स्थानीय विश्वजीत झा ने कहा कि पहले पूर्वांचली लोग अपने गांव जाकर छठ पर्व मनाते थे लेकिन ट्रेनों में भीड़ और टिकट न मिलने के कारण पिछले आठ साल से चिराग दिल्ली में पूजा कर रहे हैं, जहां दिल्ली सरकार भी मदद करती है। इस बार डीडीए ने उन्हें पूजा करने से रोक दिया। जब वे वहां पहुंचे तो पुलिस के साथ कुछ लोग आए और उन्हें वहां से हटा दिया।

## एक नजर

### दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण से सुप्रीमकोर्ट नाराज- दिल्ली सरकार और पुलिस से पूछे ये सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिवाली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर में जबरदस्त वृद्धि का संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त से सोमवार को यह जानना चाहा कि शहर में पटाखों पर लगे प्रतिबंध को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अखबार में प्रकाशित उन खबरों का हवाला दिया, जिनमें पटाखों पर प्रतिबंध से जुड़े अदालती आदेशों के उल्लंघन का जिक्र किया गया है। पीठ ने दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त से यह बताने को कहा कि पटाखों पर लगे प्रतिबंध को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। पीठ ने कहा, 'हम चाहते हैं कि दिल्ली में पटाखों की बिक्री, निर्माण और फोड़ने पर प्रतिबंध संबंधी सभी आदेश रिकॉर्ड पर रखे जाएं। हम दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी नोटिस जारी कर यह बताने को कह रहे हैं कि पुलिस ने उल्लंघनकताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की और वह अदालती आदेशों को लागू करने के लिए क्या कदम उठा रही है।' शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को अपने जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट' की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि 2024 में दिवाली 2022 और 2023 के मुकाबले अधिक गर्म थी। पीठ ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को अक्टूबर के अंतिम 10 दिनों में खेतों में आग और पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि पर 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, 'दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उनके परिसरों को सील करने जैसी सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत है।' उसने कहा कि 2025 में दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध से जुड़े अदालती आदेशों का उल्लंघन न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए वह 'कुछ कदम उठाएगी।'

### विनोद त्यागी बने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस में किसान मोर्चा के वाइस चैयरमैन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विनोद त्यागी को किसान मोर्चा का वाइस चैयरमैन नियुक्त किया है। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने उनकी इस पद पर नियुक्ति की संस्तुति की। इस मौके पर राजवीर सोलंकी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। विनोद त्यागी ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य नहीं मिलता; न ही उत्पादकों के पास अपनी उपज के विपणन के लिए पर्याप्त रास्ते हैं। निर्यात नियंत्रण ने किसानों को कमजोर कर दिया है। खेतिहर मजदूरों की दुर्दशा तो और भी बदतर है। उन्होंने कहा कि किसान केवल हमारी कृषि व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि देश की रीढ़ हैं. उन्हें वो सम्मान और समर्थन मिलना चाहिए, जिसके वह हकदार हैं। त्यागी ने कहा कि कांग्रेस किसानों की हितैषी है। वह देश के किसानों के हर सुख-दुख में साथ खड़ी रहती है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल को उनकी पदयात्राओं में जनता द्वारा पूरी तरह नकारा जा रहा है, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में दिल्ली के ढ़ांचे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। चुनावी प्रचार की पदयात्राओं में केजरीवाल को जनता के जबरदस्त विरोध का करना पड़ रहा है। केजरीवाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, परिवहन, पेंशन, राशन जैसी सुचारु रुप से मिलने वाली सुविधाओं को लोगों से दूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता के आंदोलन में जनलोकपाल और स्वराज की बात करने वाले केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के दिल्ली की जनता का विश्वास खत्म हो चुका है।

### जीजा की तेहरवीं में गया मन्दिर, स्कूटी चोरी कर ले गए चोर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पहले तो जीजा की अचानक से हुई मृत्यु का गम,जब मन्दिर में उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना कर रहे तो उसी वक्त मन्दिर के बाहर खड़ी स्कूटी कुछ ही सैकेंड में लॉक तोडकर फरार हो गए। पीड़ित मनोज कुमार ने बताया कि घर में एक के बाद एक अचानक ही मुसीबतें आ रही हैं। खुद ही ई एफआईआर थाने के नजदीक की एक दुकान से करवा दी है। स्कूटी मिलती है या नहीं ये तो पुलिस की जांच पर निर्भर करता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्कूटी चोर आसपास के इलाके का ही लग रहा है। जिसकी पहचान कर पकडे की कोशिश की जा रही है। पीड़ित मनोज कुमार ने बताया कि वह परिजनों के साथ ए ब्लॉक महेन्द्रा पार्क इलाके में रहते हैं। उनका प्रॉपर्टी डीलर का काम है। कुछ दिन पहले जीजा की अचानक से मृत्यु हो गई थी। शनिवार को सब्जी मंडी स्थित हनुमान मन्दिर में जीजा की तेहरवीं का कार्यक्रम रखा हुआ था। दोपहर में स्कूटी मन्दिर के पास खड़ी करके कार्यक्रम में शामिल थे। करीब सवा तीन बजे जब किसी काम से मन्दिर से बाहर आए। स्कूटी वहां नहीं खड़ी थी। आसपास के लोगों से पूछकर स्कूटी तलाशने की कोशिश की थी। नहीं मिलने पर पीसीआर को वारदात की जानकारी दी। पीसीआर ने आकर उनके बयान लिखे और थाने भेज दिया। जहां पर सर्वर नहीं चलने पर स्कूटी चोरी की ई एफआईआर दर्ज करवा दी। मन्दिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में एक काले रंगे की शर्ट पहने लडका स्कूटी ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। जिसकी पहचान करके पुलिस पकडे की कोशिश कर रही है।

### राष्ट्रपति मुर्मु ने विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं से बात की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार यह बैठक 'द प्रेसिडेंट विद द पीपल' पहल के तहत हुई जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि देश के नागरिक विमानन क्षेत्र में विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 15 प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और 9 प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त करने वालों में 18 प्रतिशत पायलट महिलाएं थीं। उन्होंने उन सभी सफल महिलाओं की सराहना की जो अभिनव सोच रखती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि केन्द्र सरकार के समावेशी प्रयासों ने नागरिक विमानन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा दिया है। अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी जरूरी हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार का सहयोग भी जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। उन्होंने सफल महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें और उन्हें अपना करियर चुनने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें।

# छठ महापर्व नहाय-खाय के साथ आज शुरू होगा

- घरों में पूजन के साथ व्रत की शुरूआत होगी, घाटों पर तैयारी अंतिम चरण में पहुंचा
- जिले में 100 से अधिक स्थानों पर छठ महोत्सव मनाया जाएगा

**नोएडा, एजेंसी।** छठ महापर्व मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो जाएगा। जिले भर में 100 से अधिक स्थानों पर यह पर्व मनाया जाएगा। पूजा समितियां घाट को सजाने सहित तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटीं हैं। मंगलवार को छठ मैया की स्थापना की जाएगी। घर की साफ-सफाई और स्नान के बाद कद्दू और चने की दाल से बनी सब्जी के साथ चावल का भोग ग्रहण किया जाएगा। इसके बाद बुधवार को खरना की शाम से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होगा। सेक्टर-75 स्थित अखिल भारतीय प्रवासी महासभा और श्री सूर्य देव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि खरने में गुड़ और दूध से बनी खीर खाई जाती है। खीर को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। प्रसाद ग्रहण करने के बाद श्रद्धालु गुरुवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे। शुक्रवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। उधर, जिले में छठ महापर्व को लेकर कॉलोनियों के पार्कों, हरित पट्टियों और तालाबों के तट पर घाटों को सजाने-संवारने का काम तेजी से चल रहा है।

**खरना का विशेष महत्व**

सूर्य उपासना से पूर्व महापर्व छठ में खरना का विशेष महत्व है। खरना के दिन जो प्रसाद बनता है, उसे नए मिट्टी के चूल्हे पर गुड़ अथवा गन्ने के रस से खीर बनाया जाता है। व्रती इस खीर का प्रसाद अपने हाथों से पकाती हैं। खरना के दिन व्रती महिलाएं और पुरुष दिनभर उपवास कर शाम में सिर्फ एक ही समय प्रसाद के तौर पर खरना का भोजन करते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से शरीर से लेकर मन तक शुद्ध हो जाता है।

**स्टेडियम में सबसे बड़ा आयोजन**

सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में सबसे बड़ा सामूहिक छठ महोत्सव होगा। यहां पर लगभग एक लाख से अधिक लोगों के पहुंचने का अनुमान है। स्टेडियम में 160 फुट लंबा और 60 फुट चौड़ा घाट बनाया गया है। मीडिया प्रभारी अनुज त्रिपाठी ने बताया कि यह दिल्ली-एनसीआर का सबसे बड़ा कृत्रिम जलाशय होगा। इसे करीब 10 क्विंटल गुलाब के फूलों से सजाया जाएगा। यहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए 25 सीसीटीवी और चार ड्रोन कैमरों से निगरानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे।

**पूजा सामग्री खरीदने के लिए भीड़ लगी**

शहर के अलग अलग बाजारों में सोमवार को पूजा सामग्री खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने सूप, डलिया, सब्जी, फल और पूजन अर्चना के सामान की जमकर खरीदारी की। कई लोगों ने नए कपड़े, आभूषण आदि भी खरीदे। अर्घ्य देने के लिए लोगों ने डलिया, डगरा, सूप, नींबू, सेब, अमरूद, अनार, किशमिश, काजू, गन्ना, चना, मुनक्का, पान, हल्दी, नारियल, काली मिर्च आदि की खरीदारी की। बाजारों में पूरे दिन भीड़ रही।

**यहां घाट बनाए गए**

सेक्टर-21 नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-75, सेक्टर-62, यमुना नदी, हिंडन नदी, सेक्टर-12, 22, 31, 45, 61, 66, 82, 93, 105, 110, हाजीपुर, सदरपुर, भंगेल, गेझा, छिजारसी, चोटपुर, मामूरा व मोरना सहित आदि स्थानों पर छठ पूजा की तैयारी की जा रही है।

**◆5 नवंबर नहाय-खाय**

महिलाएं साफ-सफाई और स्नान के बाद शाम को लौकी, दाल मिली सब्जी और चावल खाकर व्रत शुरू करेंगी। इसी दिन लहसुन, प्याज और फल नहीं खाए जाते।

**◆6 नवंबर खरना**

सुबह स्नान के बाद महिलाएं पूरे दिन निर्जल उपवास रखती हैं। शाम को सूर्यास्त के बाद पूजा कर खीर-रोटी का प्रसाद खाती हैं। इसके बाद 36 घंटे का व्रत शुरू होता है।

**◆7 नवंबर पहला अर्घ्य**

गुरुवार को सूर्यास्त के समय नदी या घाट के पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। इस वक्त प्रसाद तक नहीं ग्रहण किया जाएगा।

**◆8 नवंबर दूसरा अर्घ्य**

शुक्रवार को सूर्योदय के समय दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। भगवान भास्कर को सूप पर गाय के दूध के साथ गंगाजल का भी अर्घ्य देने की परंपरा है।

## रेस्टोरेंट में पत्नी पर हमला करने वाला गिरफ्तार

**द न्यूज 15 ब्यूरो**

**नोएडा।** रविवार को एक अजीब मामला सामने आया था, जहां पर खाना खाने आए कपल के बीच किसी बात पर अनबन के बाद पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है और साथ ही घटना में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है।

बीते रविवार को वादिया अपने पतिन उस्मान पुत्र जहांगीर ( 23 साल) के साथ रेस्टोरेंट में खाना खाने आई थी। जहां पर दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बातचीत से शुरू हुआ मामला हाथापाई तक जा पहुंचा था। जिसके बा अभियुक्त पति वादिया के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया गया। इस मामले में वादिया पत्नी ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना सेक्टर-20 पुलिस ने तुरंत ही मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता का मेडिकल कराया और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया। जिसके बाद थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा चंद घंटों के अंदर ही अभियुक्त उस्मान पुत्र जहांगीर को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया है।

## पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह द्वारा लॉयड तिराहा पर पुलिस पिंक बूथ का किया उद्घाटन

**द न्यूज 15 ब्यूरो**

**नोएडा।** उ0प्र0 शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के द्वारा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत लॉयड तिराहा पर पुलिस पिंक बूथ का उद्घाटन किया गया।

उ0प्र0 शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रांतर्गत लॉयड तिराहा पर पुलिस पिंक बूथ का उद्घाटन किया गया। पुलिस पिंक बूथ का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। इस बूथ पर महिला पुलिसकर्मी ही तैनात होगीं जिससे शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं को अपनी परेशानी बताने में किसी प्रकार की हिचक महसूस ना हो। मुख्य स्थान पर पिंक बूथ के होने से कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं के मन में आत्मविश्वास की वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर महोदया द्वारा वहां उपस्थित महिलाओं/छात्राओं को सम्बोधित किया गया तथा उन्हे निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित किया गया। उनके द्वारा सभी छात्राओं को बताया गया कि वह किसी भी अपराध को चुपचाप सहन न करने और किसी भी परिस्थिति में वह पिंक बूथ पर तुरन्त पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती है। इन बूथ पर महिला पुलिसकर्मी ही तैनात होगीं जिससे शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं/छात्राओं को अपनी परेशानी बताने में किसी प्रकार की हिचक महसूस ना हो।

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय श्री बबलू कुमार, अपर पुलिस आयुक्त कानून/व्यवस्था श्री शिव हरी मीना, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती सुनिति, डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्री साद मियां खान, एडीसीपी ग्रेटर नोएडा श्री अशोक कुमार, एसीपी प्रथम ग्रेटर नोएडा श्री पवन कुमार, लॉयड इंस्टीट्यूट, एमिटी यूनिवर्सिटी,GNIOT, GN GROUP के पदाधिकारीगण व अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## कालिंदीकुंज घाट पर छठ महापर्व की तैयारियों में कमी, श्रद्धालुओं के लिए बना चुनौतीपूर्ण स्थल

**द न्यूज 15 ब्यूरो**

**नोएडा।** छठ महापर्व की शुरूआत आज से नहाए-खाए के साथ होने जा रही है। इस अवसर पर घाटों पर तैयारियों का दौर जारी है, लेकिन कालिंदीकुंज घाट की स्थिति श्रद्धालुओं के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। पिछले 20 वर्षों से यहां छठ पूजा समिति द्वारा आयोजन किया जाता रहा है, लेकिन इस बार घाट पर यमुना का जहरीला पानी, कीचड़, और अव्यवस्थित स्थल श्रद्धालुओं के लिए बड़ी चुनौती बनते दिखाई दे रहे हैं।

छठ पूजा समिति के कोषाध्यक्ष संतोष केसरी और सचिव राजेश केसरी के अनुसार, घाट की तैयारियों के लिए प्राधिकरण और पुलिस प्रशासन के अधिकारी दौरा कर चुके हैं।

उनका कहना है कि 7 नवंबर को पानी की आवश्यकता होगी, जिस पर प्रशासन के सहयोग से गेट खोलकर पानी की व्यवस्था की जाएगी। हालांकि, त्योहार की छुट्टियों के कारण सफाई के लिए मजदूरों की कमी और प्राधिकरण की ओर से उपकरण न भेजे जाने के कारण काम में रुकावट आ रही है। बावजूद इसके, समिति का दावा है कि जल्द ही तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

घाट पर कीचड़ का जमावड़ा श्रद्धालुओं के लिए जोखिम भरा है। यहां पैर रखते ही लोग फिसल सकते हैं, जिससे चोटिल होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, यमुना का प्रदूषित पानी बीमारियों का कारण बन सकता है। घाट तक जाने वाले रास्तों में भी बड़ी-बड़ी घास और झाड़ियां उगी हैं, जो कीड़ों-मकोड़ों का आश्रय बनी हुई हैं और किसी भी अनहोनी का कारण बन सकती हैं।

प्रशासन और समिति के समन्वय से अगर जल्द ही व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, तो श्रद्धालुओं के लिए यह महापर्व सुरक्षित और सुखद रूप से मनाया जा सकेगा।

## थाना सेक्टर-49 पुलिस द्वारा अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

**द न्यूज 15 ब्यूरो**

**नोएडा।** थाना सेक्टर-49 पुलिस द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल व अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बता दे कि सोमवार को थाना सेक्टर-49 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के गंदे नाले के पास ग्राम बरौला से एक आरोपी दिलखुश जाधव उर्फ मोहित पुत्र शंकर जाधव को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल स्पलेन्डर रजि0 नं0 वढ16अ3231 सम्बन्धित मु0अ0सं0 0439/2024 धारा 303(2), 317(2) इठर व एक अवैध देशी तमंचा बरामद किया गया है।

# न्यू नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों पर प्राधिकरण करेगा सख्त कार्रवाई

**नोएडा, एजेंसी।** दादरी, नोएडा व गाजियाबाद इनवेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) न्यू नोएडा के लिए 80 गांवों की जमीनों का अधिग्रहण करने के लिए सोमवार को नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में सीईओ लोकेश एम की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि डीएनजीआईआर के मास्टर प्लान 2041 की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा 18 अक्टूबर 2024 को दे दी गई। कैबिनेट स्वीकृति के बाद अधिसूचित क्षेत्र में कोई भी निर्माण कार्य अवैध माना जायेगा। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ प्राधिकरण द्वारा सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

नोएडा सीईओ लोकेश एम की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि डीएनजीआईआर क्षेत्र 29 अगस्त 2017 को अधिसूचित किया गया था एवं डीएनजीआईआर का मास्टर प्लान 2041 18 अक्टूबर 2024 को कैबिनेट द्वारा स्वीकृत किया गया है। अधिसूचित क्षेत्र में जिला गौतम बुद्ध नगर एवं जिला बुलंदशहर के कुल 80 गांव है। इस क्षेत्र का विकास 4 चरणों में वर्ष 2041 तक किया जाना प्रस्तावित है जिसमें से प्रथम चरण में 3165 हेक्टेयर भूमि का विकास वर्ष 2027 तक पूर्ण किया जाना है। इसके अतिरिक्त द्वितीय चरण में 3798 हेक्टेयर भूमि का विकास वर्ष 2032 तक, तृतीय चरण में 5908 हेक्टेयर भूमि का विकास वर्ष 2037 तक एवं चतुर्थ चरण में 8230 हेक्टेयर भूमि का विकास वर्ष 2041 तक किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक के दौरान नोएडा सीईओ ने अधिकारियों को बताया कि 26 अक्टूबर 2024 को आयोजित नोएडा प्राधिकरण की 215वीं बोर्ड बैठक में संचालक मण्डल द्वारा दादरी-नोएडा-गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (डीएनजीआईआर) में जमीन अधिग्रहण जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिये गये थे। इस संबंध में क्षेत्र के विकास के लिए जल्द से जल्द रूपरेखा तैयार की जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा सीईओ को बताया गया कि न्यू नोएडा क्षेत्र की 18 अक्टूबर 2024 से सैटेलाइट तस्वीरें को क्रय करने की कार्यवाही प्रचलन में है। साथ ही क्षेत्र के स्थानीय सर्वे के साथ हवाई तस्वीरें कराने का कार्य भी प्राथमिकता पर प्रारंभ कर दिया गया है।

बैठक में सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जन सामान्य को इस तथ्य से अवगत कराया जाए कि कैबिनेट द्वारा डीएनजीआईआर के मास्टर प्लान 2041 की स्वीकृत 18 अक्टूबर 2024 के उपरांत कोई भी निर्माण कार्य मान्य नहीं है। यदि किसी के द्वारा निर्माण कार्य किया जाता है तो वह अवैध होगा एवं उसके विरूद्ध प्राधिकरण कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ उचित स्थान देखकर अस्थायी कार्यालय बनाया जाए। जहां पर नियमित रूप से भूलेख तथा सिविल विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कार्य करेंगे। सीईओ ने कहा कि इसके साथ ही कार्य को समयानुसार कार्य को पूर्ण करने के लिए शासन से अतिरिक्त स्टाफ की मांग की जायेगी। बैठक के दौरान एसीईओ संजय खत्री, एसीईओ सतीश पाल, ओएसडी महेंद्र प्रसाद, ओएसडी क्रांति शेखर, महाप्रबंधक नियोजन एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बता दें कि डीएनजीआईआर दादरी नोएडा गाजियाबाद इनवेस्टमेंट रीजन, नया नोएडा बनाने के लिए बनाया गया एक प्रोजेक्ट है। इसे बनाने के लिए गौतमबुद्ध नगर के 20 और बुलंदशहर के 60 गांवों को मिलाया गया है। इस शहर को करीब 209 वर्ग किलोमीटर में बसाया जाना है। डीएनजीआईआर के मास्टर प्लान 2041 के मुताबिक, यहां 40 फीसदी जमीन औद्योगिक, 13 फीसदी जमीन आवासीय और 18 फीसदी जमीन ग्रीन एरिया और मनोरंजन के लिए होगी।

## एक नजर

### पत्रकार की गोली मारकर हत्या, मचा हंगामा

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद के थाना लोनी क्षेत्र में रहने वाले पत्रकार और कारोबारी की दिल्ली में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप साढू पर लगाया गया है। दोनों लोग साले के घर पहुंचे हुए थे, जहां कारोबार को लेकर आपस में विवाद हो गया। मामला बढ़ा तो आरोपी ने कारोबारी के सिर और पेट में गोली मार दी। इसके बाद फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के थाना लोनी क्षेत्र में रानाप गांव के पास कारोबारी हेमंत सहगल रहते हैं। वह पेशे से पत्रकार हैं साथ ही माला बनाने का कारोबार भी करते हैं। उनके इस कारोबार में उसके साढू अजय की भी साझेदारी है। हेमंत अपनी पत्नी के साथ रविवार को भइया दूज के अवसर पर दिल्ली के खजूरी खास में रहने वाले अपने साले बंटू के घर में गए थे। बंटू दिल्ली के खजूरी खास इलाके में किराए के मकान में रहता है। यहां पर अजय भी मौजूद था। कारोबार को लेकर अजय और हेमंत में बहस शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ा कि अजय ने हेमंत के सिर और पेट में गोली मार दी। इसके बाद फरार हो गया। घायल हेमंत को पत्नी और साले अस्पताल ले जाया गया।

### गाड़ी हटाने के झगड़े में चला दी गोली

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सेक्टर-4/7 चौक पर ड्रीम्स मॉल के पास गाड़ी हटाने को लेकर हुए झगड़े में एक पक्ष ने गोली चला दी। दूसरे पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार थाना न्यू कालोनी में एक पक्ष की ओर से दी शिकायत में कहा कि रविवार-सोमवार की रात को वह अपने साथियों के साथ ड्रीम्ज मॉल सेक्टर-4/7 चौक पर था। इसी दौरान वहां पर दो व्यक्ति आए और उसको छोटू कहकर गाड़ी हटाने के लिए कहा। इस बात को लेकर उनकी आपस में कहासुनी हो गई। उनमें से एक व्यक्ति ने इस पर गोली चला दी। गोली उसकी गाड़ी पर लगी। इस शिकायत पर थाना न्यू कॉलोनी में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-10 प्रभारी उप-निरीक्षक प्रमोद के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को सोमवार को आनंद गार्डन से काबू किया। आरोपी की पहचान अभिषेक गौड़ (36) निवासी आनंद गार्डन गुरुग्राम के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में पता चला कि गाड़ी हटाने को लेकर आरोपी की शिकायतकर्ता के साथ कहासुनी हो गई थी। इस दौरान उसने पिस्तौल से गोली चलाकर जानलेवा हमला किया।

### पटाखे चलाने को लेकर हुए झगड़े का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

**फरीदाबाद, एजेंसी।** बल्लभगढ़ की सुभाष कॉलोनी में पटाखे चलाने को लेकर हुए झगड़े के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी जारी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सुभाष कालोनी आदर्श नगर बल्लभगढ़ में गली में पटाखे चलाने को लेकर दो पड़ोसियों में विवाद हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी आशिफ को गिरफ्तार कर लिया था और अब एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि सुभाष कॉलोनी पटाखा चलाने को लेकर हुए झगडे के मामले में पिंकी पुत्री दुर्गा प्रसाद वासी सुभाष कॉलोनी आदर्श नगर बल्लबगढ़ की शिकायत थाना आदर्श नगर बल्लबगढ़ में अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना आदर्श नगर की टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आशिफ पुत्र कमरुद्दीन वासी टीकावास पलवल हाल हरी विहार सुभाष कॉलोनी आदर्श नगर को गिरफ्तार किया था। मामले में पुलिस टीम द्वारा लगातार आरोपियो की धर-पकड़ के लिए प्रयास किए जा रहे थे। जिसपर थाना आदर्श नगर पुलिस टीम के द्वारा आज आरोपी राशिद पुत्र कमरुद्दीन वासी टीकावास पलवल हाल हरी विहार सुभाष कॉलोनी आदर्श नगर को चंदावली पुल से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि पटाखे चलाने को लेकर झगडा हुआ था। मामले में अन्य आरोपियो की तलाश जारी है, जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

### दिल्ली-एनसीआर में गाजियाबाद सबसे प्रदूषित, लोनी का एक्यूआई 400 पहुंचा

**गाजियाबाद, एजेंसी।** गाजियाबाद में सांसों पर संकट उत्पन्न हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में सबसे बुरा हाल गाजियाबाद का है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 24 घंटे की रिपोर्ट बताती है प्रदूषण के मामले में गाजियाबाद दिल्ली से आगे रहा। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक गाजियाबाद के लोनी इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 तक पहुंच गया। दूसरे नंबर पर गाजियाबाद का संजयनगर इलाका सबसे प्रदूषित रहा। सीपीसीबी की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एनसीआर में गाजियाबाद की स्थिति दिल्ली-एनसीआर में सबसे बदतर दर्ज हुई। गुरूग्राम में 209, ग्रेटर नोएडा में 250 और नोएडा में एक्यूआई 259 दर्ज किया गया। गाजियाबाद में एक्यूआई सबसे अधिक 340 दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक गाजियाबाद के लोनी इलाके की हवा सबसे प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 394 दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर संजयनगर में एक्यूआई 346 दर्ज किया गया। इंदिरापुरम का एक्यूआई 321 और वसुंधरा का 300 दर्ज किया गया। जबकि नोएडा के सेक्टर-62 में स्थिति इंदिरापुरम से थोड़ी खराब रही, यहां एक्यूआई 322 दर्ज किया गया।

### दीपावली मनाने गया परिवार, चोरों ने आभूषणों पर किया हाथ साफ

**फरीदाबाद, एजेंसी।** चोरों ने सेक्टर-21 डी के एक मकान में पांच-छह लाख रुपए के गहने चुरा लिए। परिवार के लोग दीपावली का पर्व मनाने के लिए सोनीपत गए थे। जब वह वापिस आए तो उन्हें चोरी की घटना का पता लगा, जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने पीड़त की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंकुश रावत ने बताया कि दीपावली मनाने के लिए अपने परिवार सहित सोनीपत गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने घर में घुसकर सोने के आभूषण चुरा लिए। जिसमें दो मंगलसूत्र, एक अंगूठी, कान की बालियां, दो कंगन यह सब अलमारी तोडकर चुराकर लेकर चले गए। उन्होंने कहा कि इस घटना की चार दिन बाद जानकारी ली। जब सोनीपत से वह वापस आए। घर में का ताला टूटा मिला। घर के अंदर का सारा सामान बिखरा था। उन्होंने तुरंत डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया। उन्होंने बताया कि घर दो फ्लोर का है। अपने परिवार सहित सेकेंड फ्लोर पर रहते हैं। फर्स्ट फ्लोर पर कोई नहीं रहता। ग्राउंड फ्लोर पर मकान मालिक का कुछ सामान रखा हुआ है। लेकिन वो भी कभी-कभी आते हैं। अंकुश रावत ने बताया कि वो मूलरुप से सोनीपत के रहने वाले हैं और उनका कुछ परिवार सोनीपत में ही रहता है। दीपावली के मौके पर सभी परिवार सहित दिवाली मनाने के लिए सोनीपत गए हुए थे।

### डेंगू के तीन और मरीज मिले

**नोएडा, एजेंसी।** मलेरिया विभाग ने सोमवार को डेंगू के तीन नए मरीजों की पुष्टि की। तीनों मरीज घर में रहकर इलाज करवा रहे हैं। इनके घर और आसपास दवाओं का छिड़काव करा दिया गया है। जिले में अब कुल मरीजों की संख्या 453 हो गई है। वहीं, जिले में मलेरिया के मरीजों की संख्या 110 है। मलेरिया के मरीजों की संख्या पिछले साल के मुकाबले लगभग ढाई गुना अधिक है, लेकिन पिछले एक हफ्ते में महज दो मरीज ही मिले। जिले में चल रहा संचारी रोग अभियान भी खत्म हो गया है। अभियान में मच्छरजनित, हृदय, सांस, कैंसर आदि के बीमारियों के संदिग्ध मरीजों की जानकारी प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से इकट्ठा की जा रही है। एक हफ्ते में संदिग्ध मरीजों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

# मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तराखंड बस हादसे में यात्रियों की मौत पर शोक जताया

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तराखंड में बस के खाई में गिरने की दुर्घटना में यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने हादसे पर संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत यात्रियों के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और घायलों के इलाज की व्यवस्था किये जाने की मांग की।

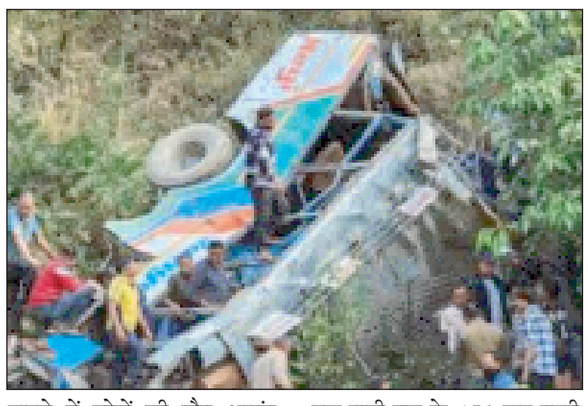

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार को एक निजी बस के गहरी खाई में गिरने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य यात्री घायल हो गए। बस में लगभग 60 यात्री सवार थे।

आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में लोगों की मौत अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और घायल शीघ्र स्वस्थ हों।'

सपा ने सोमवार को यहां एक बयान जारी कहा कि अखिलेश यादव ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक यात्री बस के 150 फुट गहरी खाई में गिरने से तीन दर्जन लोगों की मौत और कई यात्रियों के घायल होने पर गहरा दुख जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना के साथ ही संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

यादव ने उत्तराखण्ड सरकार से मृतक आश्रितों को उचित मुआवजा देने और घायलों के इलाज की व्यवस्था किये जाने की भी मांग की।

## झारखंड से चुनावी दौरे का आगाज करेंगे सीएम योगी

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विधानसभा उपचुनाव के साथ ही झारखंड व महाराष्ट्र में भी काफी डिमांड है। सीएम योगी मंगलवार से चुनावी दौरे पर उतरेंगे। पहले दिन वे झारखंड के चुनावी दौरे पर रहेंगे।

सीएम योगी की पहली जनसभा कोडरमा विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी के लिए होगी। वे यहां तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। तीसरी जनसभा में सीएम योगी चार प्रत्याशियों के लिए एक साथ वोट मांगेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा मंगलवार को कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव के पक्ष में सीएम योगी चंद्रावती स्कूल ग्राउंड, डोमचांच में वोट मांगेंगे। सीएम योगी की दूसरी जनसभा बरकागांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार के लिए होगी। भाजपा ने यहां से रोशन लाल चौधरी को टिकट दिया है।

सीएम योगी की तीसरी जनसभा आमबागान ग्राउंड जमशेदपुर में होगी। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू, जमशेदपुर पश्चिमी से प्रत्याशी सरयू रॉय, पोटका से उम्मीदवार मीरा मुंडा और जुगसलाई से उम्मीदवार रामचंद्र सहिस के पक्ष में वोट मांगकर कमल पर बटन दबाने की अपील करेंगे।

झारखंड चुनाव की बात करें तो राज्य में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होना है। इसके बाद 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा की जाएगी।

# यूपी में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए योगी सरकार की पहल, एफडीआई पॉलिसी में किया संशोधन

**लखनऊ, एजेंसी।** योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में एफडीआई एवं फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति-2023 में संशोधन को मंजूरी दी गई।

इस संशोधन के माध्यम से योगी सरकार ने विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से अब ऐसी विदेशी कंपनियां भी प्रदेश में निवेश कर सकेंगी, जो इक्विटी के साथ-साथ लोन या किसी अन्य स्रोत से पैसों की व्यवस्था करती हैं। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में विदेशी निवेश के बढ़ने की संभावना है। योगी कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 1/11/2023 को फॉरेन डायरेक्टर इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) की नीति आई थी, इसमें थोड़ा संशोधन किया गया है। नीति में अर्हता के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा 100 करोड़ रुपए रखी गई है। आरबीआई द्वारा जो एफडीआई की परिभाषा दी गई है, उसके अनुसार अभी तक मात्र इक्विटी में किए गए निवेश को ही एफडीआई में सम्मिलित किया जाता है। नीति में जो संसोधन किया गया है, उसमें हमने इसे फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक एफडीआई के तहत कंपनी के पास अपनी इक्विटी होती थी लेकिन ज्यादातर कंपनी अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए बाहर से लोन के साथ ही दूसरे माध्यमों से भी पैसा मैनेज करती हैं। हमने उसको भी अलाऊ कर दिया है। यदि किसी कंपनी के पास इक्विटी केवल 10 प्रतिशत है और 90 प्रतिशत निवेश राशि की व्यवस्था दूसरे स्रोतों से कर रखी होगी तो हम उसको भी बेनिफिट प्रदान करेंगे।

उन्होंने बताया कि अब इस नीति को 'फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट, फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट एंड फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एंड फॉर्च्यून इंडिया 500 इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी-2023' कहा जाएगा। फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट के रूप में इक्विटी में निवेश करने वाली विदेशी कंपनी के लिए प्रिफरेंश शेयर, डिवेंचर्स, एक्सटर्नल कॉमर्शियल बॉरोइंग, स्टैंड बाई लैटर ऑफ क्रेडिट, लैटर्स ऑफ गारंटी व अन्य डेब्ट सिक्योरिटी को भी शामिल कर दिया गया है।

# गाजियाबाद में पत्रकार इमरान खान की गिरफ्तारी को प्रेस क्लब ने बताया तानाशाही पूर्ण कदम

## जल्द रिहाई नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

**बिजनौर।** प्रेस क्लब की बैठक में दैनिक आप अभी तक न्यूज पेपर व डिजिटल चैनल आप अभी तक के संपादक इमरान खान की तानाशाही रवैये के तहत की गई गिरफ्तारी की कड़े शब्दों में निंदा की गई और मुख्यमंत्री से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। पालिका बाजार स्थित कार्यालय में प्रेस क्लब अध्यक्ष ज्योति लाल शर्मा की अध्यक्षता व आबिद रजा के संचालन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गाजियाबाद लोकसभा सीट से बीजेपी के सांसद अतुल गर्ग की बौखलाहट और कमिश्नरेट पुलिस के तानाशाही रवैये के चलते समाचार पत्र दैनिक आप अभी तक के संपादक इमरान खान को शनिवार की रात बिना वर्दी के गुंडों द्वारा बोलेरो कार से उठा लिया गया। उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। घंटों तक उनको इधर-उधर घुमाने के बाद कविनगर थाने ले जाया गया। जहां उन्हें हिरासत में रखने के बाद तीन नवंबर की सुबह जेल भेज दिया गया। इस दौरान ना तो परिजनों को एफआईआर की कॉपी दी गई और ना उनको मुकदमे से अवगत कराया गया। प्रशासन के इस तानाशाही रवैये का तमाम पत्रकार संगठन विरोध करते रहे । सर्व सम्मति से संपादक इमरान खान को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग की गई।

प्रेस क्लब अध्यक्ष ज्योतिलाल शर्मा ने कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर निसंदेह हमला है, अभिव्यक्ति की आजादी के लिए सरकार को पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए ,अन्यथा बिजनौर के पत्रकारों को आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होना पड़ेगा ।

बैठक में कमरुद्दीन फारूकी, राजनारायण कौशिक, संजीव कुमार, मुनव्वर सोनू, फहीम शेख, नीरज कुमार, मौ. युनूस, एम इफ्तिखार मलिक, राजकुमार, सचिन वर्मा, देवेंद्रपाल चीनू, कासिफ खान, मौ तैय्यब, अनुराग शर्मा, साजिद चौधरी, आमिर खान, अफजाल उल हक, अनुज ठाकुर आदि ने संबोधित किया ।

## टैंकर से कुचलकर उपनिरीक्षक की मौत

इ उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में सोमवार को टैंकर से कुचलकर एक दरोगा (उपनिरीक्षक) की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सत्यपाल सिंह ने बताया कि भरथना थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक रहीस पाल (55) सोमवार दोपहर 12 बजे मोटरसाइकिल से गश्त के लिये पुलिस चौकी से निकले थे।

# श्रद्धालुओं की मुराद होगी पूरी, इसी माह पूर्ण होगा मंदिरों का कायाकल्प

**प्रयागराज, एजेंसी।** सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों, करोडों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ-साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है, जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग खत्म होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि 2 परियोजनाएं 30 नवंबर तक पूर्ण हो जाएंगी।

दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है। हाल ही में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं।

मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भारद्वाज कॉरिडोर, मनकामनेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

इसी तरह, स्मार्ट सिटी 3 प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं, प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें नागवासुकी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है तो वहीं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

## उत्तम शुगर मिल बरकातपुर में गन्ना पेराई सत्र का हुआ शुभारंभ

**द न्यूज 15 ब्यूरो**

**कीरतपुर।** उत्तम शुगर मिल बरकातपुर जिला बिजनौर में मिल जीएम नरपत सिंह राठौर गन्ना जीएम विकास कुमार पुंडीर के नेतृत्व में पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना हवन आदि कर चैन में गन्ना डालकर सीजन वर्ष 2024- 25 के लिए गन्ना मिल का गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ किया गया इस शुभ अवसर पर गन्ना मिल के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं क्षेत्र के गन्ना उत्पादक किसान काफी संख्या में मौजूद रहे मिल परिसर में लगे गन्ना तोल कांटे पर प्रथम में बैलगाड़ी एवं ट्रैक्टर ट्राली से गन्ना लाने वाले किसानों को गन्ना मिल जीएम नरपत सिंह राठौर द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा सभी को भोजन कराया गया सभी को शुभ अवसर पर पहुंचने पर नरपत सिंह राठौर द्वारा सभी को बधाई शुभकामनाएं गई तथा आभार व्यक्त किया।

# यूपी कैबिनेट का फैसला, अब सिर्फ तीन साल में ट्रांसफर का मिलेगा अवसर

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सोमवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसमें अब शिक्षकों को पांच वर्षों की न्यूनतम सेवा के बजाय केवल तीन वर्षों की सेवा के बाद स्थानांतरण का अधिकार मिल सकेगा।

इस निर्णय से घर से दूर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सेवाएं दे रही महिला शिक्षकों को विशेष लाभ होगा, क्योंकि उन्हें अपने परिवार के पास वापस आने का अवसर पहले से कम समय में मिल सकेगा।

'नई उच्चतर सेवा नियमावली-2024' के अनुसार, प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षक, जो नियमित आधार पर नियुक्त और स्थायी रूप से पदस्थापित हैं, अब केवल तीन वर्षों की सेवा के बाद अपने स्थानांतरण का अनुरोध कर सकेंगे। इससे पहले यह सीमा 5 साल थी। नई नियमावली के अंतर्गत यह प्रावधान भी है कि शिक्षक अपने संपूर्ण सेवा काल में केवल एक बार स्थानांतरण के हकदार होंगे। इस निर्णय के पीछे योगी सरकार की मंशा है कि इससे शिक्षक समुदाय में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। घर से दूर रहने के कारण कठिनाई महसूस कर रही महिला शिक्षकों और अन्य शिक्षकों को इस नियमावली से काफी राहत मिलेगी।

योगी सरकार के इस कदम को शिक्षा प्रणाली में संतुलन और स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। योगी सरकार ने हाल ही में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम झ 2023 को लागू किया है, जो कि 23 अगस्त 2023 को प्रख्यापित किया गया था। इस अधिनियम के तहत उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग अधिनियम-1980 को निरसित कर दिया गया है, जिससे 1980 के अधिनियम के तहत जारी स्थानांतरण नियम स्वतः समाप्त हो गए हैं। इसके बाद 2005 में जारी नियमावली भी निरस्त कर दी गई है, जिससे नई नियमावली बनाने की आवश्यकता उत्पन्न हुई।

अधिनियम-2023 की धारा-31 (1) के तहत शिक्षा सेवा में चयन की नई व्यवस्था लागू की गई है, जो शिक्षक समुदाय में स्थानांतरण की प्रक्रिया को और सुगम बनाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत शिक्षक केवल अपने महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र और विश्वविद्यालय के अनुमोदन के साथ स्थानांतरण का आवेदन कर सकेंगे, जिसे निदेशक, उच्च शिक्षा को प्रस्तुत करना होगा। इस नई नियमावली के तहत एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में एकल अथवा पारस्परिक स्थानांतरण करने के लिए शिक्षकों को विधिवत आवेदन प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित होगा। प्रबंधतंत्र की सहमति के बाद ही आवेदन को निदेशक, उच्च शिक्षा के पास भेजा जा सकेगा। इससे स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता आएगी, साथ ही अनावश्यक देरी से भी बचा जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही, यह कदम शिक्षा क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य को भी पूरा करता है, क्योंकि इससे उन महिला शिक्षकों को लाभ मिलेगा जो अपने परिवारों से दूर सेवा देने को मजबूर हैं।

योगी सरकार का यह निर्णय राज्य के शैक्षिक ढांचे में संतुलन और सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। योगी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए हाल ही में कई पहल की है। इस नई नियमावली के साथ, योगी सरकार का उद्देश्य है कि सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों को उनकी सेवाओं में स्थायित्व और संतोष का अनुभव हो। योगी सरकार ने इसके माध्यम से शिक्षकों को उनके घरों के निकटतम क्षेत्रों में स्थानांतरण का विकल्प देकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस पहल से प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में स्थायित्व बढ़ेगा और इससे छात्र-शिक्षक संबंधों में भी सुधार होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि इस नियमावली के लागू होने के बाद से शिक्षकों को अपने गृह जनपद में लौटने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षण कार्य में अधिक समर्पण और प्रतिबद्धता आएगी। इससे ना केवल शिक्षकों के कार्यस्थल पर संतोष का स्तर बढ़ेगा, बल्कि छात्रों को भी लाभ होगा, क्योंकि शिक्षक अधिक सहज और संतुष्ट होकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेंगे। योगी सरकार द्वारा सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण नियमों में किए गए इस बदलाव से राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। शिक्षकों को अपने परिवार के निकट कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका कार्यस्थल पर संतोष और उत्साह बढ़ेगा। योगी सरकार की यह पहल न केवल शिक्षक समुदाय को संतुष्टि देगी बल्कि इससे प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता भी सुधरेगी।

## एक नजर

### डिंपल यादव ने भाजपा पर कटाक्ष किया; बोलीं, 'मौजूदा सरकार नहीं चाहती बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले'

**मैनपुरी, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी और समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव सोमवार को पार्टी उम्मीदवार तेज प्रताप यादव के प्रचार के लिए मैनपुरी पहुंची। यहां पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान उनके सवालों के जवाब दिए और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। पत्रकारों ने पूछा कि चुनाव में नारों की बाहर है, इससे पहले भाजपा 'सबका साथ सबका विकास' का नारा देती थी, जबकि अब बंटोगे तो कटोगे नारे के साथ चुनावी मैदान में है। इस पर डिंपल यादव ने कहा कि कहीं न कहीं मैं समझती हूं कि यह इनकी मंशा और इनके जो विचार हैं उसको दशार्ता है। उन्होंने झूठे वादे किए। लोग पूछ रहे हैं, युवा पूछ रहे हैं कि हमारी नौकरियां कहां हैं, हमारा आरक्षण कहां हैं, किसान पूछ रहे हैं हमारी सस्ती बिजली कहां है, हमारी सुरक्षा कहां है। मैं समझती हूं कि इन्हीं सब बातों से भटकाने के लिए इस तरह के सबसे लो क्वालिटी के नारे आज भारतीय जनता पार्टी के नेता दे रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने कहा था कि ना सपा, ना भाजपा, बसपा से जुड़ेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। इस पर सपा सांसद ने कहा कि मैं समझती हूं लगातार समाजवादी पार्टी अपने पीडीए की रणनीति के तहत सभी समाज और सभी वर्ग के लोगों को जोड़ने का कार्य कर रही है। मुझे खुशी इस बात की है क्योंकि अन्याय लगातार इस सरकार द्वारा बढ़ता जा रहा है। लोग कहीं ना कहीं अब इस बात को समझ रहे हैं कि यह झूठे वादों वाली सरकार है। मैं समझती हूं लोग कहीं ना कहीं अपने देश और अपने परिवार के भविष्य के लिए समाजवादी पार्टी से जुड़ने का काम करेंगे। पत्रकारों ने पूछा, आपके रिश्तेदार जो भाजपा उम्मीदवार अनुजेश यादव हैं, उनका कहना है कि मेरे चुनाव लड़ने से सैफई का पूरा परिवार प्रचार में उतर आया है।

### ईंट निकालने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों पर दीवार गिरी, एक की मौत

**लखीमपुर खीरी (उप्र), एजेंसी।** लखीमपुर खीरी जिले के एक गांव में ईंटें निकालने के लिए कुएं में उतरे 40 वर्षीय एक व्यक्ति पर दीवार गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार देर शाम मोहम्मदी थाने के अमीरनगर गांव की है जब रफायतुल्ला, कासिम और उसका भाई इदरीस ईंट निकालने के लिए 24 फुट गहरे सूखे कुएं में उतरे थे। उसने बताया कि ईंट निकालते समय दीवार अचानक गिर गई और वे अंदर फंस गए। थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि जेसीबी की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद कासिम और इदरीस को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि रफायतुल्ला को गंभीर रूप से घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### लखनऊ में विधान भवन के सामने महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

**लखनऊ, एजेंसी।** राजधानी के हजरतगंज इलाके में विधान भवन के सामने सोमवार सुबह 40 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास किया, हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने उसे बचा लिया। पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा एक बयान में कहा गया, 'गाजियाबाद जिले के लोनी थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला ने आज सुबह 11 बजकर 25 मिनट पर हजरतगंज थाना क्षेत्र में विधानसभा मार्ग पर आत्मदाह का प्रयास किया। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे समय रहते बचा लिया।' इसमें कहा कि इसके बाद उसे थाने लाया गया और पूछताछ की जा रही है। बयान के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गांव में उसकी पुश्तैनी जमीन पर दूसरे गांव वाले द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत को लेकर वह यहां पहुंची थी।

### बलरामपुर में ट्रक से टकराई रोडवेज बस, एक महिला की मौत, पांच घायल

**बलरामपुर (उप्र), एजेंसी।** बलरामपुर जिले के बढ़नी-बलरामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह एक रोडवेज बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई जिससे एक महिला यात्री की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना बढ़नी-बलरामपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैंसड़ी थाना क्षेत्र के रजडेरवा तिराहे के पास की है जब कानपुर से बढ़नी जा रही रोडवेज बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि हादसे में सिद्धार्थनगर की निवासी उर्मिला (50) की मौत हो गई और नेपाल के एक नागरिक सहित पांच लोग घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि हादसा संभवतः धुंध के कारण हुआ। कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

### जन समस्याओं को नजरअंदाज कर नकरात्मक राजनीति में व्यस्त हैं कांग्रेस-भाजपा: मायावती

**लखनऊ, एजेंसी।** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को भाजपा और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी समेत कई जन समस्याओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने की बजाए भाजपा और कांग्रेस ज्यादातार आरोप-प्रत्यारोप की नकरात्मक राजनीति में ही अभी व्यस्त हैं। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां पर इन लोगों ने मिथ्या प्रचारों व वादों की भरमार लगा रखी है। जनता खुली आंखों से देख रही है कि इनके द्वारा किए गये पिछले चुनावी वादों का क्या बुरा हाल हो रहा है। मायावती ने एक बयान में कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में चाहे कांग्रेस की सरकार हो या फिर भाजपा की, दोनों दलों ने जनता से जो वादे किये थे वो ईमानदारी से नहीं निभाए जा रहे हैं। क्योंकि इनके वादे होते ही लोगों को गुमराह करने व सरकार बन जाने पर उन्हें भुला देने के लिए। यही कारण है कि खासकर हिमांचल प्रदेश, कर्नाटक की कांग्रेस सरकारें वादाखिलाफी का आरोप झेल रही हैं। भाजपा की विभिन्न सरकारें सरकार बन जाने पर जनहित व जनकल्याण के वास्तविक ज्वलंत मुद्दों पर से ध्यान भटकाने के लिए अनेक प्रकार की जुगाड़ की राजनीति करती नजर आती हैं।

### उत्तराखंड में बस के खाई में गिरने से यात्रियों की मौत पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शोक जताया

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तराखंड में सड़क दुर्घटना में बस सवार यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया। अल्मोड़ा जिले में सोमवार को एक निजी बस गहरी खाई में गिर गई जिससे उसमें सवार लगभग 60 यात्रियों में से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए। 'एक्स' पर एक पोस्ट में आदित्यनाथ ने कहा,'उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कृपा करें।'

## एक नजर

### मुख्यमंत्री ने छठ पर्व की तैयारियों का लिया जायजा

पटना में गंगा उत्सव का किया उद्घाटन

**पटना,संवाददाता।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ के मद्देनजर पटना के जेपी सेतु घाट और दीघा गंगा घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छठ व्रतियों की सुरक्षा, साफ-सफाई, और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो और प्रशासन सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को छठ घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो। इसके बाद उन्होंने गंगा उत्सव का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री नितिन नवीन, पटना की मेयर सीता साहू, और कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### 336 पैक्सों के चुनाव का बिगुल बजा, तैयारी को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

**मोतिहारी,संवाददाता।** पैक्स चुनाव का बिगुल जिले में बज चुका है। जिला प्रशासन द्वारा इसकी तैयारी भी जोरों से की जा रही है। इसी क्रम में आज जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में पैक्स निर्वाचन के लिए गठित पैक्स कोषांग के सभी संबंधित पदाधिकारियों साथ तैयारियों की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि कुल 336 पैक्सों का निर्वाचन जिले में 26 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच 5 चरणों में किया जाएगा। पैक्स निर्वाचन के लिए कुल 1320 बूथ चिन्हित किए गए हैं। जिसमें कुल 8 लाख, 27 हजार मतदाता के भाग लेने की उम्मीद है।

### बाल हितैषी पंचायत निर्माण के लिए बाल पंचायत का आयोजन

बच्चों ने 16 सूत्री मांग पत्र सौंपा

**मुजफ्फरपुर,संवाददाता।** मुजफ्फरपुर जिले के बंदरा प्रखंड के तेपरी उर्फ हसननगर पंचायत के वार्ड नंबर 12 जोड़ी टोला में महादलित विकास मिशन और एक्शन एड द्वारा बाल हितैषी पंचायत के निर्माण हेतु पंचायत स्तरीय बाल सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किशोर-किशोरी समूह के बच्चों ने बाल अधिकारों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और अपनी समस्याओं व सुझावों के आधार पर एक 16 सूत्रीय मांग पत्र तैयार किया। इस अवसर पर एक्शन एड के जिला समन्वयक अरविन्द कुमार ने ह्यबाल पंचायतह्ल के उद्देश्य को समझाया। बच्चों ने अपने समूहों में चर्चा कर अपनी आवश्यकताओं और समस्याओं को चिन्हित किया। तैयार किए गए मांग पत्र को पंचायत के मुखिया हरिश्चंद्र राम के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने इन मांगों को मानने का आश्वासन दिया और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम में भोला किशोरी समूह, शिवानी किशोरी समूह, और जयभीम किशोर समूह के बच्चे-बच्चियां सक्रिय रूप से शामिल हुए। इसके अलावा, विकास मित्र शिवकुमारी, प्रखंड समन्वयक राजगीर कुमार, और सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा कुमारी ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

### सर्किल क्रिकेट टूनार्मेंट रात्रि मे हुआ आयोजन

**बिट्टू कुमार, पश्चिम चंपारण।** जबदी में रात्रि को सर्किल क्रिकेट टूनार्मेंट का युवा नेता अरण्य विक्रम शाह उर्फ अरुण सिंह जिला पार्षद प्रत्याशी रहमतुल्लाह अंसारी ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। पहला मुकाबला पचरुखी बनाम नरकटियागंज के बीच खेला गया। वही रोमांचक मुकाबले में नरकटियागंज कि टीम जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। वही अतिथियों एवं विजेताओं को आयोजन समिति ने मोमेंटो व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मैच शुरू होने से पहले आतिशबाजी से पूरा जबदी गूँजयमान हुआ। मौके पर डीके ब्रिक इंडस्ट्रीज के उमेश कुशवाहा, लालू मियां, बरकत मियां, कईम मियां, प्रमोद कुशवाहा, बुलेट मियां आदि लोग मौजूद थे।

# डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की सभा में 200 लोग जुटे फिर भी जीत का दावा

**आरा,संवाददाता।** बिहार में विधानसभा की चार सीटों पर उप चुनाव हो रहे हैं। इन चार सीटों में से दो पर बीजेपी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहां बीजेपी की क्या हालत है इसकी तस्वीरें सामने आ रही हैं। भोजपुर जिले के तरारी विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी कैंडिडेट विशाल प्रशांत के लिए प्रचार करने गये डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा की जनसभा में करीब दो सौ लोग जुटे। इसके बावजूद भारी वोटों से जीत का दावा किया जा रहा है।

बता दें कि तरारी विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी ने बाहुबली पूर्व विधायक सुनील पांडेय के बेटे विशाल प्रशांत को उम्मीदवार बनाया है। ये सीट भाकपा माले के विधायक सुदामा प्रसाद के सांसद बन जाने के कारण खाली हुई है। यहां से माले ने राजू यादव को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, बीजेपी ने चुनाव से पहले सुनील पांडेय और उनके बेटे विशाल प्रशांत को पार्टी में शामिल कराया और विशाल को उम्मीदवार बना दिया है।

**डिप्टी सीएम की फीकी सभा**

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा रविवार को पूरे दिन तरारी में अपनी पार्टी के कैंडिडेट विशाल प्रशांत के लिए चुनाव प्रचार करने में लगे रहे। विजय कुमार सिन्हा ने तरारी के तीन स्थान पर सभा कर लोगों से वोट मांगा। लेकिन उनकी जनसभाओं का हाल देखकर एनडीए कैंडिडेट की स्थिति का अंदाजा हो गया. उनकी सभा और जनचौपाल में लोगों की बेहद कम उपस्थिति देखी गयी।

रविवार को विजय कुमार सिन्हा ने

### तरारी में बीजेपी कैंडिडेट का हाल बेहाल!

सबसे पहले तरारी विधानसभा क्षेत्र के बैसाडीह गांव में जनचौपाल लगायी। बैसाडीह गांव और आस-पास का इलाका विजय कुमार सिन्हा औ? उनकी पार्टी के कैंडिडेट विशाल प्रशांत के स्वजातीय लोगों का गढ़ माना जाता है। वहां एक हॉल में आयोजित जनचौपाल में बमुश्किल 200 लोग मौजूद रहे। डिप्टी सीएम ने अपना दूसरा जनचौपाल तरारी के नोनार औ? बचरी गावं में लगायी। ये गांव भी भूमिहार बहुत कहे जाते हैं। इस जनचौपाल का भी हाल पहले जैसा ही रहा। करीब दो सौ लोगों की सभा में विजय कुमार सिन्हा ने बीजेपी कैंडिडेट के लिए वोट मांगा। विजय कुमार सिन्हा ने शाम ढलने के बाद तरारी के सिकरौल गांव में जनसभा की। करीब 200 लोगों की इस जनसभा में डिप्टी सीएम ने बीजेपी उम्मीदवार विशाल प्रशांत की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि विशाल प्रशांत अगर जीत कर जायेंगे तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे।

**एनडीए का हाल क्यों बे**हाल

तरारी के स्थानीय लोग बताते हैं कि सवर्ण वोटरों का एक बड़ा तबका बीजेपी से नाराज है। तरारी में भूमिहारों के अलावा राजपूत वोटरों की भी अच्छी खासी संख्या है। ब्राह्मणों की भी संख्या है। इस वोट बैंक में इस दफे प्रशांत किशोर ने सेंधमारी की है। प्रशांत किशोर ने इस उपचुनाव में रिटायर्ड लेफ्टीनेंट जेनरल कृष्ण सिंह को मैदान में उतारने का ऐलान किया था। लेकिन तकनीकी कारणों से वे नामांकन का पर्चा नहीं भर पाये। इसके बाद किरण सिंह को इस क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि किरण सिंह ने न सिर्फ अपनी जाति बल्कि बीजेपी कैंडिडेट की जाति के वोट में भी सेंध मार लिया है। इस सेंधमारी के कारण ही डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को अपनी जाति के वोटरों को मनाने के लिए वहां जाना पड़ा। लेकिन रविवार को उनकी सभाओं में लोगों की जो उपस्थिति रही, उससे कई सवाल खड़े हो गये हैं। अगर यही हाल रहा तो बीजेपी कैंडिडेट के लिए लड़ाई बेहद मुश्किल हो सकती है।

# अवैध संबंध के शक में नवविवाहिता की हत्या, पति फरार, इलाके में सनसनी

**वैशाली,संवाददाता।** वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र के कन्हौली धनराज गांव में एक नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला है। मृतका की पहचान नीलू कुमारी (22) के रूप में हुई है। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन की शादी छह महीने पहले सुजीत कुमार से हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद से सुजीत और उसके परिवार वाले दहेज के लिए नीलू को प्रताड़ित करने लगे। उन पर अवैध संबंध का भी आरोप लगाया जाता था।

मृतक के भाई ने बताया, "मेरी बहन को बुलेट देने के लिए बार-बार कहा जाता था। जब हमने बुलेट देने से मना किया तो वे उसे मारने की धमकी देने लगे। रविवार को सुबह नीलू ने अपने मायके वालों से बात की थी। उसने बताया था कि सुजीत उसे मारने की धमकी दे रहा है। घटना के संबंध में मृतक महिला के भाई ने अपने बहनोई पर आरोप लगा है कि दूसरे से अवैध संबंध एवं दहेज में बुलेट नहीं देने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। भाई का आरोप है की शादी के बाद से ही ससुराल वालों के द्वारा बुलेट का डिमांड किया जा रहा था और अवैध संबंध का आरोप भी ससुराल वाले हमारी बहन पर लगा कर बहन के साथ हमेशा मारपीट एवं प्रताड़ित करते थे। बुलेट नहीं देने पर ससुराल वालों ने हत्या कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मुजफ्फरपुर जिले के पारु गांव निवासी नीलू कुमारी की शादी करीब 6 माह पहले सुजीत कुमार से हुई। रविवार

की सुबह 10 बजे भी परिवार वालों से बात हुई थी अपने मायके से 15 दिन पहले ही वह ससुराल भी आई थी।

ससुराल में ही सुजीत ने अपनी पत्नी को हत्या कर देने की धमकी भी दिया था। इस संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष सुभाष प्रसाद ने बताया कि कन्हौली धनराज में एक महिला का शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सुजीत और उसके परिवार वालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि वे मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# मुख्य वार्ड पार्षद ने बार-बालाओं के साथ लगाए ठुमके, वीडियो वायरल

**मुजफ्फरपुर,संवाददाता।** बिहार के मुजफ्फरपुर में नगर पंचायत के मुख्य वार्ड पार्षद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में मुख्य वार्ड पार्षद बार-बालाओं के साथ ठुमके लगा रहे हैं।

हालांकि, 'A2Z News Live' इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस कार्यक्रम के दौरान कुछ लोग बार-बालाओं के साथ ठुमके लगाते हुए नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में एक नगर पंचायत के मुख्य वार्ड पार्षद भी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड के माधोपुर सुस्ता नगर पंचायत का बताया जा रहा है। इसमें माधोपुर सुस्ता नगर पंचायत मुख्य वार्ड पार्षद भी नजर आ रहे हैं, जिनके गोद में बैठकर बार-बालाओं द्वारा डांस किया जा रहा है। इस वीडियो को लेकर जब फोन पर मुख्य वार्ड पार्षद सैफ अली से बात की तो उन्होंने कहा कि यह वीडियो लगभग 20 दिन पुराना है।

उन्होंने बताया कि जब हम एक कार्यक्रम में शिरकत करने गए थे तो कुछ लोगों के द्वारा जबरन बार-बालाओं को मेरे ऊपर बैठा दिया गया है। यह मुझे बदनाम करने की कोशिश की गई है।

# दहेज दानवों की करतूत, विवाहिता की हत्या कर शव किया गायब

पति और ससुराल वाले मौके से फरार

**बेतिया।** दहेज हत्या को रोकने के लिए सरकार ने कड़े कानून बना रखे हैं इसके बावजूद दहेज दानव अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला बेतिया से निकलकर आ रही है जहां दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या कर शव को गायब कर दिया गया है। मृतका की मां ने पति और बेटी के ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद से सभी घर छोड़कर फरार हो गये हैं। बेटी की लाश का भी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में लगी है।

बेतिया में संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता की मौत हो गई है। वही साक्ष्य मिटाने के लिए शव को गायब कर दिया गया है। घटना बैरिया थाना क्षेत्र के सिसवा सरेया पंचायत की है। मृतका की पहचान मलाही टोला निवासी अवधेश चौधरी की 35 वर्षीय पत्नी रीमा देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। मृतका के परिजन घर छोड़कर फरार हो गए हैं। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि मृतका की मां श्रीनगर थाना क्षेत्र के पुजहा पटजीरवा निवासी गिरजा देवी ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि उन्होंने बेटी की शादी सिसवा सरेया के अवधेश चौधरी से हिन्दु रिति रिवाज के अनुसार किया था। शादी के बाद से ही दामाद और बेटी के ससुरालवाले और दहेज की मांग कर रहे थे। जिसे लेकर उनकी बेटी को शारिरीक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि कई बार बेटी की पिटाई कर घायल कर दिया गया था। बीते शुक्रवार के रात करीब 11:00 बजे 8 लोगों ने मिलकर मेरी बेटी की हत्या कर शव को गायब कर दिया। बैरिया थानाअध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि मृतका के मां के आवेदन पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उन्होंने दावा किया है कि हत्या में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बहुत जल्द सभी सलाखों के पीछे होंगे।

# सितामढ़ी: पिता के सामने दो सगी बहनों से अश्लील हरकत, सरकारी कर्मी गिरफ्तार

**सीतामढ़ी,संवाददाता।** बिहार के सीतामढ़ी जिले में दो सगी बहनों के साथ अश्लील हरकत करने के मामले एक सरकारी सेवक को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके तीन साथियों की पुलिस तलाश कर रही है। इन चारों ने तो हद ही पार कर दी। दरअसल, दोनों सगी बहनें पिता के साथ थीं, फिर भी इन चारों ने छेड़खानी की हिमाकत कर डाली। इधर, पुलिस ने आर्म्स और कारतूस के साथ चार बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दी है।

सुरसंड नगर पंचायत के वार्ड संख्या 15 के रहने वाले एक शख्स ने अपनी दो बेटियों के साथ छेड़खानी और अभद्र व्यवहार करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें सुरसंड थाना क्षेत्र के सहनियापट्टी के रामविनोद राय के बेटे रामनिवास कुमार और सुकन राय के पुत्र इंद्रजीत कुमार उर्फ बाला समेत दो अज्ञात को आरोपित किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी सरकारी कर्मी यानी किसान सलाहकार इंद्रजीत कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दी है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि 24

अक्तूबर की शाम 8:30 बजे वे अपनी दो पुत्रियों के साथ अपने रिश्तेदार के यहां जाने के लिए टेंपो की प्रतीक्षा में रोड पर मोड़ के पास खड़े थे। इसी बीच, दोनों आरोपी अपने अन्य दो साथी के साथ पहुंचे और उनकी दोनों पुत्रियों के साथ छेड़खानी और अभद्र व्यवहार करने लगे। विरोध पर उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। कुछ देर बाद वे अपने दोनों पुत्रियों के साथ टेंपो से रिश्तेदार के गांव के लिए रवाना हो गए। कुछ दूर जाने के बाद कंसारा गांव जानेवाली सड़क में इन चारों ने टेंपो को रोककर तीनों बाप-बेटी को खींचकर उतार लिया और दोनों बहनों के वस्त्र भी फाड़ दिए। इतना ही नहीं इन चारों ने लड़कियों के पिता को चाकू मारकर जख्मी कर दिया।

# पति ने अपनी मामी संग भाग कर रचा ली दूसरी शादी

अब ससुर कहता है मेरे साथ रहो नही तो कर देंगे घर से बाहर

**मुजफ्फरपुर,संवाददाता।** दुनिया में पति पत्नी के रिश्ते को सबसे पवित्र स्थान दिया गया है लेकिन तब क्या हो जब एक पत्नी अपने मामी के संग भाग कर की शादी कर ले और खुशी खुशी अपना जीवन जी रहा हो और पत्नी घुट घिट कर जी रही हो.पीड़ित महिला मूल रूप से मुजफ्फरपुर जिले के जजूआर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव की रहने वाली है जिसकी शादी 2004 में औराई थाना क्षेत्र के गंगोली गांव के रहने वाले पप्पू ठाकुर के साथ हुई थी और शादी के 7 साल बाद जब पीड़ित महिला ने दो बेटियों को जन्म दिया तो पति ने अपने पत्नी और दोनों बेटियों को छोड़ अपनी मामी से ही भाग कर रचा ली शादी अब न्याय के लिए पत्नी खा रही दर दर की ठोकर।

आपको बता दें कि मामले को लेकर पीड़ित महिला किरण देवी ने बताया कि उनका पति पप्पू ठाकुर शादी के पूर्व से ही पुणे में रह कर फर्नीचर का काम करता है वही इनकी शादी पप्पू ठाकुर के साथ 2004 में हुई जिसके बाद सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था इसी बीच 2010 में दोनों को पहली पुत्री की प्राप्ति हुई फिर 2011 में भी दोनों को पुत्री को

प्राप्ति हुई जिसके कारण पति पप्पू ठाकुर नाखुश था और दो बेटी होने की इतनी बड़ी सजा मिलेगी इन्हें खुद नहीं था पता। पीड़िता ने बताया कि जब उसने 2011 में दूसरी पुत्री को जन्म दिया तभी से उसका पति उसके साथ मारपीट करने लगा और पुणे से लेकर सुसराल में बिठा दिया जिसके बाद ना तो खर्च देता था और ना घर आता है और इसी बीच पता चला कि वह समस्तीपुर के पटोरी गांव के रहने वाली अपनी मामी गुड़िया देवी को लेकर फरार हो गया और अपनी मामी से शादी कर लिया है .किरण देवी ने बताया कि जब उसको पता चला कि उसका पति अपनी ही मामी के साथ भाग कर शादी रचा ली है तब से लेकर आज तक वह थाना से लेकर कोर्ट तक न्याय के लिए दर दर की ठोकर खा रही है वही 11 वर्षों के बाद भी महिला को कहीं से अभी तक न्याय नहीं मिल पाया है।

पीड़िता ने बताया कि पति के द्वारा छोड़ दिए जाने के कारण अब वह अपने दोनों बेटियों के संग अपने ससुराल में ही रह कर किसी तरह अपना जीवन यापन करती है लेकिन अब उसका ससुराल में रहना भी मुश्किल हो रहा है क्योंकि अब पीड़िता का ससुर पीड़िता को अपने साथ रहने के लिए दवाब देता है और कहता है कि अगर मेरे साथ नहीं रहोगी तो अपने घर में नहीं रहने देंगे। अब पीड़ित महिला का कहना है कि मैं करू तो क्या करु जाऊ तो कहा जाऊ अब अगर मुझे न्याय नहीं मिला तो मेरे पास एक ही विकल्प है अपने दोनों बेटियों के साथ अब अपनी जिंदगी को ही खत्म कर दूंगी।

### समस्तीपुर: सुबह-सबेरे खेत में इंटर छात्रा की डेड बॉडी मिली

**पटना/समस्तीपुर,संवाददाता।** बिहार के समस्तीपुर से एक सनसनीखेज खबर निकल कर सामने आ रहा है। यहां सोमवार की सुबह खेत में लड़की की डेड बॉडी मिली है। आशंका जताई जा रही है कि रेप के बाद लड़की की हत्या की गई है। इंटर में पढ़ने वाली यह छात्रा रविवार की शाम से घर से लापता थी। पिता ने रविवार की रात किशोरी के लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। अब इसका शव बरामद हुआ है। वहीं, इस घटना को लेकर मृतक के पिता के अनुसार पुराने भूमि विवाद के कारण उनकी बेटी की हत्या हुई है। पुलिस ने मृतका की डेड बॉडी को कब्जे में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक, किशोरी के गले पर गहरे काले रंग के नई निशान मौजूद थे। फिलहाल अभी पुलिस इस मामले में अलग-अलग एंगल से जांच-पड़ताल कर रही है। इधर, पुलिस ने मृतका की डेड बॉडी को कब्जे में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक, किशोरी के गले पर गहरे काले रंग के नई निशान मौजूद थे। फिलहाल अभी पुलिस इस मामले में अलग-अलग एंगल से जांच-पड़ताल कर रही है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही पुलिस इस मामले में कुछ सही जानकारी निकल कर सामने आ रही है।

चरण सिंह

विचार

## देश में ऐसे कैसे हो पाएंगे एक साथ चुनाव?

जैसे हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख आगे बढ़ाई गई थी ऐसे ही केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप चुनाव की तारीख बढ़ाकर १३ की जगह २० नवम्बर कर दी गई है। ऐसा बताया जा रहा है कि गंगा स्नान त्यौहार का हवाला देकर कांग्रेस और बीजेपी ने चुनाव आयोग से २० नवम्बर को चुनाव कराने की अपील की थी। ऐसे में प्रश्न उठता है कि बीजेपी जो एक देश एक चुनाव का दंभ भर रही है तो पूरे देश के चुनाव एक साथ कैसे होंगे? जब राज्यों में विधानसभा चुनाव में तारीख की फेरबदल करने के बाद अब उप चुनाव में फेरबदल करनी पड़ी। जब महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव एक साथ नहीं कराये जा सके। जब उप चुनाव की तारीख बदलनी पड़ी। तो एक साथ पूरे देश के लोकसभा और विधानसभा चुनाव कैसे हो पाएंगे? क्या तब त्यौहार नहीं होंगे? या फिर जो चुनाव आयोग चार राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ नहीं करा सकता? वह पूरे देश के आम चुनाव और विधानसभा चुनाव कैसे करा पाएगा?

दरअसल केंद्र के साथ ही विभिन्न राज्यों में बीजेपी की सरकार है। एक साथ पूरे देश के चुनाव कराने में बीजेपी को फायदा है। क्योंकि सरकारी मशीनरी बीजेपी के हाथ में है। विपक्ष में मुख्य रूप से क्षेत्रीय दल नहीं चाहते कि देश में सभी चुनाव एक साथ हों। उससे क्षेत्रीय दलों को नुकसान होने की आशंका है। दरअसल पूरे देश में जब चुनाव होंगे तो वे क्षेत्रीय दलों पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय मुद्दों पर होंगे। राष्ट्रीय मुद्दों पर क्षेत्रीय दल पिछड़ जाते हैं। ऐसे में बीजेपी के साथ ही कांग्रेस को भी एक साथ चुनाव होने का फायदा हो सकता है। पर क्षेत्रीय दलों को उसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल एक साथ चुनाव का विरोध कर रहे हैं।

दरअसल केंद्र ने गत लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की राह में बड़ा कदम उठाया है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने देश में एक साथ चुनाव को लेकर तैयार अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से देश में एक साथ चुनाव कराने की वकालत कर रहे हैं। माना जा रहा है कि 2029 में देश में एक साथ चुनाव हो सकते हैं. हालांकि, 'एक देश, एक चुनाव' नया विचार नहीं है. देश में पहले भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते रहे हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे को उस समय हवा मिली जब 2018 में पीएम नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि क्या देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं? फिर उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक भी बुलाई। इस दौरान उन्होंने 'एक देश, एक चुनाव' पर सभी राजनीतिक दलों की राय मांगी थी। लोकसभा चुनाव 2019 से पहले ही चुनाव आयोग ने कहा था कि इस बार देश में एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं हो पाएगा। आयोग ने कहा है कि इसके लिए कई कानूनी प्रक्रिया सरकार को पूरा करनी होंगी। फिर कोरोना महामारी के दौरान ये मुद्दा पूरी तरह से ठंडा पड़ गया था। अब इस दिशा में केंद्र ने बड़ा कदम उठा लिया है।

देखने की बात यह है कि देश में एक या दो बार नहीं, बल्कि चार बार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। आजादी के बाद 1951 से 1967 तक देश में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव साथ हुए थे। देश में पहला आम चुनाव 1951-52 में हुआ था। इस दौरान राज्यों में विधानसभा चुनाव भी कराए गए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।

## छठ व्रत की महिमा अपरम्पार !

-डॉ. भरत मिश्र प्राची-

छठ व्रत की महिमा अपरम्पार है जिसकी ख्याति दिन दुनी रात चैगनी विश्व पैमाने पर फैलती जा रही है। इसकी अपार महिमा के चलते आज व्रत करने वालों की संख्या में भी अपार वृद्धि होती जा रही है। देश के पूर्वी भाग बिहार उ.प्र. से शुरू होने वाला यह व्रत आज देश के हर भाग सहित विश्व स्तर पर श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जा रहा है। इस व्रत में मुख्य रूप से सूर्य की उपासना होती है। उगते सूर्य की उपासना तो सभी करते है पर विश्व स्तर पर यह अपने आप में अद्वितीय व्रत है जहां डूबते सूर्य की भी उपासना की जाती है। इस व्रत की शुरूआत हर वर्ष कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है तथा षष्ठी तिथि की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के उपरान्त समापन सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 5 नवंबर से लेकर 8 नवम्बर तक मनाया जायेगा।

इस व्रत में व्रत करने वाला व्रती चतुर्थी तिथि से नहाय खाय, पंचमी को खरना, षष्ठी तिथि के प्रारम्भ से ही बिना अन्न जल ग्रहण किये व्रत करते हुये नदी, जलाशय, तलाब में जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने एवं सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत को पूरा करता है। इस व्रत में पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। इस व्रत में प्रसाद में सारे मौसमी फल, गन्ना, ठेकुआ शामिल होता है। व्रत करने वाला परिवार इस व्रत को आस्था एवं पूर्ण विश्वास से करता है, मान्यता है कि इस व्रत को करने वाले की हर मनोकामना पूर्ण होती है। इस व्रत को अधिकांशंतः महिलाएं ही करती है। विशेष पुत्र प्राप्ति की कामना हेतु पुरूष भी इस व्रत को अपनी पत्नी के साथ करते देखे जा सकते है।

इस व्रत को करने की परमपरा अनादि काल से चली आ रही है। इस व्रत को प्राचीन काल से ही नाग, किन्नर, मानव में करने के प्रमाण मिलते है। संकट काल में द्वापर युग में दौपदी द्वारा इस व्रत को करने एवं पांडवों को अपना राज्य मिलने की भी बात प्रमुख रही है। यह व्रत विहार, झारखंड के हर परिवार में श्रद्धा के साथ प्रति वर्ष किया जाता है। इस प्रांत के निवासी देश, विदेश जहां भी रहते है, श्रद्धा के साथ वही इस व्रत को करते है। इसी करण यह व्रत आज अंतर्राष्टीय रुप ले चुका है। देश का हर कोना- कोना आज इस व्रत की गूंज से गुंजयमान तो हो ही रहा है, मारिशश, फीजी, सूरीनामी आदि देश में भी इस छठ पूजा की धूम मची हुई है।

षष्ठी तिथि को अस्थाचल होते हुए सूर्य को प्रथम अर्घ्य इस कामना एवं विश्वास के साथ कि उदय के समय हमारी झोली खुशियों से सूर्य देव की असीम कृपा से सदा के लिये भर जायेगी, दूसरे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की समाप्ति होती है। इस अवसर पर घाट का दृश्य अति मनोरम होता है। ईख से अच्छादित वातावरण हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है।

इस व्रत की महिमा अपरम्पार है। जिस किसी ने भी इस व्रत को विश्वास एवं श्रद्धा के साथ किया है। उसकी हर मनोकामना पूर्ण हुई है। पुत्र, यश, धन प्राप्ति के लिये किये इस व्रत के परिणाम सदैव ही सकरात्मक रहे है। तभी इस व्रत को करने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि ही होती जा रही है। आज यह व्रत केवल विहार, झारखंड प्रांत का ही नहीं होकर पूरे देश का हो चला है। जो भी इस व्रत की अपार महिमा से परिचित हुआ है, इस व्रत को करते मिलेगा। इस व्रत को हर जाति संप्रदाय के लोग करते मिलेगें।

# हैरिस हों या ट्रंप, भारत-अमेरिका संबंध होते रहेंगे सशक्त

-आर.के. सिन्हा-

> भारत और अमेरिका के संबंधों का इतिहास वैसे कहें तो जटिल ही रहा है। 1947 में भारत की आजादी के बाद, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखा। हालाँकि, 1960 और 1970 के दशक में, भारत की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान के साथ निकटता के कारण दोनों देशों के बीच कुछ तनाव भी देखने को मिले। 1990 के दशक में, शीत युद्ध के खत्म होने और वैश्वीकरण के उदय ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया।

अमेरिका में कल ही यानि 5 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होने जा रहा है। इसको लेकर सारी दुनिया के साथ भारत में भी गहरी दिलचस्पी ली जा रही है। हालांकि यह बात तो शीशे की तरह साफ है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चाहें भारतीय मूल की कमला हैरिस बने हैं या डोनाल्ड ट्रंप, दोनों देशों के संबंध बेहतर बने रहेंगे। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास है, लेकिन 21वीं सदी में इन संबंधों ने एक नया आयाम ग्रहण किया है। आज यह दो लोकतांत्रिक महाशक्तियां एक दूसरे के महत्वपूर्ण भागीदार हैं, जो वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति में साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भारत और अमेरिका के संबंधों का इतिहास वैसे कहें तो जटिल ही रहा है। 1947 में भारत की आजादी के बाद, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखा। हालाँकि, 1960 और 1970 के दशक में, भारत की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान के साथ निकटता के कारण दोनों देशों के बीच कुछ तनाव भी देखने को मिले। 1990 के दशक में, शीत युद्ध के खत्म होने और वैश्वीकरण के उदय ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया। दोनों देशों ने एक दूसरे के साथ व्यापार और निवेश को बढ़ावा दिया, और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत किया।

आज, भारत-अमेरिका संबंध विभिन्न क्षेत्रों में गहरे और मजबूत हैं। भारत अमेरिका के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है, और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निवेशक है। दोनों देश एक दूसरे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत और अमेरिका एक दूसरे के साथ तकनीकी क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास की गति तेज है, और अमेरिकी कंपनियां भारत के बाजार में निवेश करने में रुचि रखती हैं। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। कई भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं, और अमेरिका में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति बढ़ रही है। हालांकि भारत-अमेरिका संबंधों में प्रगति हुई है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में कुछ असंतुलन है, जिसके कारण कुछ तनाव भी देखने को मिलता रहता है।

भारत-अमेरिका संबंधों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी खासी अहम रही है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि से दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण किया है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान अविश्वसनीय है। वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, वित्त और उद्यमिता शामिल हैं। "सिलिकॉन वैली" में भारतीय मूल के उद्यमी और कार्यकर्ता प्रौद्योगिकी क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, भारतीय-अमेरिकी व्यापारियों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रवासी भारतीयों का अमेरिका में राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। वे विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय हैं और उच्च पदों पर पहुंचते हैं। कांग्रेस और राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण संख्या में भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। वे दोनों देशों की सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे भारतीय फिल्मों, संगीत, कला और साहित्य को लोकप्रिय बनाने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय समुदाय अमेरिका के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने में योगदान दे रहा है, बहुसांस्कृतिक समाज को मजबूत कर रहा है।

बेशक, प्रवासी भारतीयों ने भारत और अमेरिका के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण किया है। वे दोनों देशों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को समझते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग बढ़ता है। वे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं।

हालांकि यह भी सच है कि प्रवासी भारतीयों को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सांस्कृतिक अलगाव, भेदभाव और नस्लीय पूर्वाग्रह शामिल हैं। हालांकि, प्रवासी भारतीयों की मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि ने उन्हें अमेरिका में सफलता हासिल करने और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल बनाया है। भविष्य में, प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी, क्योंकि वे दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

प्रवासी भारतीयों का भारत-अमेरिका संबंधों पर एक बहुआयामी और सकारात्मक प्रभाव है। वे दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण करते हैं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्रवासी भारतीयों की भूमिका भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस बीच, अमेरिका में बसे भारतीयों की बात करते हुए हमें भारत में बस गए अमेरिकी नृत्गंना शेरोन लोवेन की भी चर्चा कर लेना चाहिए। शेरोन लोवेन मूल रूप से अमेरिकी हैं और वो बीते पचास सालों से भी कुछ अधिक समय से भारत की हो गई हैं।

# निवेश-निजी खपत से बढ़ेगी आर्थिकी

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

हाल ही में एक नवंबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट ह्यएशिया प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक अनुमान 2024ह्ण में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की विकास दर को पहले के 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि दिवाली के बाद एक नवंबर से शुरू हुए नए संवत 2081 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती संबंधी शुभ संकेत उभरकर सामने आ रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई में नरमी आएगी और वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय ग्लोबल फंड का भारतीय बांड में किया जा रहा निवेश उभरते बाजारों में ऊंचाई पर रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष 2023 में भारतीय बांड में जो विदेश निवेश 70627 करोड़ रुपए का था, वह इस वर्ष 2024 में करीब 88 प्रतिशत बढकर अक्टूबर तक 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

निश्चित रूप से नए संवत 2081 में भारत की विकास दर उभरते हुए देशों की तुलना में ऊंचाई पर होगी। नए संवत 2081 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे हमारे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत हुए हैं। इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकते हुए सितारे के रूप में रेखांकित हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में भारत के घरेलू बाजार की अहम भूमिका है। इस वर्ष दीपावली और इससे जुड़े त्योहारों पर देशभर के घरेलू और स्थानीय बाजारों में भारी मांग देखी गई है। चीनी उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है। दिवाली त्योहार के बाजारों में 4.25 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह नए संवत 2081 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। बेहतर मानसून से ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ रही है। नए संवत में देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से मिल रही शक्ति बढ़ेगी। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने के और अधिक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस समय जब दुनिया में वैश्विक संघर्षों से उथल-पुथल मची हुई है, तब भारत नए संवत 2081 में दुनिया के लिए उम्मीद की एक किरण के रूप में दिखाई दे रहा है।

जहां भारत गरीबी जैसी चुनौतियों को कम करते हुए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा, वहीं दुनिया की मदद करते हुए दुनिया में आशा का संचार भी करेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वैश्विक संघर्ष की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। नए संवत 2081 में यह भी दिखाई दे सकेगा कि एक ओर भारत अपने भरपूर खाद्यान्न भंडारों से देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा निश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मददगार बना हुआ है। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय से भारत में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने का बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है और इससे देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आ रही है।

# क्या हरियाणा काँग्रेस टूटन के कगार पर खड़ी है?

-जग मोहन ठाकन-

लोक सभा में आधी सीटों पर विजयी होने के बाद हवा में उड़ रही काँग्रेस पार्टी को मात्र छह माह बाद हुए विधान सभा चुनाव में आशा के विपरीत परिणाम ने सुन्न करके रख दिया है। काँग्रेस दो तिहाई बहुमत से नीचे सपने में भी नहीं सोच रही थी। एक नेता के समर्थक तो मुख्यमंत्री की गद्दी को अपनी गोद में लेकर सोने लगे थे। खुद ह्वो नेताह्न भी अपना हर शब्द एक मुख्यमंत्री की तर्ज पर बोलने लगे थे। पर पासा उलट पड़ गया और भाजपा के तत्कालीन एवं घोषित भावी मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए वक्तव्य ह्यहमने जीत की सारी व्यवस्थाएं कर ली हैंह्न ने काँग्रेस की सभी आशाओं एवं परिकल्पनाओं को ठेंगा दिखा कर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया।

अब हालात ये हैं कि अप्रत्याशित हार से चित हुई काँग्रेस लगभग एक महीना बीत जाने के बावजूद विधानसभा में विपक्ष के नेता का नाम तक तय नहीं कर पा रही है। लोग मजाक के तौर पर कहने लगे हैं कि यदि खुदा-ना-खस्ता उसे बहुमत मिल जाता, तो क्या वे मुख्यमंत्री का नाम तय कर लेते? समस्या यह नहीं है कि उसके पास वांछित विधायक संख्या नहीं है, अपितु समस्या यह है कि यह फैसला लेना कमजोर हाई कमान के गले की फांस बनी हुई है। हाई कमान के बार- बार के गलत निर्णयों ने हाई कमान के पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार कर उसकी निर्णय लेने एवं नियंत्रित करने की शक्ति को लकवा ग्रस्त कर दिया है और उसे प्रदेश के केवल एक ही व्यक्ति की कठपुतली बना कर छोड़ दिया है। आखिर कौन है वो व्यक्ति, जिसके आभा मंडल के आगे हाई कमान का प्रकाश धूमिल पड़ जाता है? ऐसा कौन सा कारण है कि हाई कमान अनिर्णय की स्थिति से बाहर नहीं निकल पा रही है? क्यों इतना शक्तिशाली हो गया है, यह व्यक्ति?

इन सब सवालों का जवाब ढूँढने के लिए राजनीतिक विश्लेषक 2005 के विधान सभा चुनावों में मिली प्रचंड जीत से आह्लादित काँग्रेस हाई कमान का भूपिंदर हुड्डा को मुख्यमंत्री की गद्दी सौंपने को शुरूआती कदम मानते हैं। इस चुनाव में, जो कि पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में लड़ा गया था, काँग्रेस को 90 में से 67 सीट हासिल हुई थी। भजन लाल के बढ़ते कद से चिंतित हाई कमान ने भजन लाल के पर काटने हेतु एक ऐसे व्यक्ति, भूपिंदर हुड्डा, को गद्दी सौंप दी जिसे हाई कमान अपने इशारों के अनुरूप निर्देशित कर सके।

प्रारंभ से ही काँग्रेस को सभी जातियों एवं वर्गों का समर्थन मिलता रहा था। हालांकि वहाँ प्रभुत्व ब्राह्मण समुदाय का ही रहता रहा था, परंतु दलित एवं पिछड़ा वर्ग काँग्रेस को ही अपना शुभचिंतक मानता रहा था। चौधरी देवीलाल के रूप में उभरे किसान नेता को जाटों ने अपना एक छत्र नेता स्वीकार कर लिया था, जिसका फायदा भजन लाल ने जाट- गैर जाट की राजनीति की शुरूआत कर अपना प्रभाव क्षेत्र विस्तृत कर लिया था। जाट काँग्रेस से दूर होने लगे थे, उन्हें पुनः जोड़ने तथा भजन लाल के बढ़ते दायरे को संकुचित करने हेतु ही हाई कमान ने हुड्डा, एक वैकल्पिक जाट नेता, को हथियार के रूप में प्रयोग किया था। काँग्रेस हाई कमान को यह आभास नहीं था कि जिस हथियार को वे भजन लाल को काटने के लिए धार दे रहे हैं एक दिन हाई कमान को ही अपनी धार से कमजोर कर झुकने को मजबूर कर देगा।

और अगले ही विधान सभा चुनाव में इस कदम के परिणाम आने लगे। भले ही भजन लाल को काँग्रेस पार्टी ने उपेक्षित कर उसे पार्टी से बाहर होने को मजबूर कर दिया, परंतु उनके समर्थकों को हाई कमान का यह निर्णय आक्रोशित कर गया और 2009 के चुनाव, जो हुड्डा के नेतृत्व में लड़े गए थे, ने काँग्रेस को 90 में से केवल 40 सीट देकर इस कदम के परिणाम का आभास करा दिया। हालांकि भजन लाल की अपनी अलग बनाई पार्टी, हरियाणा जनहित काँग्रेस (हजकाँ), ने 7 सीट जीतकर काँग्रेस को बहुमत से नीचे रख दिया, परंतु चंद सत्ता लोलुप विधायकों ने, जो हरियाणा में आम तौर पर तैयार बैठे रहते हैं, हरियाणा जनहित काँग्रेस (हजकाँ) को ठेंगा दिखाकर काँग्रेस को समर्थन दे दिया और हुड्डा को पुनः सत्तासीन कर दिया।

काँग्रेस हाई कमान के दोबारा हुड्डा को गद्दीनशीन करने के कदम से गैर जाट वर्ग और आक्रोशित हो गया तथा 2014 के विधान सभा चुनावों में, जो पुनः हुड्डा के ही नेतृत्व में लड़े गए थे, काँग्रेस को 15 सीटों तक समेट कर रख दिया। हाई कमान को अपनी गलती का आभास होने लगा तथा हाई कमान ने भजन लाल के राजनीतिक वारिस कुलदीप बिश्नोई को 2016 में दोबारा शामिल कर लिया ताकि नाराज गैर जाट वर्ग को अपने साथ जोड़ सके। इसका असर भी हुआ और 2019 के विधान सभा चुनाव में काँग्रेस की सीट 15 से बढ़कर एक सम्मान जनक गिनती 31 तक जा पहुंची, परंतु काँग्रेस द्वारा दलित समुदाय के नेता अशोक तंवर को हुड्डा की रण नीति के दवाब में आकर काँग्रेस से विलग करने के कदम ने काँग्रेस को भी एक वर्ग विशेष से विलग कर दिया। इस वर्ग को पुनः आकर्षित करने हेतु काँग्रेस ने कुमारी सैलजा को प्रदेश काँग्रेस की कमान संभालवा दी, जो हुड्डा को नागवार गुजरी और धीरे धीरे सैलजा के कद को भी छोटा करना शुरू कर दिया तथा अंततः सैलजा को दोबारा राज्यसभा में भेजने से रोककर अपने ही पुत्र दीपेन्द्र हुड्डा को नामजद करवा लिया एवं सैलजा को अध्यक्ष पद से हटवा कर अपने ही यस मैन उदय भान की ताजपोशी करवाकर प्रदेश पार्टी पर पकड़ मजबूत कर ली।

हुड्डा ने अगला निशाना पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बँसी लाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को बनाया और उसे ना केवल काँग्रेस विधायक दल के नेता पद से महरूम करवाकर स्वयं पदासीन हो गए और बल्कि उसे काँग्रेस छोड़ने को भी मजबूर कर दिया। इससे पूर्व भजन लाल के पुत्र कुलदीप बिश्नोई को भी पुनः पार्टी छोड़ने को बाध्य कर दिया था। अब केवल प्रदेश पार्टी में हुड्डा के विरोधी स्वर के रूप में रणदीप सुरजेवाला तथा कुमारी सैलजा बचे हैं। सुरजेवाला को भी राज्यसभा में हरियाणा से उम्मीदवार बनाने से रोकने के लिए हाई कमान के नजदीकी अजय माकन को पार्टी का नॉमिनी बनवा दिया, परंतु उपेक्षित कुलदीप बिश्नोई तथा किरण चौधरी ने हुड्डा को करारा झटका दिया और हुड्डा के उम्मीदवार माकन को पर्याप्त विधायक संख्या होने के बावजूद हार का मुंह देखना पड़ा। बाद में हाई कमान ने सुरजेवाला को राजस्थान से राज्यसभा भेजना पड़ा।

हाल में हुए विधान सभा चुनाव में कुमारी सैलजा तथा सुरजेवाला को प्रदेश में मुख्यमंत्री की कुर्सी की दावेदारी से दूर रखने हेतु अकेले हुड्डा ने 90 में से 72 टिकट हथिया ली। टिकट वितरण में उपेक्षित सैलजा ने 10 दिन तक कोपभवन में बैठकर हाई कमान को अपनी नाराजगी दर्शा दी, मगर हाई कमान ने सैलजा की बेरुखी को 10 दिन तक कोई तवज्जो नहीं दी। और सैलजा की इसी उदासीनता ने काँग्रेस को धरातल दिखा दिया। हाई कमान इस मामले में बेखबर थी या बाखबर होते हुए भी अनजान बनकर सैलजा को कोई तवज्जो नहीं दे रही थी। पर यहाँ यह प्रश्न विचारणीय है कि क्या हाई कमान इतनी आश्वस्त थी कि बिना सैलजा के भी उसे हरियाणा में भारी जीत दिखाई दे रही थी या हाई कमान किसी के दवाब में थी और उसे सैलजा की बेरुखी को अनदेखा करने को विवश किया गया था? दोनों ही अवस्थाओं में हाई कमान की निर्णय लेने की कमजोरी तथा शक्तिहीनता स्पष्ट इंगित हुई है।

क्यों निर्णीत नहीं हो पा रहा विधायक दल के नेता का नाम?

काँग्रेस हाई कमान को लग रहा था कि धरातल पर ह्यकिसान- पहलवान- अग्निवीरह्न का नारा उसे बहुमत दिल देगा। राजनीति के विचारक मानते हैं कि हरियाणा की प्रभावशाली जाट जाति द्वारा इतना हो-हल्ला कर दिया गया था कि हाई कमान को लगने लगा था कि जाट नेता हुड्डा कि अगुआई में गढ़ फतह कर लेंगे। हुड्डा भी जाट मतदाता का काँग्रेस के प्रति नारे- बाजी को समर्थन मानकर अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी को पक्का करने का इंतजाम कर रहे थे और अपने प्रतिद्वंद्वी गुट को पटकनी देने के जुगाड़ में लगे हुए थे। पूरे चुनाव में यह प्रदर्शित हो रहा था जैसे काँग्रेस पार्टी हुड्डा काँग्रेस में परिणत हो गई है, यह चुनाव पार्टी के लिए नहीं अपितु व्यक्तिगत हितों के लिए लड़ा जा रहा है।

परंतु बार बार जाट वर्ग को अधिक वरीयता मिलती दिखने के कारण ओबीसी तथा सैलजा की उदासीनता के कारण दलित समुदाय काँग्रेस से कन्नी काट गया। दूसरी तरफ काँग्रेस की गुटबाजी को देखकर जाट वर्ग ने भी बीजेपी से अपने विद्वेष को एक तरफ कर 30 प्रतिशत वोट बीजेपी की झोली में डाल दिए। नतीजन काँग्रेस हाथ मलती रह गई और बीजेपी बाजी मार गई। करारी चपत के बाद हाई कमान को समझ आया कि पार्टी पब्लिक ने पार्टी के स्थानीय नेताओं ने ही डुबोई है। खुद राहुल गांधी को कहना पड़ा-हरियाणा में नेताओं ने पार्टी हित को दरकिनार कर स्वः हित को महत्व दिया। परंतु अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

हाई कमान के सामने अब सांप-छछूंदर की स्थिति पैदा हो गई है। उसके लिए ना हुड्डा को झटकना रास आ रहा है, ना गले लगाना। अगर हुड्डा को पुनः विधायक दल का नेता बनाया जाता है तो गैर- जाट, विशेषकर दलित समुदाय विमुख होने का खतरा है और अगर हुड्डा को या उस द्वारा नामित व्यक्ति को विधायक दल का नेता नहीं बनाया जाता है तो जन-भावना यह भी बोल रही है कि हुड्डा अपने सहयोगी विधायकों के संख्या बल पर कहीं काँग्रेस को ही तलाक देकर खुद विधायक दल का नेता ना बन जाए और हरियाणा के इस घटनाक्रम के परिणाम स्वरूप काँग्रेस कहीं महाराष्ट्र में सत्ता से हाथ ना धो बैठे। इसी ऊहा-पोह की स्थिति में काँग्रेस विधायक दल के नेता का नाम लटकाए हुए है।८

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

## एक नजर

### चंडीगढ़ हवाई अड्डे से फ्लाइट का 24 घंटे संचालन बंद

**चंडीगढ़।** चंडीगढ़ स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार आधी रात से विमानों का संचालन बंद हो जायेगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे पर निगरानी के घंटों में भी कटौती कर दी है। नए कार्यक्रम के अनुसार अब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर आखिरी उड़ान रात 11.25 बजे तक पहुंच जाती है। रात 11.25 बजे के बाद और सुबह 5.55 बजे से पहले अब कोई उड़ान संचालन नहीं हो रहा है। इससे पहले मध्य रात्रि के बाद और सुबह 5 बजे से पहले दो उड़ानें संचालित होती थीं। नए कार्यक्रम का असर मुंबई से अबू धाबी के लिए उड़ानों के समय पर भी पड़ा है, जिसे पुनर्निर्धारित किया गया है। गर्मियों के दौरान शुरू किए गए अबू धाबी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्य को भी सुबह 6 बजे आगमन और सुबह 10.10 बजे प्रस्थान के लिए शेड्यूल किया गया है। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर वर्तमान में रात के समय अब छह उड़ानें आती हैं। इनमें हैदराबाद से रात 10.40 से 11.25 के बीच आने वाली उड़ान, दिल्ली से दो उड़ानें, मुंबई से एक और अहमदाबाद से अंतिम उड़ान शामिल हैं। ये सभी उड़ानें रात में विश्राम के बाद सुबह अपने गंतव्य के लिए रवाना होती हैं। करीब दो माह पहले गैर-व्यवहार्यता के आधार पर जम्मू की उड़ान को भी रद्द कर दिया था। इसके साथ ही दिल्ली से रात 12.10 बजे आने और 12.40 बजे प्रस्थान करने वाली उड़ान को भी बंद किया गया है।

### कैथल में एलपीजी सिलेंडर फटने से दो लड़कियों की मौत, तीन परिजन घायल

**कैथल।** कैथल जिले के अंतर्गत आते गुहला चीका में सोमवार की सुबह एक घर में एलपीजी सिलेंडर फटने से दो लड़कियों की मौत हो गई जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। धमका इतना जबरदस्त था कि घर का ज्यादातर हिस्सा ढह गया और पड़ोस के कई घरों में दरारें आ गई। धमका होते ही लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस तथा फायर के अधिकारी मौके पर पहुंचे और एफएसएल विशेषज्ञों के माध्यम से मामले की जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शी बलजीत सिंह ने बताया कि सुबह करीब चार बजे आसपास बड़ा धमाका हुआ, जिसमें उनके पास लगने वाले कई घरों की दीवारों में दरार आ गई तो वहीं कई घरों के शीशे भी टूट गए। दो सिलेंडर इक्कठे फटने के कारण धमाका बहुत भयंकर था, कि घर की छतें ढह गई। हादसे के आधे घंटे बाद एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। तब तक आसपास के लोगों ने घायलों को अंदर से निकाल लिया था। पुलिस भी काफी देर बाद पहुंची जो हादसे में हताहत हुए लोगों के नाम वगैरह नोट करके चली गई। हादसे में घायल परिवार के सभी सदस्यों को पहले गुहला के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए पटियाला के सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया। इलाज के लिए पटियाला ले जाते समय रास्ते में दो लड़कियों ने दम तोड़ दिया।जिनमें 17 वर्ष की कोमल तथा डेढ वर्ष की रूही शामिल है। घायलों में बलवान सिंह, बलवान की पत्नी तथा पुत्रवधु शामिल हैं।

### सरकार किसान हितैषी नहीं, सात नवंबर को करेंगे प्रदर्शन : सुभाष गुर्जर

**यमुनानगर।** भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि अपनी नस्ल और फसल को बचाने के लिए किसान हमेशा संघर्ष करता रहेगा। किसानों को आज न तो डीएपी खाद मिल रहा है। पराली को लेकर किसानों पर झूठे केस बनाए जा रहें है। किसानों को जीरी का दाम 3100 रुपए क्विंटल मिल नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 29 अक्टूबर को लघु सचिवालय पर किसानों के साथ पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और धक्का मुक्की के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर किसान संयुक्त मोर्चा सात नवंबर को लघु सचिवालय पर बड़ा प्रदर्शन करेगा। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला कार्यकारिणी की एक बैठक जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर की अध्यक्षता में जगाधरी के लोकनिर्माण विभाग के विश्रामगृह में हुई। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने बताया कि किसान के द्वारा अपनी मांगों को लेकर 29 अक्टूबर को लघु सचिवालय पर किए गए धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने किसानों से दुर्व्यवहार और धक्कामुक्की की थी। जिसके विरोध में सात नवंबर को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें प्रदेशध्यक्ष रतनमान भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसान हितैषी नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जीरी 3100 रुपए क्विंटल के भाव से खरीदने की घोषणा की थी लेकिन वह भाव नहीं दिया जा रहा है। किसानों की जीरी आज भी मंडियों में पड़ी है। वहीं पराली जलाने को लेकर किसानों के खिलाफ झूठे केस बनाए जा रहें है। किसानों को डीएपी खाद नहीं मिल रही है।

### फतेहाबाद : स्वामी सदानंद ने किया महिला एवं बाल सेवा आश्रम का शुभारंभ

**फतेहाबाद।** स्वामी सदानंद प्रणामी गौसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री श्री 108 डॉ. स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से फतेहाबाद में श्री कृष्ण प्रणामी महिला एवं बाल सेवा आश्रम स्थापित किया गया है। इस आश्रम में असहाय, लाचार, बेसहारा और मंदबुद्धि महिलाओं के रहने और खाने-पीने सहित सभी तरह की सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैं। नेशनल हाइवे पर हिसार-सिरसा बाईपास पर स्थित सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम में स्थापित श्री कृष्ण प्रणामी महिला एवं बाल सेवा आश्रम का सोमवार को हवन यज्ञ का साथ शुभारंभ किया गया। श्री श्री 108 डॉ. स्वामी श्री सदानंद जी महाराज ने अपने कर कमलों से इस आश्रम का शुभारंभ किया। गुरू महाराज जी द्वारा असहाय, लाचार, बेसहारा और मंदबुद्धि महिलाओं को आश्रम में प्रवेश करवाया गया और उन्हें स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया। बता दें कि परमहंस श्री श्री 108 डॉ. स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के सानिध्य में मंगल राधिका सेवानंद सेवा धाम फतेहाबाद के अंतर्गत मंदबुद्धि एवं बेसहारा बुजुर्गों के लिए जहां सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम संचालित किया जा रहा है। वृदआश्रम के अलावा यहां गौवंश अनुसंधान संस्थान, गौ चिकित्साय और गौ औषधालय का भी संचालन कर गौसेवा का धर्म निभाया जा रहा है। स्वामी सदानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हमें अपने व्यस्तम जीवन में से कुछ पल जरूरतमंदों की सेवा के लिए अवश्य निकालना चाहिए। अपनी नेक कमाई का एक हिस्सा ऐसे बेसहारा लोगों और गौमाता की सेवा के लिए अवश्य देना चाहिए। उन्होंने फतेहाबाद में ट्रस्ट सदस्यों द्वारा मानव सेवा व गौसेवा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और आगे भी ऐसे नेक कार्यों को जारी रखने का आशीर्वाद दिया।

# सुप्रीम कोर्ट समिति की किसानों के साथ बैठक रही बेनतीजा

## शंभू बार्डर पर धरने का नेतृत्व कर रहे पंधेर व डल्लेवाल बैठक में नहीं हुए शामिल

**चंडीगढ़।** शंभू बार्डर खुलवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी तथा किसानों के बीच सोमवार को हुई बैठक बेनतीजा रही। बैठक में सुप्रीम कोर्ट समिति के सभी सदस्य शामिल हुए लेकिन किसानों के धरने का नेतृत्व करने वाले किसान नेता सरवन सिंह पंधेर तथा जगजीत सिंह डल्लेवाल बैठक में नहीं आए। जिन किसान नेताओं ने बैठक में भाग लिया वह आंदोलन के प्रमुख चेहरे नहीं थे।

फसलों पर एमएसपी की गारंटी को लेकर पंजाब के किसान फरवरी-2024 से हड़ताल पर हैं। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने हरियाणा और पंजाब के शंभू बॉर्डर को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया था। किसानों ने पंजाब की तरफ बॉर्डर पर स्थायी मोर्चा बना लिया। ऐसे में वहां से आवाजाही बंद है। इससे अंबाला के व्यापारियों को परेशानी हो रही है। हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को बॉर्डर खोलने के आदेश दिए थे, लेकिन सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। सोमवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा भवन में कई घंटे तक चली बैठक में जस्टिस नवाब सिंह के अलावा, पूर्व आईपीएस अधिकारी पीएस संधू, गुरु नानक यूनिवर्सिटी, अमृतसर के प्रोफेसर देवेंद्र शर्मा, एग्रीकल्चर एंड इकोनॉमिक एक्सपर्ट रणजीत सिंह, डॉ. सुखपाल सिंह, हरियाणा कृषि विवि के वाइस चांसलर बीआर कम्बोज, हरियाणा और पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक शामिल हुए।

बैठक से कुछ घंटे पहले ही सरवन सिंह पंधेर ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। जगजीत सिंह डल्लेवाल ने स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का दावा करते हुए अपने प्रतिनिधियों को बैठक में भेजा। किसानों ने अपनी 12 मांगें सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई कमेटी के सामने रखी। किसानों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती है, तक तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। बैठक के बाद किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि आने वाले लोकसभा सत्र के दौरान भूख हड़ताल शुरू करेंगे। बैठक में किसान नेता इस बात पर भी सहमत नहीं हुए कि अगर शंभू बार्डर खोला जाता है कि वह ट्रैक्टरों, जेसीबी आदि के साथ दिल्ली कूच नहीं करेंगे। कई घंटे तक चली बैठक में किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी।

# मुख्यमंत्री ने पंचकूला पुस्तक मेले में कर्मयोगी कृष्ण का किया विमोचन

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में आयोजित तीसरे पुस्तक मेले के उद्घाटन के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित पुस्तक कर्मयोगी कृष्ण का विमोचन किया। इस पुस्तक के लेखक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग हरियाणा में कार्यरत जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी कृष्ण कुमार आर्य हैं।

मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए लेखक को बधाई और ऐसी कृति की रचना के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने मेले में सभी पुस्तक स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी मार्गदर्शक होती हैं और अच्छी पुस्तकें तो हमारे जीवन की धारा को भी बदल देती हैं। इसलिए सभी को पुस्तकों का स्वाध्याय नियमित तौर पर करना चाहिए। उनके साथ पुस्तक मेले के आयोजक एसईआईएए के चेयरमैन पीके दास, कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा सहित अनेक गण्यमान्य मौजद थे। लेखक कृष्ण कुमार आर्य ने पुस्तक के विषय में बताया कि इस पुस्तक में श्रीकृष्ण की पूरी जीवनी है। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि जीवन का आधार कर्म है और कर्म की सिद्धि केवल कर्तव्य पालन के मार्ग से होकर ही गुजरती है। कर्महीन और कर्तव्य विमुख व्यक्ति कभी धर्मात्मा नहीं हो सकता है। उनके इसी उपदेश को श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नव संकलित पुस्तक कर्मयोगी कृष्ण में सहेजा गया है। आर्य ने बताया कि पुस्तक में श्रीकृष्ण की जीवनशैली को प्रदर्शित करने के लिए विषयवस्तु को 244 पृष्ठों पर 11 अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसमें लगभग 130 मंत्र, श्लोक एवं सूक्तियां तथा पुस्तक को समझने में सहायक आठ आलेख दिए हैं। पुस्तक का पहला अध्याय श्रीकृष्ण की वशांवली, दूसरे व तीसरे अध्याय में उनके बाल्यकाल की प्रमुख घटनाएं तथा अध्याय चार में गोपी प्रकरण व कंस वध का विवरण दिया है। पुस्तक के पांचवें अध्याय में श्रीकृष्ण द्वारा महर्षि सांदीपनी एवं अन्य ऋषि आश्रमों में ग्रहण की गई शिक्षाओं तथा वैज्ञानिक उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। यह अध्याय अनेक दिव्य अस्त्र-शस्त्रों के ज्ञान तथा सुदर्शन चक्र, सौमधुक, मौनधुक, सौकिक यान एवं सोमतीति रेखा का अन्वेषण श्रीकृष्ण की महानता का परिचय देता हैं। छठे अध्याय में द्वारका की अवधारणा तथा श्रीकृष्ण की दिनचर्या को प्रदर्शित करने वाला सातवां अध्याय दैनंदिनी विमर्श दिया है।

# तहसीलों में भ्रष्टाचार का बोलबाला, बिना पैसे दिए न रजिस्ट्री न इंतकाल: बजरंग गर्ग

**फतेहाबाद।** व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में सोमवार को टोहाना में हुई। मीटिंग लेने के उपरांत पत्रकार वार्ता में बजरंग दास गर्ग कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री प्रदेश में बिना खर्ची व पर्ची काम होने के दावे करते हैं, मगर सच्चाई उससे परे है। हरियाणा में तहसीलों में खुला भ्रष्टाचार का बोलबाला है। तहसीलों में बिना पैसे दिए ना तो रजिस्ट्री होती है ना ही इंतकाल होता है।

टोहाना तहसील में बिचौलिए छोड़ रखे हैं रजिस्ट्री व इंतकाल करवाने के खुलेआम पैसे लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी को तहसीलों में हो रहे भ्रष्टाचार प्रॉपर्टी आईडी बनाने वाली जयपुर की कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उनसे पैसों की वसूली करनी चाहिए जबकि ढाई साल से प्रदेश का व्यापारी व आम जनता अपनी प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए धक्के खा रहे हैं और प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए पैसे देने पड़ रहे हैं। बजरंग गर्ग ने कहा कि अपराधियों द्वारा फतेहाबाद जिले में कपड़ा व्यापारी के यहां पर फायरिंग करके 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने से हरियाणा के व्यापारियों में भय का माहौल है। दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा अपराधियों को ना पकड? से व्यापारियों में रोष है। सरकार को हरियाणा में अपराध को खत्म करने के लिए पुलिस विभाग में स्पेशल फोर्स का गठन

की जांच करवा कर टोहाना सहित सभी सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में ऐसा कोई सरकारी विभाग नहीं जहां पर बिना सेवा शुल्क दिए काम हो रहे हो। सरकारी अधिकारी सेवा शुल्क लेना तो अपना जीवन सिद्ध अधिकार समझते हैं। सरकार को भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए भ्रष्ट्र अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा में प्रॉपर्टी आईडी के नाम पर करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ है। सरकार करना चाहिए। फायरिंग करके फिरौती मांगने वाले अपराधियों को उनके हिसाब से मौके पर ही पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता पवन वधवा, शहरी प्रधान राजेंद्र ठकराल, युवा प्रधान जोनी मेहता, अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय महासचिव चूडि?ां राम गोयल, अग्रवाल सभा प्रधान रमेश गोयल, अनाज मंडी प्रधान मेघराज बंसल, बाबूराम, गौरव पाहवा, दीपक सेतिया, सुमित भाटिया, साहिल बंसल, सुशील जैन आदि प्रतिनिधि मौजूद थे।

# धान की पराली जलाने पर फतेहाबाद में चार किसानों पर एफआईआर दर्ज

**फतेहाबाद।** प्रतिबंध के बावजूद धान की पराली जलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है। जिला पुलिस द्वारा पराली जलाने के आरोप में सोमवार को चार एफआईआर दर्ज की गई हैं। अब तक 14 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पहले मामले में भूना पुलिस को दी शिकायत में कृषि विभाग भूना से एटीएम धर्मवीर ने कहा है कि उपायुक्त द्वारा धान कटाई उपरांत बचे हुए अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। गत दिवस हरसेक द्वारा उन्हें जीपीएस लोकेशन भेजी गई जिसमें गांव जंडली खुर्द में किसान द्वारा अपने खेत में आग लगाने की सूचना थी। इस पर कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि किसान संदीप पुत्र दिलबाग निवासी जांडली खुर्द ने अपने खेत में 15 कनाल 16 मरला जमीन पर पराली में आग लगाई हुई थी। इस पर कृषि विभाग की टीम ने इस बारे पुलिस को सूचना दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दूसरे मामले में भूना पुलिस ने एटीएम धर्मवीर की ही शिकायत पर किसान संदीप पुत्र होशियार सिंह निवासी जाण्डली कलां के खिलाफ केस दर्ज किया है। हरसेक से मिली लोकेशन के बाद कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि किसान ने 29 कनाल खेत में पराली जलाई हुई थी। तीसरे मामले में भूना पुलिस ने एटीएम महेन्द्रपाल की शिकायत पर किसान गुरजिन्द्र सिंह पुत्र गुरमीत सिंह निवासी रहनखेड़ी के खिलाफ केस दर्ज किया है। हरसेक से मिली लोकेशन के बाद कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि किसान ने 7 कनाल 8 मरला खेत में पराली जलाई हुई थी। चौथे मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने एग्रीकल्चर सुपरवाइजर भारतरतन की शिकायत पर किसान वेदप्रकाश पुत्र भरत सिंह निवासी हिजरावां कलां के खिलाफ केस दर्ज किया है। हरसेक से मिली लोकेशन के बाद कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि किसान ने 8 कनाल खेत में पराली जलाई हुई थी।

**स्मॉग की चादर से घिरा फतेहाबाद**

फतेहाबाद में सोमवार सुबह से ही घने स्मॉग की चादर से पूरा आसमान घिरा हुआ है। जिसके कारण फतेहाबाद क्षेत्र में आज एयर क्वालिटी इंडेक्स 306 के करीब पहुंच चुका है। जो वायु प्रदूषण की बेहद खराब स्थिति मानी जाती है। हालात यह हैं कि फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में सांस लेने में दिक्कत, एलर्जी, जुकाम आदि के मरीजों से ओपीडी भर गई। अब तक जिले भर में 65 से ज्यादा लोकेशन सामने आ चुकी हैं। जहां पराली जलाई गई। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में यह आंकड़ा कम है, लेकिन वायु प्रदूषण के लिए बहुत ज्यादा है।

# मनुमुक्त 'मानव' ट्रस्ट द्वारा प्रथम हरियाणवी कवि-सम्मेलन आयोजित

- छह देशों के डेढ़ दर्जन कवियों ने की सहभागिता
- "धरम-करम का पालणा, अड़ै गीता का उपदेस। सच म्हैं हरी का बास सै यो हरियाणा परदेस।

**नारनौल।** मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट ने हरियाणा-दिवस के उपलक्ष्य में गत शाम प्रथम वर्चुअल 'अंतरराष्ट्रीय हरियाणवी कवि-सम्मेलन' का आयोजन कर एक नया इतिहास रच दिया। राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक-कवि डॉ. जितेंद्र भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-गीत के उपरांत चीफ ट्रष्टी डॉ. रामनिवास 'मानव' के प्रेरक सान्निध्य तथा डॉ. पंकज गौड़ के कुशल संचालन में संपन्न हुए इस कवि-सम्मेलन में भारत, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मॉरिशस, डेनमार्क और अमेरिका सहित छह देशों के लगभग डेढ़ दर्जन कवियों ने हरियाणी भाषा में काव्य-पाठ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि तथा ग्रामीण विकास विभाग, हरियाणा, चंडीगढ़ के निदेशक डॉ. जयकृष्ण आभीर ने हरियाणवी को जन-मानस की भाषा बताते हुए कहा कि इसमें हरियाणा की माटी की महक और संस्कृति की मिठास को सहज ही अनुभव किया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी ने ट्रस्ट द्वारा हरियाणवी के विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि "हरियाणा का जनम-दिवस पै थमनै चाळा पाड्य दिया। दूर-दूर का देसां म्हैं बी थमनैं लट्ठ-सा गाड्य दिया।? बहम जगत का काढ दिया, चमकै बोली म्हारी रै।" विश्व बैंक, वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस अनुकृति ने हरियाणवी को अपनी मातृभाषा बताते हुए कहा कि प्रत्येक हरियाणावासी को इस पर गर्व होना चाहिए। कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व महाप्रबंधक और वर्जीनिया (अमेरिका) से जुड़े वरिष्ठ कवि राजपाल यादव 'राज' ने अध्यक्षीय वक्तव्य में हरियाणवी भाषा और संस्कृति के महत्त्व को रेखांकित किया। 'वो म्हारा हरियाणा देखो' गीत के माध्यम से उनका कहना था- "खेल-खिलाड़ी का ओलंपिक मैं दमखम खूब दिखाणा देखो। जीत भतेरे मैडल, झंडा केसरिया फैराणा देखो।" ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) के वरिष्ठ कवि रोहितकुमार हैप्पी ने भी अपने दोहों द्वारा इसी भावबोध

को कुछ यूं स्पष्ट किया- "दूध, दही अर राबड़ी सै म्हारी पैचाण। यो हरियाणा आपणा सै भारत की शान।।" सिडनी (आस्ट्रेलिया) की कवयित्री डॉ. भावना कुंअर ने दुनियादारी की बात करते हुए अपनी गजल के माध्यम से कुछ यूं फरमाया- "जितणा सह्ता जावैगा, जग यो ओर सतावैगा। तुन्नैं खूब निभाया सै, इतणा कूंण निभावैगा।" चर्चित स्तंभकार डॉ. सत्यवान सौरभ ने, हरियाणा प्रदेश का परिचय देते हुए, इसकी विशेषताएं कुछ यूं बताईं- "धरम-करम का पालणा, अड़ै गीता का उपदेस। सच म्हैं हरी का बास सै यो हरियाणा परदेस।" इससे पूर्व चीफ ट्रस्टी डॉ. रामनिवास 'मानव' ने हरियाणवी भाषा के स्वरूप और स्थिति पर प्रकाश डाला तथा अपने हरियाणवी दोहे प्रस्तुत किये। उनका एक दोहा देखिए- "चाह्वे घर-परिवार व्है, चाह्वे देस-समाज। हर माणस बेचैन सै, बेरा ना क्यूं आज।।"

इस अवसर पर काव्य-पाठ करने वाले अन्य कवियों में वाक्वा (मॉरिशस) की कल्पना लालजी, सैन डिएगो (अमेरिका) की डॉ. कमला सिंह और ओमपति ग्रेवाल तथा कोपनहेगन (डेनमार्क) की सविता जाखड़ के अतिरिक्त भारत से अजमेर के गोविंद भारद्वाज, सिरसा की डॉ. शील कौशिक, हिसार के डॉ. सत्यवान सौरभ, रेवाड़ी के प्रो. मुकुट अग्रवाल, नारनौल की डॉ. कृष्णा आर्य, डॉ. पंकज गौड़ और डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, जींद की सोनिया पांचाल तथा रोहतक के डॉ. सत्यवीर निराला और बलबीर ढाका के नाम उल्लेखनीय हैं। इन सभी कवियों ने, अपनी कविताओं के माध्यम से, हरियाणा प्रदेश और हरियाणवी संस्कृति का गौरव-गान कर 'हरियाणा-दिवस' की गरिमा को चार चांद लगा दिए।

ज्ञातव्य है कि लगभग अढ़ाई घंटों तक चला यह हरियाणवी भाषा का प्रथम अंतरराष्ट्रीय कवि-सम्मेलन था, जिसे श्रोताओं की भरपूर सराहना मिली। इस अवसर पर वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) के प्रो. सिद्धार्थ रामलिंगम, सिडनी (आस्ट्रेलिया) के प्रगीत कुंअर तथा भारत से ट्रस्टी डॉ. कांता भारती, दिल्ली की उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी', हिसार की प्रियंका सौरभ, हिमांशु शर्मा और शगुन शर्मा, आदमपुर के डॉ. नरेश कुमार, भिवानी के डॉ. रमाकांत शर्मा, महेंद्रगढ़ के राजेंद्र आर्य तथा नितिन यादव, सीमा रंगा, विपिन संधु आदि गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति महत्त्वपूर्ण रही।

## एक नजर

### बदल गया चिड़ियाघर-ईको पार्क समेत बाकी टहलने वाली जगहों का समय

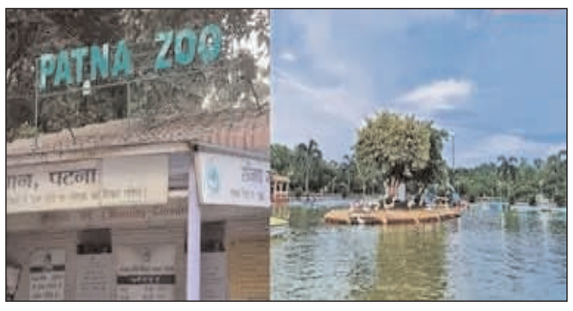


**पटना,संवाददाता।** बिहार की राजधानी पटना के चिड़ियाघर और इको पार्क समेत 30 से ज्यादा पार्कों के खुलने और बंद होने का समय नवंबर से बदल गया है। सुबह जल्दी अंधेरा होने और शाम को जल्दी रोशनी होने की वजह से यह बदलाव किया गया है। अब पार्क सुबह 5:30 बजे खुलेंगे और शाम 7 बजे बंद हो जाएंगे। चिड़ियाघर का समय भी बदला है, अब यह सुबह 6 बजे खुलेगा और शाम 5 बजे बंद होगा।

पार्क प्रशासन ने बताया है कि सर्दियों में दिन जल्दी ढल जाता है, इसलिए पार्कों के समय में बदलाव जरूरी हो गया था। पहले पार्क सुबह 5:15 बजे खुलते थे और रात 8 बजे बंद होते थे। नए समय के अनुसार, अब सुबह 5:30 बजे से 8 बजे तक लोगों के लिए मॉर्निंग वॉक का समय रहेगा। इसके बाद पार्क आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे। पार्कों में मौजूद ओपन जिम के समय में भी बदलाव किया गया है। हालांकि, पार्क प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि फरवरी तक पार्कों के खुलने और बंद होने का समय यही रहेगा। आपको बता दें कि खासतौर पर सुबह के समय सेहत ठीक रखने के लिए पटना चिड़ियाघर समेत ईको पार्क और बाकी ऐसी जगहों पर सुबह-सुबह बड़ी तादाद में लोग मॉर्निंग वॉक और रनिंग के लिए आते हैं। चिड़ियाघर के समय में भी बदलाव किया गया है। पार्क प्रशासन के अनुसार ठंड के समय में चिड़ियाघर को सुबह 6 बजे खोला जाता है और शाम 5 बजे बंद कर दिया जाता है। वहीं गर्मी के दिनों में इसके खुलने और बंद होने का वक्त सुबह 5 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक का होता है। यानी अब सर्दियों में चिड़ियाघर सुबह 6 बजे खुलेगा और शाम 5 बजे बंद होगा, जबकि गर्मियों में यह सुबह 5 बजे खुलेगा और शाम 6 बजे बंद होगा।

### सौहार्द्र का प्रतीक आरा का कलेक्ट्री तालाब

- एक छोर पर सूर्य मंदिर, दूसरे पर मस्जिद और कोने में चर्च

**पटना/आरा,दीपक कुमार तिवारी।** दिवाली के बाद बिहार समेत पूरे देश में छठ महापर्व की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष 5 नवंबर से नहाय-खाय के साथ पर्व की शुरूआत होगी और दूसरे अर्घ्य के बाद महापर्व समाप्त होगा। भोजपुर जिले के आरा में स्थित कलेक्ट्री तालाब का छठ घाट विशेष रूप से सामाजिक सौहार्द्र और धार्मिक एकता का प्रतीक है। यहां सूर्य मंदिर, मस्जिद और चर्च एक ही स्थान पर स्थित हैं, जो सभी धर्मों के अनुयायियों को एक साथ लाते हैं। कलेक्ट्री तालाब, जिसका निर्माण अंग्रेजों के समय हुआ था, प्रतिवर्ष हजारों छठ व्रतियों को आकर्षित करता है। यहां 1982 में सूर्य मंदिर का निर्माण हुआ था और 1999 में मंदिर को भव्य रूप दिया गया। इस घाट पर पूजा के दौरान लाखों भक्त सूर्य को अर्घ्य देने आते हैं। छठ के अवसर पर आरा शहर को रोशनी, रंगोली और सजावट से सजाया जाता है। शहर के सभी चौक-चौराहों पर रंगोली और सजावट के कारण घाट का दृश्य मनमोहक होता है। प्रशासन की ओर से सुरक्षा प्रबंध भी किए जाते हैं ताकि सभी धर्मों के लोग शांतिपूर्वक और सुरक्षित ढंग से पर्व मना सकें।

### बेला में चार बदमाश गिरफ्तार

**सीतामढ़ी।** बेला थाना पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गम्हरिया गांव के पास बगीचा में बैठ कर लूटपाट की योजना बना रहे चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं, तीन बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले। गिरफ्तार बदमाशों में बेला थाना क्षेत्र के विष्णुपुर गांव के युगल किशोर राय के पुत्र सचिन कुमार, शिवनगर गांव के हरिनारायण साह के पुत्र रविराज, परिहार थाना क्षेत्र के सहजौली गांव निवासी रामनंदन महतो के पुत्र सुरेश महतो एवं कन्हौली थाना क्षेत्र के कन्हौली गांव के रामबाबू प्रधान के पुत्र दीपक कुमार शामिल है। वहीं, फरार बदमाशों में विष्णुपुर के विकाऊ राय का पुत्र अमित कुमार, राजेश भंडारी का पुत्र गोलू उर्फ सुधीर भंडारी एवं जितेंद्र राय का पुत्र किस्मत कुमार शामिल है। सदर डीएसपी- 2 आशीष आनंद ने बताया, गम्हरिया गांव के पास बगीचे में आठ से 10 बदमाश के लूटपाट की योजना बनाने की खबर मिली थी। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी कर चार बदमाशों को दबोच लिया गया। तलाशी में इनके पास से आर्म्स, चाकू, दबिया और गांजा बरामद किया गया। चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कार्रवाई टीम में बेला थानाध्यक्ष कुमार प्रभाकर, प्रपुअनि अरुण कुमार दास और संतोष कुमार शामिल थे। बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के पास से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, दो चाकू, एक दबिया तथा 3.9 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है।

### पश्चिम बंगाल के पीडीएस स्लिप में अब केंद्र-राज्य खाद्य सब्सिडी का विवरण

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लाभार्थियों को अब राशन की दुकानों पर खाद्य सामग्री लेने के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की खाद्य सब्सिडी में हिस्सेदारी की जानकारी मिलेगी। राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, अब से उपभोक्ताओं को राशन के बदले दिए जाने वाले पीडीएस स्लिप में खाद्य सब्सिडी पर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वहन किए गए हिस्से का विवरण दर्ज होगा। इसके साथ ही, पीडीएस स्लिप पर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का लोगो भी अनिवार्य रूप से छापा जाएगा, जिसकी केंद्र सरकार ने पहले से ही अनिवार्यता कर दी है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कुछ अन्य राज्यों ने पहले ही केंद्र-राज्य हिस्सेदारी का विवरण देने की प्रणाली शुरू कर दी है और अब पश्चिम बंगाल भी इस प्रणाली को लागू करने जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि चूंकि खाद्य सब्सिडी का भार केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर उठाती हैं, इसलिए हर पीडीएस उपभोक्ता का यह अधिकार है कि वह यह जान सके कि सब्सिडी में किसका कितना हिस्सा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की गलतफहमी की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसी कारण से पीडीएस स्लिप पर केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी का स्पष्ट उल्लेख करने का निर्णय लिया गया है। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिम बंगाल में भाजपा के राज्य इकाई ने लगातार शिकायत की है कि तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य सरकार अक्सर केंद्र प्रायोजित योजनाओं को अपनी योजना के रूप में पेश करती है और उसका श्रेय लेती है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस का यह आरोप रहा है कि विकास या कल्याणकारी योजनाओं में, जहां राज्य सरकार भी खर्च का हिस्सा उठाती है, उसका श्रेय केवल केंद्र सरकार को दिया जाना अनुचित है। फिलहाल, पश्चिम बंगाल में लगभग 8.81 करोड़ उपभोक्ता पीडीएस योजना के तहत कवर किए गए हैं।

# चंपारण: सुगौली चीनी मिल में डोंगा पूजन के साथ गन्ना पेराई सत्र का शुभारम्भ

**मोतिहारी,संवाददाता।** गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने वैदिक मंत्रोचार के बीच किया गया। इस अवसर पर इकाई के उप महाप्रबंधक (गन्ना) शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने सभी यंत्रों, तौल सेतुओं, गन्ना लाये हुए किसान, गाड़ीवान एवं बैलों की पूजा की। मौके पर सुगौली प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी नुतन किरन, अंचलाधिकारी कुन्दन कुमार सहित स्थानीय एवं जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित रहें। एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी प्रकाश कुमार, महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित, उप महाप्रबंधक (अभियंत्रण) योगेन्द्र बहादुर सिंह, उप महाप्रबंधक (उत्पादन) रमेश शुक्ला, गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार एवं हरीशचन्द श्रीवास्तव सहित सुगौली इकाई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। गन्ना उत्पादक किसानों में अनिल दूबे, नागेन्द्र सिंह, विजय कुमार नायक, राम गोपाल खण्डेलवाल, धरमेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र यादव, मो० असहाब आदि सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने बताया कि पेराई सत्र 2024-25 के दौरान 50 लाख क्वींटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है। जिसे लगभग 150 दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। कर

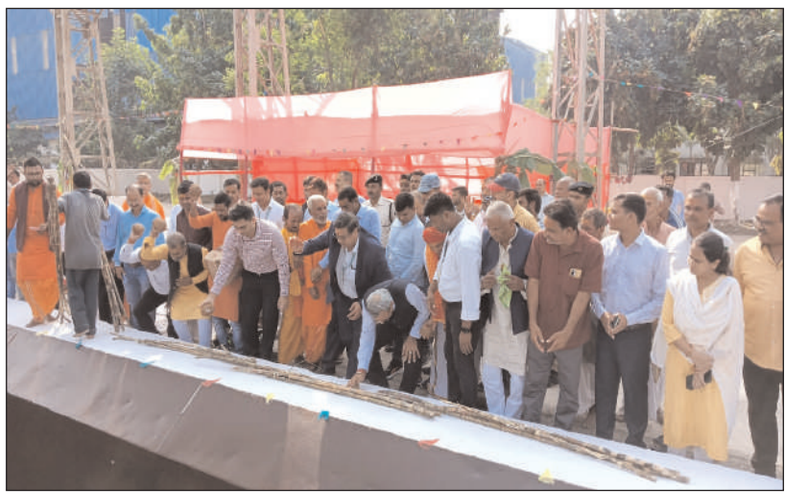

खने का परिचालन नवम्बर माह में प्रारम्भ होने से किसानों में हर्ष का माहौल है। क्योंकि उनको अपना खूंटी गन्ना काटकर मिल में आपूर्ति करने से समय पर खेत खाली होगा। जिसमें आलु, दलहन, तिलहन आदि फसलों की खेती करने का मौका मिलेगा। महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने बताया कि सही तौल और समय पर भुगतान देने की परम्परा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अनवरत जारी रहेगी। साथ ही किसानों से अपील की गई कि अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना की खेती की जाए क्योकि सुगौली क्षेत्र में कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ के कारण किसानों की अन्य फसलें बर्बाद हो जाती है। मौसम के प्रतिकूल तेवर को गन्ना की फसल सह लेती है इसलिए किसानों को अन्य फसलों की खेती करने की जोखिम से बचना चाहिए।

## चीन ने नेपाल के सीमावर्ती नागरिकों के लिए टाइम कार्ड किया अनिवार्य

**काठमांडू।** चीन ने नेपाल की उत्तरी सीमा पर रह रहे कोरला नाका के स्थानीय नागरिकों के लिए सीमावर्ती शहर में जाने के लिए टाइम कार्ड की व्यवस्था लागू की है। इससे पहले नेपाली नागरिकों को तीन दिन से एक हफ्ते तक चीन की सीमा के पास के इलाकों में रहने की छूट दी जाती थी लेकिन अब सिर्फ 6 घंटे रहने की अनुमति दी गई है।

करीब एक वर्ष पहले तामझाम के साथ नेपाल के मुस्तांग जिले में कोरला नाका का उद्घाटन किया गया था। उस समय चीनी पक्ष ने सिन्धुपलचोक जिला के तातापानी नाका के बाद चीन से व्यापार करने के लिए कोरला नाका को खोले जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद यहां से कभी व्यापारिक कार्य नहीं हो पाया, बल्कि चीन ने स्थानीय लोगों के सीमा पार करने को लेकर पाबंदी को और कड़ा कर दिया है। चीनी पक्ष की ओर से टाइम कार्ड लागू किए जाने से स्थानीय लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सशस्त्र प्रहरी सीमा सुरक्षा बल के एसपी मणिकर्ण राई ने कहा कि 1 नवंबर से चीनी प्रशासन ने टाइम कार्ड को अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब चीन के सीमावर्ती शहर में जानेवाले नेपाली नागरिकों को सुबह 9 बजे तक ही प्रवेश की अनुमति है और उन्हें हर हाल में दोपहर 3 बजे तक वापस सीमा पार करना होता है।

मुस्तांग के कोरला नाका पर रहे नेपाली कस्टम विभाग के अधिकारी शोभकांत पौडेल ने कहा कि मुस्तांग जिले के सीमावर्ती नेपाली नागरिकों का व्यापार चीन के शहर पर ही आश्रित रहता है। ऐसे में सिर्फ 6 घंटे के लिए अनुमति देने से लोगों का काम पूरा नहीं हो पाता है। एक ही काम के

लिए नेपाली नागरिकों को बार-बार सीमा पार जाना पड़ता है, जिस पर भी चीनी अधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ता है। लोमानतांग इलाका प्रशासन कार्यालय के प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत जीवन पौडेल ने कहा कि टाइम कार्ड होने के बावजूद नेपाली नागरिकों की सीमा पर कड़ी जांच की जाती है। पौडेल के मुताबिक यदि किसी व्यक्ति के मोबाइल में दलाई लामा की फोटो मिल जाए या कोई व्यक्ति दलाई लामा की तस्वीर वाली लॉकेट पहना मिल जाता है तो उसका टाइम कार्ड छीन लिया जाता है और आगे से चीन के प्रवेश पर प्रतिबंध भी लगा दिया जाता है।

## सहारा भुगतान को भाकपा माले के साथ हो लिया विश्व भारती जन सेवा संस्थान

- सहारा निवेशकों के भुगतान का मामला संसद में उठाने के लिए जताया आभार

विश्व भारती जनसेवा संस्थान ने सहारा पीड़ित की आवाज संसद में उठाने वाले भाकपा माले को खुलकर अपना समर्थन दिया है। भाकपा माले में संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनार्दन मिश्रा, राष्ट्रीय सचिव नागेंद्र कुमार कुशवाहा, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव अशोक कुमार राम, संस्थान के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अमरेश चक्रवर्ती ओर अनेकों लोगों के साथ भाकपा माले ज्वाइन भी किया है।

झारखंड और महाराष्ट्र में हो रहे विधानसभा चुनाव में संस्थान इंडिया गठबंधन को खुलकर मदद करेगा,क्योंकि केंद्रीय सहकारिता मंत्री सहारा से भुगतान करवाने में विफल साबित हुए है 18 महीना से सहारा रिफंड खाते से 5000 करोड़ रुपया लेकर अभी तक भुगतान 1% लोगों का भी नहीं कर पाए हैं। ओर सहारा इंडिया को खुलकर समर्थन कर रहे है,सहारा पर करवाई करने से भी डरते है, संस्थान आज सुप्रीम कोर्ट में लीगल लड़ाई के साथ साथ भाकपा माले की ओर से संसद में भी अपनी बात रखेगा और हर जिले में सरकार के खिलाफ आंदोलन भी करेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष जनार्दन मिश्रा ने सभा में कहा कि इस्बार निरसा विधान सभा से माले प्रत्याशी अरूप चटर्जी को जितवाना है ओर पूरे झारखंड से भाजपा का सफाया कर इंडिया गठबंधन को सत्ता में लाना है।

## कनाडा में हिन्दू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों का हमला, श्रद्धालुओं के साथ मारपीट

**ब्रैम्पटन।** समूची दुनिया में 'मिनी पंजाब' के नाम से मशहूर कनाडा में फिर हिन्दुओं की आस्था पर चोट की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने इस बार ब्रैम्पटन में हिन्दू सभा मंदिर को निशाना बनाया है। इन लोगों ने हिन्दू श्रद्धालुओं के साथ जमकर मारपीट की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हमले की कड़ी निंदा की है।

हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि खालिस्तान समर्थक ब्रैम्पटन के हिन्दू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठन है। यह कनाडा में हिन्दू समुदाय के लिए काम करता है। संगठन ने एक्स पर कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया। ओटावा में भारतीय उच्चायोग का इस घटना पर बयान आया है। उच्चायोग ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और काउंसुलर कैंप के बाहर भारतविरोधी तत्वों का हिंसक व्यवधान बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं। कनाडा के प्रमुख विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने हिन्दू सभा मंदिर पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि

कनाडा हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा। टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कनाडा आज कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। कनाडा के नेता हिन्दुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे।

# डबल इंजन की सरकार छग और मप्र को ले जा रही विकास की राह पर: डॉ. मोहन यादव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के मौके पर सोमवार को आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकारें छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश को तीव्र गति से विकास की राह पर लेकर जा रही है। डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित जनहितैषी योजनाओं और माओवादी आतंक के विरूद्ध संचालित अभियान की सफलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ से माओवाद समाप्ति की ओर है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की साझा संस्कृति है साझा विचार है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, यह सम्मान ऐसे ही हासिल नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ के लोग अपनी सहजता-सरलता के लिए, अपने धान के कटोरे के लिए और अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है। रायपुर से बस्तर तक विकास का नया आयाम स्थापित हुआ है। यहां डबल इंजन की सरकार बहुत तेजी से विकास की राह पर बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ में प्रभु श्रीराम ने अपना बहुत समय गुजारा है। माता शबरी के जूठे बेर खाने वाला प्रसंग भी छत्तीसगढ़ का है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के कारण से हमारा

गौरवशाली अतीत बना है, उसे सहेजने के लिए हमारी सरकार काम करेगी। भगवान श्री कृष्ण की भी जिन जगहों पर लीलाएं हुई हैं वहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का काम हम कर रहे हैं। राज्योत्सव का दीपोत्सव के साथ आयोजन हुआ। इससे इस आयोजन की कीर्ति बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां लाडली बहन योजना है आपके यहां महतारी वंदन योजना है। हम सब तेजी से विकास के पथ पर बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि राज्योत्सव के शुभारंभ के लिए मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आये हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत छत्तीसगढ़ के शहीद वीरनारायण सिंह, वीर गुंडाधुर सहित अन्य शहीदों के नमन से की। देश भर में जनजातीय समुदाय के शौर्य के प्रतीक बिरसा मुंडा का भी उन्होंने स्मरण किया। उन्होंने गुरु बाबा घासीदास, मिनी माता और महाराजा चक्रधर सिंह जैसी विभूतियों को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का पुण्य स्मरण करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता शबरी, मधेश्वर महादेव तपोस्थल में ऋषि अगत्स्य सहित अन्य ऋषियों का भी स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का प्रेम सगे भाईयों की तरह है। दोनों राज्यों का स्थापना दिवस एक ही दिन है। मैं डॉ. मोहन यादव जी को भी स्थापना दिवस की बधाई देता हूँ और मध्यप्रदेश के भी तीव्र विकास की कामना करता हूँ। छत्तीसगढ़ आज 25 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इन 24 सालों की विकास यात्रा आपने देखी है। डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में विकास हुआ। यहां आईआईटी, आईआईएम, एम्स और लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान स्थापित हुए। धान खरीदी और पीडीएस की मजबूत व्यवस्था स्थापित हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार को दस महीने हुए हैं। इतने कम समय में ही हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अधिकांश गारंटी को पूरा कर दिया है। चाहे 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद का वायदा हो या माताओं-बहनों को एक हजार रुपए देने की बात हो, रामलला दर्शन योजना की बात हो, पीएससी परीक्षा की जांच हो। सभी काम दस महीनों में पूरे किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को पूरा करना है।

## बिहार की बेटी ने लहराया परचम, राजस्थान में स्थापित करेगी कानून का राज

- गांव में रहकर की प्राथमिक शिक्षा की पढ़ाई

**पटना/मुजफ्फरपुर,संवाददाता।** संघर्ष पथ पर जो चलता है, वही दुनिया बदलता है,रातों से जंग जो जीतता है, वही सूरज बनकर निकलता है, अनन्या शर्मा ने अपने परिवार के साथ-साथ पूरे मुजफ्फरपुर जिले का नाम रोशन किया है. अनन्या शर्मा जिले के मुशहरी प्रखंड के छपरा मेघ गांव की रहने वाली है. दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट की निगरानी में आयोजित सिविल जज की परीक्षा में अनन्या ने 41वां रैंक प्राप्त की है. उनकी इस सफलता से पूरे घर में खुशी का माहौल है अब वह राजस्थान के जज बन इंसाफ का कलम चलाएंगी. बता दें कि अनन्या के पिता अनिल कुमार गांव में ही 3 दशक से निजी स्कूल चलाते हैं, और मां रंजीला कुमारी मध्य विद्यालय में शिक्षिका हैं. अनन्या अपने माता पिता से बेहद घुली मिली है जब उसका परिणाम आया तब उसने सबसे पहला फोन भी अपने घर अपने माता-पिता को किया. बेटी की सफलता को लेकर पिता ने लोकल 18 को बताया कि अनन्या की प्रारंभिक शिक्षा गांव के निजी विद्यालय में हुई. 12वीं कक्षा की पढ़ाई जिले के एसआरटी स्कूल से पूरी की. 2020 में लॉयड लॉ कॉलेज ग्रेटर नोएडा में 5 वर्ष की लॉ की पढ़ाई की. राजस्थान न्यायिक सेवा में सिविल सिविल जज पद पर सामान्य कोटि से सफलता हासिल की। अनन्या ने लोकल 18 को बताया कि यह मेरा सपना था मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की है. जिसका परिणाम आज मुझे मिला है इसमें मेरे माता-पिता का काफी सहयोग रहा है. उनका साथ मेरी ताकत बनकर हमेशा खड़ा रहा जिसको लेकर आज मैंने यह मुकाम हासिल किया है. मुझे बहुत खुशी है कि मैंने सिविल जज की परीक्षा पास कर ली है अब जज बनकर इंसाफ का सही फैसला करूंगी।

## छठ पर्व: बूढ़ी गंडक नदी के घाटों का निरीक्षण, सुरक्षा और व्यवस्था के निर्देश

**मुजफ्फरपुर/बन्दरा,सम्वाददाता।** बंदरा के सीओ अंकुर राय ने हत्था थाना क्षेत्र के बूढ़ी गंडक नदी के छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों और अधीनस्थ कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुखिया और पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से घाटों की तैयारी कराई जा रही है, और अंचल स्तर से नाविक, गोताखोर और खतरों के प्रति सावधान करने के लिए फ्लेक्स लगाने का कार्य हो रहा है। छठ घाटों पर तैयारी जोरों पर है। सीओ ने बताया कि हमारे स्तर से नाविक, गोताखोर और सरकारी कर्मियों की नियुक्ति घाटों पर की गई है, ताकि छठ पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

# शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर बिकवाली का जोरदार दबाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जबरदस्त दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज बाजार में सपाट स्तर पर मिले-जुले कारोबार की शुरूआत हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का जबरदस्त दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में 1.35 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.35 प्रतिशत और निफ्टी 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, सिप्ला, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और इंडसइंड बैंक के शेयर 2.37 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, बीपीसीएल, सन फार्मास्यूटिकल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 3.96 प्रतिशत से लेकर 2.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,466 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 430 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,036 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 27 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 6 शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 10.98 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 79,713.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार पर पूरी तरह से मंदड़ियों ने अपना दबाव बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक में जोरदार गिरावट आ गई। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करने की कोशिश भी की। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में सुधार नहीं हो सका। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण इस सूचकांक की गिरावट लगातार बढ़ती गई, जिससे थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 79 हजार अंक के स्तर को भी तोड़ते हुए और नीचे गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 1,073.19 अंक की गिरावट के साथ 78,650.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 11.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,315.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का जोरदार दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक में भी बड़ी गिरावट आ गई। खरीदारों द्वारा लिवाली करने की कोशिश होने के बावजूद ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया। चौतरफा बिकवाली के दबाव की वजह से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 24 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर कारोबार करने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद निफ्टी 334.40 अंक की कमजोरी के साथ 23,969.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह शुक्रवार के दिन हुए मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद सेंसेक्स 335.06 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,724.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 99 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,304.35 अंक के स्तर पर स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग का अंत किया था।

## भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा : आईएमएफ

### अमेरिका बना सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक बार फिर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का पहला स्थान बरकरार रखा है और वर्ष 2025 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमानित 29,840 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में चीन, अमेरिका से ठीक पीछे होगा, जिसका अनुमानित जीडीपी 19,790 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों और विभिन्न आर्थिक झटकों के बावजूद चीन ने इस उच्च स्तर को बनाए रखा है। वहीं, जर्मनी की अर्थव्यवस्था कुछ कठिनाइयों से जूझने के बावजूद 4,591 बिलियन डॉलर के अनुमान के साथ तीसरे स्थान पर रहेगी। यह संकेत देता है कि

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में स्थिरता बनाए रखने में जर्मनी ने उल्लेखनीय काम किया है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम 3,685 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ छठे स्थान पर बना रहेगा, जबकि फ्रांस 3,223 बिलियन डॉलर के साथ सातवें स्थान पर रहेगा। ब्राजील और इटली के बीच भी मामूली अंतर है, जिसके चलते ब्राजील आठवें स्थान पर और इटली नौवें स्थान पर आ जाएगा। ब्राजील के जीडीपी का अनुमान 2,438 बिलियन डॉलर और इटली का अनुमान 2,390 बिलियन डॉलर है। कनाडा 2,361 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दसवें स्थान पर रहेगा।

भारत की जीडीपी अगले साल उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंचेगी

रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2025 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अनुमान के मुताबिक, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है। भारत ने तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान से चौथे स्थान पर छलांग लगाई है। यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और सरकार द्वारा आर्थिक सुधारों और विभिन्न योजनाओं के परिणामस्वरूप आई है। जापान जो आर्थिक मंदी का सामना कर रहा है, 4,310 बिलियन डॉलर के अनुमानित जीडीपी के साथ पांचवें स्थान पर होगा।

भारत का भविष्य उज्जवल

आईएमएफ की रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक अस्थिरता और वैश्विक बदलावों के बीच कई देशों ने अपनी स्थिति को बनाए रखने और सुधारने में सफलता प्राप्त की है। विशेष रूप से भारत की आर्थिक प्रगति से यह संकेत मिलता है कि यह देश निकट भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर पहुंच सकता है। जबकि अमेरिका, चीन और जर्मनी जैसी अर्थव्यवस्थाएं अब भी स्थिरता बनाए हुए हैं।

## कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया

### रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो किया लॉन्च और शुभंकर अंगारा का किया अनावरण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी एनसीएल के निगाही क्षेत्र में 50 मेगावाट के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में स्थित यह सौर ऊर्जा संयंत्र अपने पहले वर्ष में औसतन 94 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगा, जिससे सालाना 78,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी।

कोलकाता में आयोजित सीआईएल के 50वें स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो लॉन्च किया। इसके साथ ही उन?होंने शुभंकर अंगारा का अनावरण भी किया। ये लोगो भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ के रूप में सीआईएल की महत्वपूर्ण भूमिका का प्रतीक है, जो नवाचार, प्रगति और स्थिरता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शुभंकर कोयला खनिकों की ताकत और लचीलेपन का प्रतीक है, जो उनके साहस और समर्पण को दशार्ता है। शुभंकर रॉयल बंगाल टाइगर से प्रेरित है।

## भारत फिर चुना गया अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का अध्यक्ष

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत को एक बार फिर भारतीय सौर गठबंधन (आईएसए) का अध्यक्ष चुन लिया गया है। वह 2024 से 2026 तक के यह दायित्व संभालेगा। आईएसए की सातवीं आमसभा के मौके पर जोशी ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फ्रांस को एक बार फिर आईएसए का उपाध्यक्ष चुना गया है।

जोशी ने कहा कि भारत का अध्यक्ष पद पर दोबारा चुना जाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत की तरफ से दुनियाभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रभावशाली प्रयासों का प्रमाण है। भारत ने मिनी-ग्रिड एवं स्वास्थ्य देखभाल समाधान जैसी जरूरी सौर परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने के लिए भी असरदार कदम उठाए हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थायी समिति ने भारत को अध्यक्ष चुनने के साथ आठ उपाध्यक्ष भी चुने हैं। दुनिया के चार भौगोलिक क्षेत्रों में दो-दो उपाध्यक्षों का चुनाव किया गया है।

अफ्रीकी क्षेत्र से घाना एवं सेशेल्स, एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र से ऑस्ट्रेलिया एवं श्रीलंका, यूरोप एवं अन्य क्षेत्र से जर्मनी एवं इटली और लातिनी अमेरिका एवं कैरेबियाई क्षेत्र से ग्रेनेडा एवं सूरीनाम को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएसए के सदस्य देशों ने गठबंधन के तीसरे महानिदेशक का भी चयन किया है। इस पद पर आशीष खन्ना को महानिदेशक नामित किया गया है। वह मौजूदा महानिदेशक अजय माथुर का कार्यकाल समाप्त होने पर मार्च, 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। आईएसए ने 2020 में अल्प-विकसित देशों (एलडीसी) और लघु द्वीप विकास राज्यों (एसआईडीएस) की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदर्शन परियोजनाएं शुरू की थीं। इसका उद्देश्य सौर प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का प्रदर्शन था, जिन्हें बढ़ाया जा सके और सदस्य देशों में इन सौर ऊर्जा संचालित समाधान के लिए क्षमता तैयार की जा सके।

## वैश्विक सौर निवेश इस वर्ष 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा: प्रल्हाद जोशी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक सौर निवेश इस साल 500 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2023 में 393 अरब डॉलर था।

उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में यह कोयले तथा गैस से भी अधिक किफायती ऊर्जा स्रोत है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जोशी ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की 7वीं आम सभा के उद्घाटन सत्र में कहा कि इन निवेशों से न केवल नई क्षमता जुड़ रही है, बल्कि दुनिया भर में सौर ऊर्जा की लागत भी कम हो रही है।

जोशी के आईएसए के अध्यक्ष भी हैं।

उन्होंने कहा, 'यह तीव्र वृद्धि रिकॉर्ड-तोड़ निवेशों से प्रेरित है। वैश्विक सौर निवेश 2018 में 144 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023 में 393 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है और

2024 के अंत तक इसके 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।'

उन्होंने कहा कि आज सौर ऊर्जा कई क्षेत्रों में कोयले और गैस से आगे निकलकर बिजली का सबसे किफायती स्रोत बन गई है।

मंत्री ने बताया कि आईएसए 'टुवार्ड्स 1000' (1000 की ओर) रणनीति से आगे बढ़ रहा है जिसका लक्ष्य 2030 तक सौर ऊर्जा समाधानों में 1,000 अरब डॉलर का निवेश जुटाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के शासन में भारत ने महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किए हैं और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले महीने 90 गीगावाट की स्थापित सौर क्षमता हासिल कर ली और 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के अपने व्यापक लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जोशी ने कहा कि भारत नए क्षितिज पर भी अपनी नजरें स्थापित कर रहा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है, जिसे 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समर्थन मिलेगा।

उन्होंने कहा, 'हमने करीब 37.5 गीगावाट की कुल क्षमता वाले 50 सौर पार्क को मंजूरी दी है। 2030 तक 30 गीगावाट के अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए संभावित अपतटीय पवन ऊर्जा स्थलों की पहचान की है।'

मंत्री ने कहा, 'भारत का 2024-25 का केंद्रीय बजट इस प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिसमें सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण में 110 प्रतिशत की वृद्धि और पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलों के लिए लक्षित समर्थन शामिल है।'

उन्होंने साथ ही कहा कि 120 सदस्य तथा हस्ताक्षरकर्ता देशों के गठबंधन के रूप में आईएसए दुनिया भर में, खासकर कम विकसित देशों तथा छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों में संसाधन जुटाने और सौर परियोजनाओं की स्थापना में सुविधा प्रदान करने में सबसे आगे रहा है।

## सोना-चांदी में तेजी जारी रहने का अनुमान, अगली दिवाली तक मिल सकता है शानदार रिटर्न

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जियो पॉलिटिकल टेंशन और ग्लोबल इकोनॉमी में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण गोल्ड मार्केट में लगातार तेजी बनी हुई है।दिवाली को आमतौर पर हिंदू कारोबारी कैलेंडर की शुरूआत माना जाता है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक सोने की कीमत में करीब 31 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। माना जा रहा है कि अगले साल यानी 2025 की दिवाली तक सोने की कीमत में 18 से 22 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। इसी तरह चांदी की कीमत भी 30 प्रतिशत तक उछल सकती है।

सोने की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह जियो पॉलिटिकल टेंशन को माना जा रहा है। इसके साथ ही कई देशों के केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कमी करने, ग्लोबल इकॉनमी में उतार-चढ़ाव होने और दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट में गिरावट

आने के कारण भी वैश्विक स्तर पर सोने को सपोर्ट मिला है।जानकारों का कहना है कि सोना और चांदी को परंपरागत रूप से इन्वेस्टमेंट का सेफ इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। इसीलिए कभी भी तनाव होने या वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होने पर सोने में निवेश बढ़ जाता है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली के बीच भी दुनिया भर में तनाव की स्थिति बनी रही।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के अलावा इजरायल और हमास तथा हिज्बुल्लाह के बीच शुरू हुए संघर्ष ने जियो पोलिटिकल टेंशन को काफी बढ़ा दिया। अब इस जंग में ईरान के भी शामिल हो जाने की वजह से तनाव और बढ़ गया है, जिसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी दौरान दुनिया के कई देशों ने ब्याज दरों में कटौती भी की है, जिससे मार्केट की लिक्विडिटी पहले की तुलना में बढ़ गई है। यही वजह है कि निवेशक सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोना और चांदी में जमकर निवेश कर रहे हैं।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहता है कि 2023 की दिवाली से लेकर 2024 की दिवाली के दौरान सोने ने निवेशकों को शेयर मार्केट के एवरेज रिटर्न से ज्यादा रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक शेयर बाजार का रिटर्न 24.92 प्रतिशत रहा है, जबकि सोने के मामले में रिटर्न 31.69 प्रतिशत रहा है। ये ट्रेंड 2025 की दिवाली तक जारी रह सकता है, क्योंकि सोने के लिए आउटलुक लगातार पॉजिटिव बना हुआ है।

ऐसी स्थिति में मार्केट एक्सपर्ट्स सोने की कीमत में कम से कम 10 प्रतिशत तक की तेजी का अनुमान लगा रहे हैं। इसके साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि अगर केंद्र सरकार द्वारा सोने की इंपोर्ट ड्यूटी में की गई कटौती का असर बना रहा, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार से इसकी लिवाली और बढ़ेगी, जिसके कारण सोने की कीमत 15 से 18 प्रतिशत तक भी तेज हो सकती है। इसके अलावा अगर भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसंबर में या फिर फरवरी में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया, तो इससे भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिलेगा। सोने की तरह ही चांदी में भी लगातार तेजी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है।

जुनेजा सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ विकास जुनेजा का कहना है कि पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली के बीच चांदी की कीमत में लगभग 40 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के तौर पर चांदी को भी निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया है। इसके साथ ही इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की मांग बढ़ जाने के कारण भी इसकी कीमत को सपोर्ट मिला है। विकास जुनेजा का कहना है कि अगर वैश्विक हालात में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ और इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की मांग बनी रही तो अगली दिवाली तक इसकी कीमत में 30 प्रतिशत तक की तेजी देखी जा सकती है।

हालांकि, मयंक मोहन और विकास जुनेजा दोनों एक्सपर्ट्स का ये भी कहना है कि सोना और चांदी की कीमत के बारे में जो भी अनुमान लगाया जा रहा है, वो मौजूदा वैश्विक और घरेलू परिस्थितियों के आधार पर लगाया जा रहा है। वैश्विक या घरेलू माहौल में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन हर अनुमान को ध्वस्त कर सकता है। इसलिए निवेशकों को खासकर छोटे और खुदरा निवेशकों को बाजार में पैसा लगाने के पहले हर स्थिति का ठीक से अध्ययन जरूर करना चाहिए। इसके साथ ही अपने निवेश सलाहकार से भी विचार विमर्श करने के बाद ही निवेशकों को अपनी निवेश योजना को अंतिम रूप देना चाहिए।

## एक नजर

### कोल इंडिया को आयात घटाने को कोयला उत्पादन, आपूर्ति बढ़ाने को प्राथमिकता देनी चाहिए: मंत्री

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) को आयात कम करने के लिए कोयला उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। कोल इंडिया लिमिटेड घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। सीआईएल के 50वें स्थापना दिवस पर रविवार को मंत्री ने खनिकों के कल्याण और खदान बंद होने से प्रभावित समुदायों के पुनर्वास की जरूरत पर जोर दिया। कोयला मंत्रालय ने बयान में उनके हवाले से कहा, 'कोल इंडिया के उत्पादन में संविदा कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और मैं उनके लिए प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन को लागू करने के प्रबंधन के फैसले की सराहना करता हूं। यह वित्त वर्ष 2023-24 से प्रभावी होगा।' उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक कोयला खनन की शुरूआत से पारदर्शिता, कारोबारी सुगमता और निवेश के अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कोल इंडिया पर भरोसा जताते हुए कहा कि कंपनी के पास मौजूदा खुले बाजार परिदृश्य में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता और प्रतिबद्धता है। कोयला मंत्री ने बताया कि आने वाले दशकों में कोयला देश के ऊर्जा परिदृश्य का एक अहम हिस्सा बना रहेगा, लेकिन भारत नवीकरणीय ऊर्जा में भी भारी निवेश कर रहा है। उन्होंने सीआईएल के विविधीकरण प्रयासों की सराहना की, जिसमें एक ताप बिजली संयंत्र की स्थापना और महत्वपूर्ण खनिज अधिग्रहण शामिल है। कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि सीआईएल आयातित कोयले की तुलना में प्रतिस्पर्धी दरों पर भारतीय उपभोक्ताओं को कोयला उपलब्ध कराती है।

### एनटीपीसी और ओएनजीसी ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए मिलाया हाथ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बिजली क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनटीपीसी और तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओएनजीसी ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए हाथ मिलाया है। एनटीपीसी ने बयान में कहा, दोनों कंपनियां अपनी-अपनी अनुषंगी कंपनियों के जरिये एक संयुक्त उद्यम बनाएंगी। बयान में कहा गया, 'एनटीपीसी तथा ओएनजीसी ने नवीकरणीय व नवीन ऊर्जा क्षेत्र में अपनी रुचि को और बढ़ावा देने के लिए अपनी हरित ऊर्जा अनुषंगी कंपनियों (एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड) के जरिये एक संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) बनाने के लिए सहयोग किया है।' इसमें कहा गया, एनजीईएल ने ओजीएल के साथ 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को एक आवेदन भी प्रस्तुत किया है। यह संयुक्त उद्यम विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) और नई ऊर्जा अवसरों पर आधारितह होगा जिसमें सौर, पवन, ऊर्जा भंडारण, ई-परिवहन, कार्बन क्रेडिट और हरित क्रेडिट शामिल हैं। अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के अवसरों की तलाश करेगा। तमिलनाडु तथा गुजरात में आगामी अपतटीय पवन निविदाओं में भागीदारी पर भी विचार करेगा।

### सरकार ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये नियुक्ति मौजूदा डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के स्थान पर होगी, जिनका विस्तारित कार्यकाल 14 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचना के मुताबिक आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का ये पद अर्थशास्त्रियों के लिए है। वित?त मंत्रालय के मुताबिक चयनित उम्मीदवार मौद्रिक नीति विभाग की देख-रेख करेगा और दर निर्धारण समिति ह्यमौद्रिक नीति समितिह्ल का सदस्य भी होगा। उम्मीदवारों की आयु 15 जनवरी, 2025 को 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए है तथा व्यक्ति पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा। इस पद के लिए मासिक वेतन 2.25 लाख रुपये (स्तर-17) होगा। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। रिजर्व बैंक में चार डिप्टी गवर्नर के पद होते हैं। मौद्रिक नीति विभाग की देखरेख के लिए एक अर्थशास्त्री, एक वाणिज्यिक बैंकर तथा दो बैंक से लिए जाते हैं।

### मारुति का अक्टूबर में यात्री कार उत्पादन 16 प्रतिशत घटा, यूटिलिटी वाहनों का 33 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अक्टूबर में अपने यात्री कार उत्पादन में 16 प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33 प्रतिशत बढ़ा है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले महीने उसका यात्री कारों का उत्पादन 89,174 इकाई रहा जो अक्टूबर, 2023 के 1,06,190 इकाई के आंकड़े से 16 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, ब्रेजा, एर्टिगा, फ्रोंक्स, जिम्नी, एक्सएल6 और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति किए जाने वाले यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33.18 प्रतिशत बढ़कर 72,339 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 54,316 इकाई था। ऑल्टो तथा एस-प्रेसो सहित छोटी कारों का उत्पादन पिछले महीने घटकर 12,787 इकाई रह गया, जबकि अक्टूबर, 2023 में यह 14,073 इकाई था। इसी तरह कॉम्पैक्ट कार बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, वैगनआर और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति की जाने वाली कारों का उत्पादन पिछले साल के इसी महीने के 90,783 इकाई के आंकड़े से घटकर 75,007 इकाई रह गया। कंपनी ने बताया कि मध्यम आकार की सेडान सियाज का उत्पादन पिछले महीने मामूली रूप से बढ़कर 1,380 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,334 इकाई था। यात्री वाहनों का कुल उत्पादन अक्टूबर, 2023 में 1,73,230 इकाइयों की तुलना में मामूली रूप से बढ़कर 1,73,662 इकाई रहा। कंपनी ने कहा कि यात्री वाहनों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल वाहन उत्पादन पिछले महीने बढ़कर 1,77,312 इकाई हो गया, जो अक्टूबर, 2023 में 1,76,437 इकाई था।

### रुपया एक पैसे बढ़कर 84.06 प्रति डॉलर पर

**मुंबई, एजेंसी।** विदेशी पूंजी की सतत निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में महज एक पैसे की बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर स्थानीय इकाई पर दबाव बना रहा है जिससे दिन में रुपया के सीमित दायरे में कारोबार करने का अनुमान है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी स्थानीय इकाई को प्रभावित किया जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किसी भी हस्तक्षेप से स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.07 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद यह 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था।

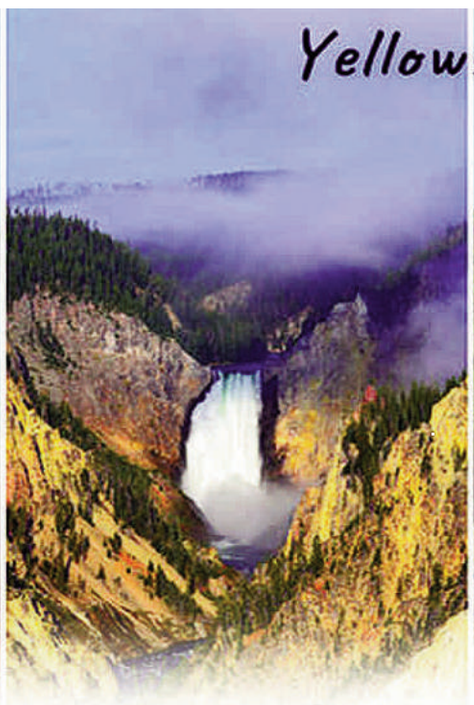

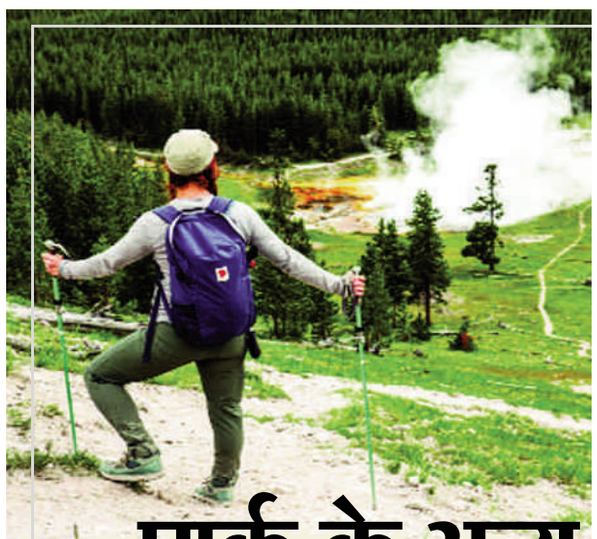

# पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

# पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

## ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाऐ लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

## कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिचता गया। खिचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

## येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

## ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

## मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

## ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

## येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

## प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

# प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

## मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

## मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है कैनियन 20 मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 1000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

# नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छठा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

## ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

## पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटेर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

# रोहित, विराट, जडेजा और अश्विन के खिलाफ एक्शन के मूड में बीसीसीआई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को 3-0 से शर्मनाक शिकस्त मिली है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने खुद ही हार की जिम्मेदारी ली है. मगर इस हार ने रोहित की कप्तानी, उनकी बल्लेबाजी, विराट कोहली समेत सीनियर खिलाड़ियों पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है. अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी इन सीनियर खिलाड़ियों के खिलाफ एक्शन लेने के मूड में दिख रहा है.

न्यूजीलैंड से हारने के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की पॉइंट्स टेबल में भी टॉप पोजिशन से नीचे फिसल गई है. साथ ही फाइनल में जाने की राह भी बेहद मुश्किल हो गई है. अब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है, जहां 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. यह ऑस्ट्रेलियाई सीरीज कप्तान रोहित, कोहली, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के लिए आखिरी हो सकती है. रिपोर्ट में यह दावा किया है. कप्तान रोहित ने न्यूजीलैंड से तीसरा टेस्ट हारने के बाद भविष्य को लेकर कहा, फिलहाल मैं ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहा हूं. रोहित ने आगे कहा, काफी जरूरी है कि हम अगली सीरीज पर फोकस करें जो ऑस्ट्रेलिया है. हमें ऑस्ट्रेलिया सीरीज से हटकर कुछ और नहीं सोचने वाला हूं. मेरे लिए फिलहाल वही सीरीज जरूरी है. हम उसपर ही पूरा फोकस करेंगे.

**चारों सीनियर्स ने अपना घरेलू टेस्ट खेल लिया!**

एक सीनियर सूत्र ने कहा, निश्चित रूप से जायजा लिया जाएगा. भारतीय टीम 10 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना होगी. यह एक बहुत बड़ी हार (न्यूजीलैंड सीरीज) है. ऑस्ट्रेलिया सीरीज बेहद करीब है और टीम का ऐलान पहले ही हो गया है. ऐसे में अब कोई बदलाव नहीं होगा. उन्होंने आगे कहा, यदि इंग्लैंड में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम क्वालिफाई नहीं कर सकी तो एक बात साफ रहेगी कि चारों सीनियर खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे के लिए सेलेक्ट नहीं किए जाएंगे. मामला कुछ भी हो, संभावना है कि सभी चारों ने अपना घरेलू टेस्ट खेल लिया है.

**2011 की तरह ही इस बार भी हो सकता है**

2011 के बाद भी ऐसा ही हुआ था जब सीनियर खिलाड़ियों की टीम से छुट्टी कर दी गई थी. तब टीम में युवा खिलाड़ियों की एंट्री हुई थी. ऐसे में इस बार भी कुछ ऐसा ही प्लान बन सकता है. हालांकि इसके लिए चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और गौतम गंभीर को इस मुद्दे पर बातचीत करनी होगी.

भारतीय टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 4-0 से जीत हासिल करनी होगी. अगर टीम इस दौरान एक भी मैच गंवाती है तो टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर हो सकती है. भारत अगर इस साइकिल के लिए क्वालीफाई नहीं करता है तो अगले साइकिल की शुरुआत अगले साल 20 जून से इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ होगी. ऐसे में सेलेक्शन कमिटी को उन खिलाड़ियों को चुनना होगा जो टीम की नींव तैयार कर सकें.

# केएल राहुल, ध्रुव जुरेल टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया में इंडिया ए से जुड़ेंगे

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से सीरीज गंवा दी। अब उसे ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 5 टेस्ट मैच खेलने हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के उद्देश्य से भारत के लिए यह सीरीज बहुत महत्वपूर्ण है। यदि वह सीरीज का एक भी मैच गंवा देती है तो उसका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना चकनाचूर हो जाएगा।

इसी कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। इसके लिए वह कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। इसी के मद्देनजर उसने केएल राहुल और ध्रुव जुरेल को ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला किया है। केएल राहुल और ध्रुव जुरेल 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले कुछ मैच प्रैक्टिस करने को इंडिया ए टीम में शामिल होने के लिए जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे। बीसीसीआई की वरिष्ठ चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ गुरुवार से मेलबर्न में शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले इन दोनों को मंगलवार सुबह तक भेजने का फैसला किया है।

भारतीय टीम दो बैचों में ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरने वाली है। पता चला है कि टीम प्रबंधन और चयन समिति ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने ज्यादा नहीं खेला है।

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहला टेस्ट खेला, लेकिन उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। श्रृंखला में ध्रुव जुरेल की एकमात्र भागीदारी एक स्थानापन्न विकेटकीपर के रूप में थी जब ऋषभ पंत के घुटने में चोट लगी थी। भारतीय टीम पर्थ के पुराने टेस्ट स्थल डब्ल्यूएसीए में ट्रेनिंग करेगी, जबकि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाएगा।

## सार समाचार

### ब्रिज ओलंपियाड:

### भारत की सीनियर ब्रिज टीम का शानदार प्रदर्शन, ओलंपियाड में रजत पदक जीता

**ब्यूनस आयर्स, एजेंसी।** भारतीय टीम ने 96 बोर्ड के फाइनल में शुरू में अमेरिका की टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की। अमेरिका की टीम ने हालांकि दो दिन तक चल फाइनल में आखिर तक अपनी लय बनाए रखी।

अपने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की सीनियर टीम को 16वें विश्व ब्रिज ओलंपियाड के फाइनल में अमेरिका से 165-258 से हारने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में कमल मुखर्जी, विभास टोडी, बादल दास, प्रणब बर्धन, अरुण बापट, रवि गोयनका और गैर खिलाड़ी कप्तान गिरीश बिजूर शामिल थे। भारतीय टीम ने 96 बोर्ड के फाइनल में शुरू में अमेरिका की टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की। अमेरिका की टीम ने हालांकि दो दिन तक चल फाइनल में आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। इस बीच इसी प्रतियोगिता के साथ खेली गई युगल स्पर्धा में संजीत डे और बिनोद साव की युवा भारतीय जोड़ी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

### गोल्फ

## दीक्षा डागर संयुक्त 29वें स्थान पर रहीं

### हुल ने जीता खिताब

**रियाद, एजेंसी।** भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर रविवार को यहां अरामको टीम सीरीज में संयुक्त 29वें स्थान पर रहीं जबकि चार्ले हुल ने अंतिम दौर में 66 के कार्ड से खिताब अपने नाम किया। दीक्षा ने अंतिम दौर में हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर तीन अंडर 69 बनाया जिससे वह टूर्नामेंट में संयुक्त 29वें स्थान पर रही जबकि प्रणवी उर्स (76) संयुक्त44वें स्थान पर खिसक गईं। दीक्षा ने अंतिम दौर में चार बर्डी और एक बोगी जबकि प्रणवी ने एक बर्डी लगाई और पांच बोगी कर बैठी।

# वेस्टइंडीज का ये बल्लेबाज तो रुकने का नाम नहीं ले रहा, हर मैच में ठोक रहा शतक

**नईदिल्ली, एजेंसी।** वेस्टइंडीज की टीम अभी इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है. 3 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. लेकिन, इस बीच वेस्टइंडीज का एक बल्लेबाज अपने अलग ही कारनामें को लेकर सुर्खियां बटोर रहा है. वो धड़ाधड़ शतक ठोक रहा है. रुकने का नाम नहीं ले रहा. जो भी वनडे मुकाबला खेलने उतर रहा है, उसमें सेंचुरी जड़ दे रहा है. कम से कम पिछले 5 दिनों में तो यही दिखा है. इस दौरान 30 साल के कैरेबियाई क्रिकेटर जस्टिन ग्रीव्स ने मैच दर मैच शतक पर शतक ठोककर अब एक नया रिकॉर्ड सेट किया है.

### जस्टिन ग्रीव्स का लगातार तीसरा लिस्ट ए शतक

जस्टिन ग्रीव्स का कारनामा वेस्टइंडीज के घरेलू वनडे टूर्नामेंट सुपर 50 कप में देखने को मिला है. उन्होंने तीसरा लगातार शतक 3 नवंबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो रेड फोर्स टीम के खिलाफ खेले मुकाबले में जड़ा. जस्टिन इस टूर्नामेंट में लीवार्ड आईलैंड हरिकेन टीम का हिस्सा हैं. त्रिनिदाद एंड टोबैगो रेड फोर्स के खिलाफ 3 नवंबर को खेले मैच में उन्होंने 129 गेंदों पर 151 रन ठोके जिसमें 13 चौके शामिल रहे. इस शतक की बदौलत उनकी टीम को मैच में 7 विकेट से जीत मिली. सुपर 50 कप में जस्टिन ग्रीव्स के शतक लगाने का सिलसिला 30 अक्टूबर को वेस्टइंडीज एकेडमी के खिलाफ मुकाबले से शुरू हुआ था. इस मैच में उन्होंने 117 गेंदों पर 9 चौके और 1 छक्के की मदद से 111 रन बनाए थे.

### डब्ल्यूटीए फाईनल्स:

### कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल में पेगुला को हराया, स्वियातेक की संघर्षपूर्ण जीत

**रियाद, एजेंसी।** इस टूर्नामेंट में विश्व की चोटी की आठ खिलाड़ी भाग ले रही हैं। नए कोच के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची स्वियातेक ने सितंबर में अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पेगुला से सीधे सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला था।

अमेरिका की कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में हम वतन जेसिका पेगुला को 6-3, 6-2 से हराकर साल के इस अंतिम टेनिस टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने अपने पहले मैच में बारबोरा क्रेजिसिकोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। यह उनकी पिछले दो महीने में पहली जीत है। इस टूर्नामेंट में विश्व की चोटी की आठ खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

### ला लिगा:

## बार्सिलोना की एक और जीत, रियाल मैड्रिड पर नौ अंक की बढ़त बनाई

**मैड्रिड, एजेंसी।** बार्सिलोना अब मैड्रिड से नौ अंक आगे हो गया है, जिसका वालेंसिया में शनिवार को होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था। बाढ़ के कारण विलारियाल और रेयो

वैलेकैनो के बीच होने वाला मैच भी स्थगित कर दिया गया।

दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने एस्पेनयोल पर 3-1 से जीत दर्ज करके स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के वर्तमान सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखा। एक सप्ताह पहले सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में रियाल मैड्रिड को 4-0 से हराने वाले बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा ने भी गोल किया। बार्सिलोना अब मैड्रिड से नौ अंक आगे हो गया है, जिसका वालेंसिया में शनिवार को होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था। बाढ़ के कारण विलारियाल और रेयो वैलेकैनो के बीच होने वाला मैच भी स्थगित कर दिया गया। दक्षिणी स्पेन में बाढ़ के कारण अभी तक 200 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस क्षेत्र में होने वाले सेकंड डिवीजन के तीन मैचों को भी स्थगित कर दिया गया है।

बार्सिलोना ने इस जीत से एस्पेनयोल के खिलाफ अपना अजेय अभियान 27 में तक बढ़ा दिया है। लीग तालिका में 17वें स्थान पर मौजूद एस्पेनयोल अपने पिछले सात लीग मैचों में से छह हार चुका है। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड के कोच डिएगो शिमोन के बेटे गिउलिआनो शिमोन ने लास पालमास के खिलाफ टीम की 2-0 की जीत में क्लब के लिए अपना पहला गोल किया। अन्य मैचों में एथलेटिक बिलबाओ ने रियाल बेटिस के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला, जबकि 10वें स्थान पर चल रहे रियाल सोसिदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

# ऋद्धिमान साहा ने किया संन्यास का ऐलान

- 14 हजार से ज्यादा रन वाले भारतीय खिलाड़ी
- वानखेड़े में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच

**नईदिल्ली, एजेंसी।** वानखेड़े में रविवार को भारतीय टीम का न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप कर दिया। 3 साल पहले 2021 में जब कीवी टीम भारत दौरे पर आई थी तब इसी मैदान पर मेजबान टीम 372 रन से जीती थी। इस मैच में भारत के लिए विकेटकीपिंग आखिरी बार विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले ऋद्धिमान साहा ने रविवार को क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि वह इस रणजी ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे।

फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 में कुल मिलाकर 14 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले साहा ने ट्विटर पर पोस्ट करके कहा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए बंगाल का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर मैं गौरवान्वित हूं। इस सीजन को यादगार बनाएं!

**आईपीएल 2008 से 2024 तक हर सीजन में खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल**

विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 9 वनडे मैच खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस जैसी फ्रेंचाइजी के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में 170 मैच भी खेले हैं। वह उन 7 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने आईपीएल 2008 से 2024 तक हर सीजन में खेले। इन 7 में से 2 और खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं। महेंद्र सिंह धोनी,विराट कोहली,रोहित शर्मा और मनीष पांडे 2025 में भी खेलते दिखेंगे। दिनेश कार्तिक और शिखर धवन ने संन्यास ले लिया है। अब ऋद्धिमान साहा ने भी संन्यास का ऐलान कर दिया है। ध्यान रहे कि साहा की पिछली फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस ने उन्हें 2025 सीजन के लिए रिटेन नहीं करने का फैसला किया था। मोहम्मद शमी, डेविड मिलर, आर साई किशोर और मैथ्यू वेड जैसे अन्य बड़े नामों के साथ खिलाड़ी को भी रिलीज कर दिया था।

**त्रिपुरा के लिए भी खेले ऋद्धिमान साहा**

साहा ने 2007 से 2022 तक बंगाल का प्रतिनिधित्व किया और फिर 2 साल के लिए त्रिपुरा के लिए खेले। बंगाल क्रिकेट संघ के एक अधिकारी के साथ मतभेद के बाद साहा पर आरोप लगा था कि वह रणजी मैच न खेलने के लिए बहाने बना रहे हैं। इस साल अगस्त में उनकी बंगाल टीम में वापस हुई थी।

# विक्की कौशल ने एंग्जायटी से निपटने के बारे में की खुलकर

अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी फिल्मों से बॉलीवुड में काफी नाम कमाया है। अभिनेता की गिनती आज बॉलीवुड के टॉप कलाकारों की लिस्ट में होती है। हालांकि, विक्की आज जिस मुकाम पर हैं, उसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि करियर में हर तरह का फेज फेस करने के बाद उन्होंने एंग्जायटी से कैसे डील की है।

### एंग्जायटी से ऐसे डील करते हैं विक्की

हार्पर बाजार के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, विक्की ने साझा किया, चिंता के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि इसे स्वीकार किया जाए। उन्होंने एक वरिष्ठ अभिनेता से मिली सलाह को याद करते हुए कहा, एक वरिष्ठ अभिनेता ने एक बार मुझसे कहा था कि चिंता को अपना दोस्त बनाओ। यह हमेशा रहेगी; आपको बस इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। इसे स्वीकार करना एक बेहतरीन पहला कदम है।

### सलाह को मानकर करते हैं डील

विक्की ने क्रिएटिविटी से जुड़े रहने के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में वे चिंता में फंसने के बजाय अपनी क्रिएटिविटी पर ध्यान केंद्रित करके आगे बढ़ते हैं। इस समय वे खुद को निर्देशन की दुनिया की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं फिल्म निर्माण को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हूं। मुझे अभी तक यकीन नहीं है कि मैं निर्देशन में कदम रखूंगा या नहीं, लेकिन मैं बहुत ही उत्सुक हूं।

### बॉक्स ऑफिस पर असफल रही बैड न्यूज

विक्की को आखिरी बार आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित बैड न्यूज में देखा गया था। इस रोमांटिक कॉमेडी में तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी थे। यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया पाने में विफल रही।

### इस फिल्म में आएंगे नजर

अभिनेता अगली बार छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म दिसंबर में रिलीज होने वाली है।

# कृति सेनन के बाद मीना कुमारी के किरदार में ढलने को तैयार कियारा आडवाणी?

प्रशंसकों को एक दिलचस्प कहानी देखने को मिलने वाली है क्योंकि निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म कमाल और मीना में फिल्म निर्माता कमाल अमरोही और अभिनेत्री मीना कुमारी की दिलचस्प प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म 2026 में रिलीज के लिए निर्धारित है, जबकि कलाकारों का विवरण गुप्त रखा गया है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मीना कुमारी की भूमिका के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी को चुना गया है।

### पोस्ट ने बढ़ाई अटकलें

रेडिट उपयोगकर्ता ने इंस्टाग्राम पर यूडली फिल्म्स द्वारा पोस्ट की गई फिल्म कमाल और मीना के वीडियो घोषणा का स्क्रीनशॉट साझा किया। पोस्ट को अभिनेत्री द्वारा लाइक किए जाने के बाद कियारा आडवाणी के मीना कुमारी की भूमिका निभाने की अटकलें तेज हो गईं। इतना ही नहीं बल्कि ईगल-आइड फैन ने यह भी देखा कि सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने हाल ही में शेरशाह अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने उनकी पोस्ट पर टिप्पणियां भी कीं, जिससे इन अफवाहों को और हवा मिली।

### कियारा आडवाणी निभाएंगी मीना कुमारी का किरदार?

स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, हालांकि अभी भी यह कहना जल्दबाजी होगी लेकिन मीना कुमारी की बायोपिक के निर्देशक ने हाल ही में कियारा को फॉलो करना शुरू कर दिया है और अब भी उनकी पिछली तीन-चार पोस्ट पर कमेंट करना जारी रखा है। कियारा एकमात्र ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो पसंद आया।

### घोषणा ने बढ़ाया उत्साह

फिल्म की घोषणा करते हुए फिल्म निर्माता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट लिखा। उनके नोट के एक हिस्से में लिखा था, कमाल और मीना- एक सिनेमाई अनुभव जो हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित प्रेम कहानियों में से एक होने का वादा करते हैं। कमाल और मीना महान निर्देशक और पटकथा लेखक कमाल अमरोही और प्रसिद्ध अभिनेत्री मीना कुमारी के बीच वास्तविक जीवन के रोमांस को जीवंत करेगी।

मनीष मल्होत्रा बनाएंगे मीना कुमारी की बायोपिक

पोस्ट में आगे लिखा है, कमाल साहब और मीना जी के बीच आदान-प्रदान किए गए 500 से अधिक हस्तलिखित पत्रों के साथ-साथ उनके जीवन का विवरण देने वाली व्यक्तिगत पत्रिकाओं तक पहुंच के साथ, इस कहानी को बताने में हमारे पास जो अंतर्दृष्टि और शोध है वह अमूल्य है। इस अविश्वसनीय सच्ची कहानी को निर्देशित करना एक बड़ा सौभाग्य है, हालांकि जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। दूसरी ओर, फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी मीना कुमारी के जीवन पर केंद्रित एक बायोपिक की घोषणा की है, जिसमें अभिनेत्री कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट ने बताया कि अज्ञात कारणों से फिल्म में देरी हुई थी। फिल्म के 2025 की शुरुआत में फ्लोर पर जाने की संभावना है।

# भूल भुलैया 3 में कैमियो के सवाल पर बोले कार्तिक

कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह भी देखा जा रहा है। कार्तिक भी अपनी फिल्म के प्रमोशन में जोर-शोर से जुटे हुए हैं। इस बीच उनसे एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या वो भविष्य में किसी और अभिनेता को फिल्म की स्टारकास्ट में जुड़ते हुए देखना चाहेंगे। इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने साफ कहा कि उनकी फिल्म को किसी तरह के दिखावे या कैमियो की जरूरत नहीं है।

### कहानी और फिल्म में है विश्वास

जूम से बातचीत के दौरान विद्या बालन और कार्तिक आर्यन से फिल्म की स्टारकास्ट में किसी और सितारे के जुड़ने को लेकर पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए कार्तिक आर्यन ने साफ किया कि उनकी फिल्म को किसी अतिरिक्त कैमियो की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा ये फिल्म वो सभी कलाकारों के साथ पूरी है, जो इस फिल्म में पहले से काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, ठहमें हमारी फिल्म और हमारी कहानी दोनों में विश्वास है। कार्तिक आर्यन ने आगे कहा कि फिल्म की मौजूदा स्टारकास्ट काफी अच्छी है। उनके बात को समर्थन देते हुए विद्या बालन ने कहा कि इसमें कोई दो राय ही नहीं है। इस वक्त भूल भुलैया 3 की टीम फिल्म का जोरदार प्रमोशन करने में जुटी हुई है। फिल्म के निर्माता इस फिल्म को अंतिम रूप देने के तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन अंतिम चरण में है। निर्माता इसे एक दो-दिन में सेंसर बोर्ड को सौंपने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्म की पूरी समय अवधि 2 घंटे 38 मिनट है।



# मीडिया में सितारों पर निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है

अभिनेत्री साई पल्लवी इन दिनों अपनी बहुप्रीक्षित फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा उनके फैंस उनकी आगामी फिल्म थंडेल में भी देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेत्री अक्सर विवादों से दूर रहना पसंद करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पीआर एजेंसी की आवश्यकता नहीं महसूस होती है। उन्होंने कहा कि वो लो प्रोफाइल रहना पसंद करती हैं। हाल में ही बातचीत के दौरान, साई पल्लवी ने खुलासा किया कि वह पीआर एजेंसी क्यों नहीं रखना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि वह चीजों को निजी रखना पसंद करती हैं, क्योंकि वह दुनिया के सामने भी वास्तविक छवि के साथ रहना पसंद करती हैं। पल्लवी ने खुलासा करते हुए कहा, बॉलीवुड में मेरी एक परिचित महिला थी, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता है, लेकिन मुझे इसकी आवश्यकता समझ में नहीं आई, क्योंकि जब मैं फिल्में करती हूं, तो मैं इंटरव्यू देती हूं फिर मैंने उससे पूछा कि मुझे पीआर एजेंसी की आवश्यकता ही क्यों है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि कैसे उस महिला ने उन्हें बताया कि दर्शकों के लिए उनके बारे में बात करना महत्वपूर्ण है, भले ही उनकी कोई फिल्म न भी आ रही हो। इस पर अभिनेत्री ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि अगर उनके बारे में लगातार बात की जाती है, तो दर्शक उनसे ऊब जाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, मुझे बताया गया था कि जब मैं फिल्में नहीं कर रही थी, तब भी लोगों का मेरे बारे में बात करना ज़रूरी था। लेकिन क्यों? अगर हर कोई मेरे बारे में इतना बात कर रहा है, तो क्या कुछ समय बाद यह उबाऊ नहीं हो जाएगा? मुझे ये बातें समझ में नहीं आतीं। इस दौरान अभिनेत्री ने इस दबाव पर बात की कि कैसे सितारों पर मीडिया में एक निश्चित छवि बनाए रखने का दबाव होता है। अभिनेत्री ने कहा कि वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से कहें तो, मैं जो हूं, वह तभी हो सकता है जब वह सामाजिक नियमों के अनुरूप हो। अगर मैं खुद नहीं हूं तो मैं असहज हो जाऊंगी। अफवाहें आज कल धारणाएं बन जाती हैं।

# फ्लॉप होने पर भी कैसे मिला अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में अहम किरदार

सिंघम अगेन, इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सिर्फ तीन दिन अपनी रिलीज से दूर सिंघम 3 को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे, जो इस फिल्म का काफी दमदार किरदार है। आखिरकार, सिंघम 3 में अर्जुन को यह अहम किरदार कैसे मिला, जबकि उनकी कई लगातार कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। आइए जानते हैं कि आखिर क्यूं रोहित ने उन्हें यह किरदार ऑफर किया।

### अर्जुन को कैसे मिली सिंघम अगेन

2012 में इश्कजादे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद से अर्जुन कपूर ने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। तब से, वे कई हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में, उनकी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। ऐसा होने के बाद भी रोहित ने उन्हें अपनी आगामी एक्शन फिल्म सिंघम अगेन में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के लिए संवाद लिखने वाले मिलाप जावेरी ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म निर्माता एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जो लोगों की काबिलियत पर भरोसा करते हैं, भले ही उनका करियर ग्राफ कितना भी ऊंचा या नीचा क्यों न हो। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपनी आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म में खलनायक की भूमिका के लिए अर्जुन कपूर को क्यों चुना , तो उन्होंने कहा, उन्होंने सिंघम अगेन के लिए अर्जुन कपूर में प्रतिभा और जुनून देखा। उनका मानना था कि अर्जुन कपूर को बस सही अवसर की जरूरत है, और यही उनकी प्रतिभा है। एक बार फिल्म रिलीज होने के बाद, हम देखेंगे कि रोहित कितने सही थे। रोहित शेट्टी भारत के आज सबसे बड़े निर्देशकों में से एक हैं, जब भी वह सेट पर आते हैं, तो पूरा क्रू उनका सम्मान करता है। मिलाप ने रोहित के लिए कहा, उन्होंने अर्जुन को अपनी इस कॉप यूनिवर्स फिल्म में जोड़ा और यह उनके लिए एक शानदार मौका है। रोहित को अर्जुन पर विश्वास था और यही बात फिल्म में दिखाई देगी।

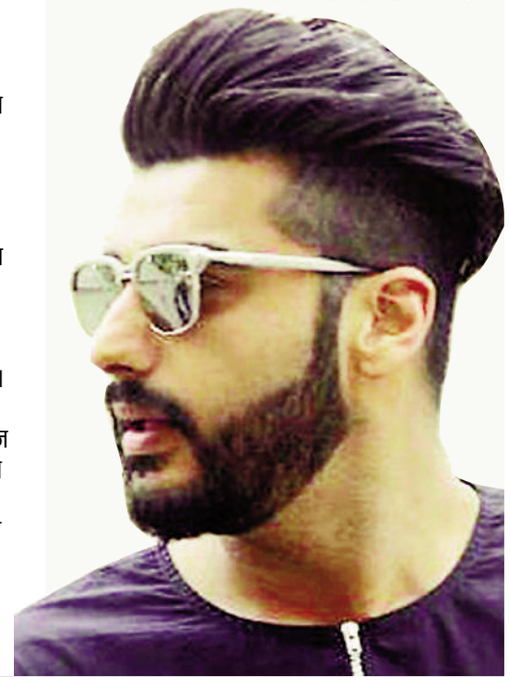

# अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 पर दिया बड़ा अपडेट

सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान अभिनीत प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्म नो एंट्री ने साल 2005 में रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मूल फिल्म के प्रशंसक इसकी अगली कड़ी नो एंट्री 2 पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया अपडेट में, निर्देशक अनीस बज्मी ने पुष्टि की कि नो एंट्री 2 का फिल्मांकन अगले साल की शुरुआत में शुरू होने वाला है। एक इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने नो एंट्री 2 के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की रिलीज के बाद वह अपना फोकस पूरी तरह से नो एंट्री 2 पर लगा देंगे। अनीस बज्मी ने कहा, एक बार जब भूल भुलैया 3 रिलीज हो जाएगी, तो मैं अपनी सारी ऊर्जा नो एंट्री में लगा दूंगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम अगले फरवरी-मार्च में इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे।

### बज्मी ने की वरुण धवन की तारीफ

अनीस बज्मी ने आज के अभिनेताओं की प्रभावशाली हास्य प्रतिभा को उजागर करने में भी थोड़ा समय लिया। उन्होंने विशेष रूप से वरुण धवन की प्रशंसा की, जो अगली कड़ी में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक ने धवन की कॉमिक टाइमिंग की प्रशंसा की, जो निश्चित रूप से फिल्म में एक नई ऊर्जा जोड़ेगी।

### राजकुमार राव की तारीफ में पढ़े कसीदे

अनीस बज्मी ने वरुण धवन के साथ-साथ आयुष्मान खुराना और राजकुमार राव के काम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राव के अभिनय का आनंद लिया है, यहां तक कि उन फिल्मों में भी जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उनका मानना है कि अगर ये तीनों कलाकार किसी फिल्म में साथ आएंगे तो दर्शकों को उनका एक नया पक्ष देखने को मिलेगा।

### नो एंट्री 2 में होंगी सात अभिनेत्रियां

नो एंट्री 2 से वरुण धवन के अलावा अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ भी जुड़ गए हैं। अनीस बज्मी फिल्म के लेखक और निर्देशक दोनों के रूप में काम करेंगे। तीनों प्रमुख कलाकार स्क्रिप्ट को लेकर बहुत उत्साहित हैं और कहानी का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। हाल की रिपोर्टों में महिला किरदारों के एक रोमांचक समूह का भी उल्लेख किया गया है। वरुण, अर्जुन और दिलजीत दोहरी भूमिका निभाएंगे, जो दोगुना मनोरंजन का वादा करता है। इसके अतिरिक्त, फिल्म में सात महिला कलाकारों की एक मजबूत कास्ट शामिल होगी, जो कहानी में गहराई और विविधता जोड़ेगी।